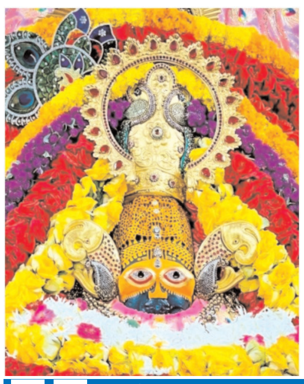

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक:10। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 06 सितम्बर 2026 (रविवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

एसआरसीसी के 100 साल पूरे

पीएम मोदी बोले- इस यात्रा में कॉलेज ने पीढ़ियों को गढ़ा; उज्ज्वल भविष्य से जोड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स यानी एसआरसीसी का आज शताब्दी समारोह है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार शाम सात बजे समारोह में शामिल हुए। शिक्षक दिवस के दिन हो रहे इस समारोह में पीएम मोदी ने कहा कि इस शताब्दी समारोह के लिए मैं आप सबको बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि साथियों जब कोई इंसान 100 वर्ष का होता है तो उसे अनुभव का खान कहा जाता है, लेकिन जब कोई संस्थान 100 वर्ष पूरे करता है तो वह उपलब्धियों का महासागर हो जाता है। अपनी 100 वर्षों की इस यात्रा में एसआरसीसी ने पीढ़ियों को गढ़ा है। उन्हें उज्ज्वल भविष्य से जोड़ा है। जो आए उन्होंने पढ़ा, और जो निकले वे गढ़े हुए निकले। इस कॉलेज की यात्रा दरियागंज के एक छोटे से संस्थान से शुरू हुई थी। आज वही छोटा कॉलेज एक

विशाल वृक्ष बन चुका है। एक ऐसा विशाल वृक्ष जिसने कई पीढ़ियों को छांव दी और अपनी शीतलता से समृद्ध किया है। आज भी डीयू में कोई पूछता है कि कौन सा कॉलेज तो एसआरसीसी कहना ही काफी है।

यहां के एल्युमनाई ओजी हैं: पीएम मोदी

साथियों एसआरसीसी के एल्युमनाई भी बहुत स्पेशल रहे हैं। अगर आपकी भाषा में कहूं तो यहां के एल्युमनाई ओजी हैं। अलग-अलग क्षेत्रों में उन्होंने अपनी पहचान बनाई है और दुनिया में गौरव फैलाया है। इनमें से कुछ एल्युमनाई के साथ मुझे भी काम करने का अवसर मिला है। हमारे अरुण जेटली जी यहीं से पढ़े थे और मैं कह सकता हूं कि शायद हमारी कोई मुलाकात ऐसी नहीं हुई थी, जिसमें वे एसआरसीसी की घटना न सुनाते हों।

पीएम मोदी ने दिल्ली मेट्रो में किया सफर: बच्चों से की बातचीत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) के शताब्दी समारोह में शामिल होने के लिए दिल्ली मेट्रो से पहुंचे। मेट्रो में यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने यात्रियों और छात्रों से बातचीत की। उनके हाथ में मेट्रो कार्ड भी नजर आया। प्रधानमंत्री की मेट्रो यात्रा ने आम यात्रियों के रोजमर्रा के सफर को खास बना दिया। पीएम मोदी ने ट्रेन में मौजूद लोगों से बातचीत की और छात्रों से भी संवाद किया। इसके बाद वह एसआरसीसी के लिए रवाना हुए, जहां उन्हें शताब्दी समारोह को संबोधित करना है।

दिल्ली हाईकोर्ट में 150 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

• 15 सितंबर से आवेदन होंगे शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली दिल्ली हाईकोर्ट ने सीनियर पर्सनल असिस्टेंट समेत कुल 150 पदों पर योग्य और इच्छुक उम्मीदवारों की नियुक्ति के लिए एक आधिकारिक अधिसूचना जारी कर उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। दिल्ली हाईकोर्ट की ओर से जारी 150 रिक्तियों में सीनियर पर्सनल असिस्टेंट (एसपीए) के 117 और पर्सनल असिस्टेंट (पीए) के 33 पद शामिल हैं। एसपीए के 117 पदों में सामान्य के 43, ईडब्ल्यूएस के 14, ओबीसी-एनसीएल के 32, एससी के 16 और एसटी के 12 पद शामिल हैं। वहीं, पीए के 33 पदों में ईडब्ल्यूएस के 7, ओबीसी-एनसीएल के 16, एससी के 5 और एसटी के 5 पद शामिल हैं। इन सभी रिक्तियों के लिए ऑनलाइन माध्यम से आवेदन प्रक्रिया 15 सितंबर के

सुबह 11 बजे से शुरू हो जाएगी और अप्लाई करने की अंतिम तिथि 5 अक्टूबर तक तय की गई है। ऐसे में इन पदों पर नियुक्त होने के लिए एप्लीकेशन फॉर्म भरने के इच्छुक उम्मीदवार दिल्ली हाईकोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर संबंधित पोस्ट के लिए आवेदन लिंक सक्रिय होने के बाद से तय अंतिम तिथि तक या उससे पहले अपनी रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। वहीं, जिन अभ्यर्थियों से आवेदन पत्र भरते समय कुछ गलती हो जाएगी। उनके लिए आवेदन फॉर्म में त्रुटि सुधार की विंडो और सुधार शुल्क के ऑनलाइन भुगतान की तारीख 12 अक्टूबर के सुबह 11 बजे से 14 अक्टूबर के सुबह 11 बजे के बीच तय की गई है। इन दोनों पोस्ट के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के पास किसी मान्यता प्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में ग्रेजुएशन की डिग्री के साथ कंप्यूटर की अच्छी जानकारी और इंग्लिश में टाइपराइटिंग का कौशल होना चाहिए।

झीरम घाटी हमले में 10 आरोपी दोषी करार

• 13 साल बाद आया एनआईए कोर्ट का फैसला, कई बड़े कांग्रेस नेताओं की गई थी जान

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के झीरम घाटी नक्सली हमले के मामले में 13 साल बाद एनआईए की विशेष अदालत ने इस मामले में 10 आरोपियों को दोषी ठहराया है।

NIA कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। 2013 में हुए इस हमले के सजा को लेकर अभी फैसला बाकी है। 25 मई 2013 को बस्तर की झीरम घाटी में नक्सलियों ने कांग्रेस की 'परिवर्तन यात्रा' से लौट रहे नेताओं के काफिले पर घात लगाकर हमला किया था। इस हमले में करीब 29 से 32 लोगों की मौत हुई थी। मृतकों में कांग्रेस के कई बड़े नेता भी शामिल थे। तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नंद कुमार पटेल, पूर्व नेता प्रतिपक्ष महेंद्र कर्मा और पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्या चरण शुक्ल समेत कई नेताओं ने इस हमले में जान गंवाई थी।

13 साल चली कानूनी प्रक्रिया

करीब 13 साल से चल रही कानूनी प्रक्रिया के बाद अब जगदलपुर की एनआईए विशेष अदालत ने फैसला सुनाया है। झीरम घाटी हमला छत्तीसगढ़ की राजनीति में आज भी बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण मुद्दा बना हुआ है। 2013 के झीरम घाटी नक्सली हमले की जांच पहले बस्तर पुलिस ने शुरू की थी। हमले के कुछ ही दिनों बाद कांग्रेस की ओर से राज्य सरकार और पुलिस पर सुरक्षा में चूक के आरोप लगाए गए। इसके बाद मामला राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी NIA को सौंप दिया गया।

सुभाष चंद्रा पर सीबीआर्द का शिकंजा

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस से 1,322 करोड़ रुपये के फ्रॉड का केस दर्ज

एजेंसी

नई दिल्ली। एस्सेल ग्रुप के चेयरमैन और कारोबारी सुभाष चंद्रा की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने उनके और अन्य संबंधित लोगों के खिलाफ एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (LICHFL) के साथ कथित फ्रॉड

को लेकर मामला दर्ज किया है। आरोप है कि यह कथित धोखाधड़ी वर्ष 2018 से 2026 के बीच हुई और इसमें करीब 1,322 करोड़ रुपये की रकम शामिल है। LICHFL की ओर से लगाए गए आरोपों के मुताबिक, 2018 में क्रेडिट फैसिलिटी हासिल करते समय सुभाष चंद्रा ने अपनी नेटवर्थ का प्रमाण करीब 59,113 करोड़ रुपये बताया था। वहीं, 2024 में उनकी ओर से घोषित नेटवर्थ करीब 31.79 करोड़ रुपये बताई गई। इसी अंतर को लेकर कर्जदाता पक्ष ने वित्तीय जानकारी और संपत्तियों की जांच पर सवाल उठाए हैं। मामले की जांच अब CBI के स्तर पर की जा रही है।

व्यक्तिगत दिवाला मामले में भी कानूनी झटका

सुभाष चंद्रा के खिलाफ CBI की कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब उनकी व्यक्तिगत दिवाला प्रक्रिया को लेकर भी कानूनी विवाद चल रहा है। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (NCLAT) ने व्यक्तिगत दिवाला मामले में पहले दिए गए NCLT के आदेश पर रोक लगा दी है।

बडगाम में मारा गया आतंकी लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा पाकिस्तानी नागरिक

बडगाम। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 'ऑपरेशन अशदार' के दौरान बडगाम में मारे गए आतंकवादी की पहचान यासिर के तौर पर की है। वह आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा पाकिस्तानी का नागरिक था। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बताया कि ऑपरेशन के बाद उसकी पहचान की पुष्टि हुई। पुलिस के मुताबिक यासिर प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था। सेना, पुलिस और सीआरपीएफ ने बडगाम के अशदार गली इलाके में एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया। सतर्क जवानों ने संदिग्ध गतिविधि देखी और चुनौती देने पर आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी जिसके बाद ज़बरदस्त मुठभेड़ हुई।

राष्ट्रपति ने शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार से किया सम्मानित

• राष्ट्रपति मुर्मू ने दिल्ली के विज्ञान भवन में 48 स्कूली शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्रदान किये है।

एजेंसी

रायपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शिक्षक दिवस के अवसर पर आज कई शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया है।दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी,राज्यमंत्री जयंत चौधरी और सुकांत मजूमदार भी मौजूद रहे है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शिक्षक दिवस के अवसर पर आज कई शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया है।

इस अवसर पर राष्ट्रपति मुर्मू ने दिल्ली के विज्ञान भवन में 48 स्कूली शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्रदान किये है। ये शिक्षक 27 राज्यों, सात केंद्र शासित

प्रदेशों और छह केंद्रीय सरकारी संस्थानों से चुने गए हैं। इसके अलावा, उच्च शिक्षा संस्थानों और पॉलिटेक्निक के 21 शिक्षकों और प्राध्यापकों को भी राष्ट्रीय पुरस्कार दिए गए है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बल पर ही संभव होगा विकसित भारत का निर्माण : राष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शनिवार को कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बल पर ही विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि संविधान में निहित अवसरों की समानता के आदर्शों को कार्यरूप देने का सबसे प्रभावी माध्यम शिक्षा है और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि देश में एक भी विद्यार्थी अच्छी शिक्षा के अधिकार से वंचित न रहे। राष्ट्रपति ने शिक्षक दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जो समाज अपने शिक्षकों का सम्मान करता है, वह सही अर्थों में प्रगतिशील समाज होता है। शिक्षा व्यवस्था में शिक्षक प्राणवायु का संचार करते हैं और अपने स्नेह तथा समर्पण से विद्यार्थियों में ज्ञान, प्रेरणा, नैतिकता और संवेदनशीलता का विकास करते हैं। राष्ट्रपति ने ओडिशा के रायरंगपुर स्थित श्री अरविंदो इंटीग्रल एजुकेशन सेंटर में पढ़ाए अपने विद्यार्थियों को याद किया और कहा कि उन्होंने अपने छात्रों से भी बहुत कुछ सीखा है। उन्होंने विद्यार्थियों से मिले प्रेम और स्नेह को अपने जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक बताया। उन्होंने राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने वाले शिक्षकों में ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों के शिक्षकों की बड़ी संख्या पर प्रसन्नता व्यक्त की। राष्ट्रपति ने कहा कि पुरस्कार विजेता शिक्षकों के योगदान और उपलब्धियों पर केंद्रित लघु फिल्मों को देखकर उनका यह विश्वास और मजबूत हुआ है कि निष्ठावान शिक्षक अग्रिम पंक्ति के राष्ट्र निर्माता हैं।

स्वतंत्र भारद्वाज को दिल्ली की अदालत ने एक दिन की पुलिस हिरासत में भेजा

सीजेपी समर्थक के पिता पर कथित हमले के मामले में स्वतंत्र भारद्वाज गिरफ्तार हो गया है।

एजेंसी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी की समर्थक छात्रा के पिता पर कथित हमले के मामले में दिल्ली पुलिस ने हिंदूवादी इन्फ्लुएंसर स्वतंत्र भारद्वाज को गिरफ्तार कर लिया है। शनिवार को गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसे दिल्ली की पटियाला हाउस अदालत में पेश किया। अदालत ने मामले की जांच के लिए स्वतंत्र भारद्वाज को एक दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया।

इससे एक दिन पहले दिल्ली पुलिस ने स्वतंत्र भारद्वाज को उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से हिरासत में लिया था। यह कार्रवाई सीजेपी के प्रतिनिधिमंडल द्वारा संसद मार्ग थाने का घेराव किए जाने के कुछ घंटों बाद हुई थी। प्रदर्शन के दौरान संगठन की ओर से भारद्वाज की गिरफ्तारी के साथ-साथ मामले में कड़ी कानूनी धाराएं लगाने की मांग की गई थी।

एफआईआर में बढ़ाई गई कानूनी धाराएं

दिल्ली पुलिस ने स्वतंत्र को हिरासत में लेने के बाद मामले की

एफआईआर में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम और आपराधिक धमकी से संबंधित धाराएं जोड़ी थीं। इसके अलावा उसके खिलाफ पॉक्सो कानून के तहत भी मामला दर्ज किया गया है।

न्यायाधीश संजय कुमार अग्रवाल छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त

एजेंसी

रायपुर। न्यायाधीश संजय कुमार अग्रवाल को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय का नया कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। केंद्र सरकार ने इस संबंध में शुक्रवार को अधिसूचना जारी की। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा 4 सितंबर को 2026 को सेवानिवृत्त हो गए थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने न्यायाधीश संजय कुमार अग्रवाल को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय नया कार्यवाहक मुख्य न्यायधीश नियुक्त किया है। हालांकि न्यायाधीश संजय अग्रवाल को राजस्थान उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश बनाया चुका है। राष्ट्रपति के आदेश पर फिलहाल के लिए उन्हें छत्तीसगढ़ का कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। जस्टिस संजय कुमार अग्रवाल छत्तीसगढ़ के ही मूल निवासी हैं और कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश बनने से पहले वे छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर में ही वरिष्ठ न्यायाधीश के रूप में पदस्थ थे। उनका जन्म 15 जुलाई 1965 को छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के रतनपुर में हुआ था। उनका परिवार रतनपुर का निवासी है। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा रतनपुर से ही पूरी की थी।

चंडीगढ़ में अकाली दल महिला विंग का रोष मार्च

हरसिमरत कौर हिरासत में; पुलिस से हुआ जोरदार टकराव

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब में मुख्यमंत्री भगवंत मान की पत्नी डॉ. गुरप्रीत कौर से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर सियासी घमासान बढ़ता जा रहा है। शनिवार को शिरोमणि अकाली दल की महिला विंग ने चंडीगढ़ में रोष मार्च निकाला। बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता सांसद हरसिमरत कौर बादल के नेतृत्व में मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़ीं। पुलिस ने उन्हें रास्ते में रोकने के लिए भारी बैरिकेडिंग की थी।

प्रदर्शनकारियों और पुलिस के आमने-सामने आने के बाद मौके पर जमकर हंगामा हुआ। पुलिस ने प्रदर्शनकारी महिलाओं को आगे बढ़ने से रोक दिया। इसके बाद कई कार्यकर्ता सड़क पर बैठ गईं

और धरना शुरू कर दिया। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी।

मार्च के दौरान पुलिस ने अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर बादल को भी हिरासत में ले लिया। वह प्रदर्शन का नेतृत्व कर रही थीं और मुख्यमंत्री आवास की ओर जाने की कोशिश कर रही थीं। अकाली दल ने इस कार्रवाई को लेकर पंजाब सरकार और पुलिस पर सवाल उठाए हैं। पार्टी का कहना है कि मुख्यमंत्री की पत्नी पर लगाए गए गंभीर आरोपों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। अकाली दल लगातार इस मुद्दे को लेकर पंजाब सरकार पर निशाना साध रहा है। हालांकि, इन आरोपों की अभी जांच चल रही है और इन्हें अदालत में साबित नहीं किया गया है।

NHRC ने भी मांगी जांच रिपोर्ट

मामले को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) के हस्तक्षेप का भी अकाली दल ने उल्लेख किया है। पार्टी के अनुसार, आयोग ने आरोपों का संज्ञान लेते हुए पंजाब के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक से जांच एवं कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी है। हरसिमरत कौर बादल पहले भी इस मामले को लेकर सरकार पर हमला बोल चुकी हैं। उन्होंने NHRC के संज्ञान को गंभीर बताते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

स्वतंत्र भारद्वाज की एक दिन की पुलिस कस्टडी पर वकील बोले- परिवार को सूचना तक नहीं मिली

नई दिल्ली। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर स्वतंत्र भारद्वाज को पटियाला हाउस कोर्ट ने एक दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। आरोपी के वकील उमेश शर्मा ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि गिरफ्तारी के बाद परिवार को सूचना तक नहीं दी गई। वहीं, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत और सांसद कुमारी सैलजा ने गिरफ्तारी में देरी को लेकर सरकार पर निशाना साधा और कहा कि सब कुछ सामने होने के बावजूद कार्रवाई में इतना वक्त क्यों लगा? वकील उमेश शर्मा ने कहा, 'दिल्ली पुलिस ने अपने हिसाब से, अपने विवेक का इस्तेमाल करते हुए उन्हें कहीं और पेश कराया। सुनने में आया है कि एक दिन की पुलिस कस्टडी दी गई है। हमारे देश का कानून ऐसा है कि आप जब भी किसी को गिरफ्तार करते हैं, तो 24 घंटे के अंदर मजिस्ट्रेट के यहां पेश कराना पड़ता है। एफआईआर में और भी धाराएं जोड़ी गई हैं। एक पॉक्सो, एससीएसटी के एक्ट जोड़े गए हैं। आईओ तय करेगा कि किस कोर्ट में उसे पेश कराए, क्योंकि सबकी कोर्ट अलग-अलग होती है।'

नर्मदा नहर के पास बलेनो कार से विदेशी शराब जब्त, वडोदरा के बूटलेगर को जेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटाउदेपुर। शराबबंदी और जुआ जैसी असामाजिक गतिविधियों पर पूरी तरह से अंकुश लगाने के लिए पुलिस तंत्र एक्शन मोड में आ गया है। जिला पुलिस प्रमुख के सख्त निर्देशों के बाद असामाजिक तत्वों के खिलाफ चलाए जा रहे सघन चेकिंग और तलाशी अभियान के दौरान बोडेली पुलिस स्टेशन की टीम को बड़ी सफलता मिली है। बोडेली पीआई पी.एस. खंडा और उनकी टीम ने विशिष्ट सूचना के आधार पर फिल्मी अंदाज में नर्मदा नहर रोड पर नाकाबंदी कर विदेशी शराब की तस्करी का पर्दाफाश किया है। प्राप्त विवरण के अनुसार, बोडेली पुलिस स्टाफ अपने क्षेत्र में रात और दिन की गश्त पर था, जब उन्हें हेड कांस्टेबल और मुखबिरों के जरिए सटीक सूचना मिली कि वडोदरा की ओर नर्मदा मुख्य नहर रोड के रास्ते एक सफेद रंग की मारुति सुजुकी बलेनो कार में बड़ी मात्रा में विदेशी शराब की तस्करी की जा रही है खांडा ने तुरंत मोरखला नर्मदा मेन कैनाल के पास तैनात होकर कड़ी निगरानी शुरू कर दी। इसी बीच, जानकारी के मुताबिक सफेद रंग की बलेनो कार (रजिस्ट्रेशन नंबर GJ-®{-RD-5895) तेज स्पीड से आती दिखी, तो पुलिस ने होशियारी से उसे चारों तरफ से घेरकर रोक लिया।

अहमदाबाद में रिक्शा-टैक्सी ड्राइवरों की 4 दिन की हड़ताल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर के रिक्शा और टैक्सी ड्राइवरों ने फ्यूल की बढ़ती कीमतों और किराए में बढ़ोतरी समेत बाकी मांगों को लेकर 4 दिन की हड़ताल का ऐलान किया है। रिक्शा चालकों की यूनियन ने साफ चेतावनी दी है कि अगर प्रशासन और सरकार ने उनकी जायज मांगों को तुरंत पूरा नहीं किया तो यह आंदोलन सिर्फ अहमदाबाद तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि पूरे गुजरात में राज्यव्यापी आंदोलन का रूप ले लेगा। इस 4 दिन की हड़ताल से यात्रियों, कर्मचारियों और छात्रों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। गुजरात गैस का बड़ा झटका PNG की कीमत में 6.53 की भारी बढ़ोतरी गुजरात गैस ने महंगाई के असहनीय बोझ तले दबी जनता को बड़ा झटका दिया है। गुजरात गैस ने पाइप्ड नेचुरल गैस की कीमत में ?6.53 प्रति स्ष्टरूकी भारी बढ़ोतरी कर दी है। गैस की कीमत में इतनी बड़ी बढ़ोतरी से आम और मिडिल क्लास के किचन का बजट पूरी तरह से बिगड़ गया है। जनता अभी इस झटके से उबरी नहीं है, और पूरी संभावना है कि आने वाले दिनों में पेट्रोल और डीज़ल की कीमतें भी फिर से बढ़ेंगी। सरकार की आर्थिक नीतियों के खिलाफ अब जनता और किसानों में बहुत गुस्सा है।

ऐतिहासिक जौहर पर सवाल उठाने पर स्वरा भास्कर के खिलाफ भारी गुस्सा राजकोट में धार्मिक सभा, साधु-संत और VHP लाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। बॉलीवुड एक्ट्रेस स्वरा भास्कर के संजय लीला भंसाली की सुपरहिट फिल्म 'पद्मावत' के क्लाइमेक्स और ऐतिहासिक 'जौहर' के सीन को लेकर दिए गए विवादित बयान के बाद पूरे गुजरात में धार्मिक और सामाजिक हलकों में ज़बरदस्त गुस्सा है। राजकोट में आयोजित बड़े धार्मिक सभा के दौरान साधु-संत और विश्व हिंदू परिषद के नेताओं ने स्वरा भास्कर पर तीखे हमले किए हैं। खासकर, खिरसारा स्वामीनारायण मंदिर के धार्मिक प्रमुख भक्तिस्वामी ने धार्मिक सभा को संबोधित करते हुए स्वरा भास्कर की कड़ी आलोचना की और उनकी तुलना 'शूर्पणखा' से की। स्वामीजी ने अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा, 'हमें विधर्मी उतना परेशान नहीं करते, जितना हमारे अपने घर के जयचंद करते हैं।' उन्होंने कहा कि भारत के क्षत्रियों और वीर पुरुषों ने अपनी संस्कृति, स्वाभिमान और सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए जो महान बलिदान दिया है, उसे कायरता कहना भारतीय संस्कृति और इतिहास का घोर अपमान है। दूसरी ओर, विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय मंत्री शंकरभाऊ ने भी इस विवादित बयान पर कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कड़े शब्दों में हमला करते हुए कहा, 'यह महिला जो भारत की नारी शक्ति और वीरता के इस बलिदान का सम्मान नहीं करती, वह देश के लिए एक दाग और मानसिक कीड़े की तरह है।' उन्होंने आगे आरोप लगाया कि फिल्मी करियर में काम न मिलने के कारण सिर्फ शोहरत और पब्लिसिटी पाने के लिए इस तरह की घटिया बातें की जा रही हैं। दिल्ली में हुए एक इवेंट के दौरान स्वरा भास्कर ने 'पद्मावत' के जौहर सीन को लेकर विवादित बयान दिया, जिसमें उन्होंने आत्मदाह की ऐतिहासिक घटना पर सवाल उठाए। इस बयान के बाद सनातनी समाज, क्षत्रिय संगठनों और संतों में काफी गुस्सा है। राजकोट में उठी इस विरोध की आवाज़ अब पूरे गुजरात में फैल रही है और हिंदू संगठनों ने साफ़ चेतावनी दी है कि भारत की क्षत्रिय महिलाओं और वीर पुरुषों की वीरता और बलिदान का ऐसा अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सरकारी दावों की पोल खुली खंभालिया में पशुपालक चारे के बिना परेशान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

द्वारका। जिले के जाम खंभालिया तालुका में सरकारी दावों और हकीकत में बहुत बड़ा अंतर सामने आया है। उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी के चारा बांटने को लेकर किए गए बड़े-बड़े दावे सिर्फ कागजों पर ही साबित हुए हैं। पूरे खंभालिया तालुका में 6 हजार से ज्यादा पशु कार्ड बांटे जा चुके हैं, लेकिन बांटने के लिए सिर्फ एक सेंटर शुरू किया गया है, जिससे पशुपालकों को काफी परेशानी हो रही है।आज सुबह से ही दांता गांव में फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के घास गोदाम पर चारा लेने के लिए बड़ी संख्या में पशुपालक लाइनों में खड़े थे। प्रशासन ने पशुपालकों को एक तय समय पर बुलाया था कि 'आज घास मिलेगी '। लेकिन घंटों लाइन में लगने के बाद पता चला कि गोदाम में घास ही नहीं है। घास की काफी मात्रा न होने के बावजूद पशुपालकों को दूर-दूर से चारा लाने के लिए धकेला जा रहा था, जिससे पशुपालकों में काफी गुस्सा और नाराजगी है। आखिरकार घंटों की मुश्किल के बाद पशुपालकों को बिना घास लिए ही अपने घरों को लौटने को मजबूर होना पड़ा। सरकारी डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर पर मैनेजमेंट के नाम पर अव्यवस्था देखने को मिली है। चिलचिलाती धूप और उमस भरी गर्मी में लाइन में खड़े पशुपालकों के लिए सेंटर पर छाया या पीने के पानी का कोई बेसिक इंतज़ाम नहीं किया गया है। सुबह से भूखे-प्यासे लोगों के लिए सिस्टम की यह बेपरवाही सामने आई है। पशुपालकों ने गुस्से में मांग की है कि तुरंत पीने का पानी और छाया का इंतज़ाम किया जाए।बिगड़ते हालात और पशुपालकों की भारी परेशानी के बीच, इंचार्ज ममलतदार व्यास तुरंत घास डिपो पहुंचे। उन्होंने पशुपालकों से घास डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम के बारे में बात की और उनकी बातें सुनीं। पूरे तालुका में सिर्फ़ एक डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर होने से होने वाली भीड़ और अव्यवस्था के बारे में ममलतदार के सामने ज़ोरदार बात रखी गई। पशुपालकों की बढ़ती संख्या और चारे की भारी ज़रूरत को देखते हुए, जाम खंभालिया तालुका में तुरंत 2 से 3 और नए चारा बांटने वाले सेंटर शुरू करने की ज़ोरदार मांग उठ रही है। अगर समय रहते सेंटर नहीं बढ़ाए गए और काफ़ी चारा नहीं मिला, तो आने वाले दिनों में पशुपालकों का विरोध और तेज़ होने की पूरी संभावना है।

हलोल पुलिस की 'लापरवाही' या भ्रष्टाचार?

20 साल के नौजवान के 18 साल जेल की चारदीवारी में जल गए!

जो आदमी 2008 से जेल में था, उसे कागज़ों में 'भगोड़ा' दिखा दिया गया!

18 साल 7 महीने तक एक बेगुनाह आदमी को सिस्टम से लड़कर अपना सच साबित करना पड़ा।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद / हलोल। जिस सिस्टम का मकसद नागरिकों की सुरक्षा करना, कानून-व्यवस्था बनाना है, उसी सिस्टम के एक कागज़ के टुकड़े ने एक नौजवान की पूरी ज़िंदगी, सपने और ज़िंदगी के ज़रूरी 18 साल बर्बाद कर दिए। हलोल पुलिस स्टेशन की एक बड़ी लापरवाही और बिना जांच के तैयार की गई रिपोर्ट की वजह से एक आदमी को अपनी ज़िंदगी के 18 साल 7 महीने सलाखों के पीछे बिताने पड़े।

क्या है पूरा काला सच?

2008 की घटना और झूठी रिपोर्ट- 2008 में हलोल पुलिस स्टेशन ने एक 20 साल के नौजवान के खिलाफ कोर्ट में ऑफिशियल रिपोर्ट फाइल की थी। जिसमें दावा किया गया था कि आरोपी 'पुलिस कस्टडी से भाग गया' और फरार है।

जेल के अंदर, लेकिन कागज़ों पर भगोड़ा: यह पुलिस रिपोर्ट पूरी तरह से बेबुनियाद और झूठी थी। सच तो यह था कि वह युवक कहीं भागा नहीं था, बल्कि उस समय अहमदाबाद की साबरमती सेंट्रल जेल और महाराष्ट्र की सेंट्रल जेल में सज़ा/कोर्ट की कार्रवाई के तहत बंद था।

बिना जांच के लालीवाड़ी: हलोल पुलिस ने यह पता लगाने के लिए शुरुआती जांच करने की भी ज़हमत नहीं उठाई कि आरोपी असल में कहां है? कागज़ों पर उसे 'भगोड़ा' घोषित करके कोर्ट को भी अंधेरे में रखा गया।

18 साल और 7 महीने की डरावनी लड़ाई

एक 20 साल का युवक, जो अपनी पूरी ज़िंदगी झेलता रहा, साबरमती सेंट्रल जेल की दीवारों से चिल्लाता रहा 'मैं भगोड़ा नहीं हूं! मैं 2008 से जेल में हूं! ' लेकिन इस आवाज़ को बहरे सिस्टम तक पहुंचने में 18 साल और 7 महीने लग गए। इतने सालों तक वह आदमी सिर्फ़ यह साबित करने के लिए जेल में रहा कि वह पुलिस कस्टडी से भागा नहीं था!

बड़े सवालः इस तबाही का हिसाब कौन देगा?

खाकी पर दागः हलोल पुलिस ने बिना किसी जांच के कागज़ पर झूठी रिपोर्ट कैसे बना दी?

किसकी ज़िम्मेदारी?: एक 20 साल के नौजवान की ज़िंदगी के सबसे कीमती 18 साल छीन लिए गए, कौन सा अफ़सर या कौन सा सिस्टम उसकी भरपाई करेगा?

इंसाफ़ या देरी?: अगर बेगुनाही साबित करने में 18 साल 7 महीने लग जाएं, तो इसे इंसाफ़ कहेंगे या इंसाफ़ के नाम पर मज़ाक?

आज वो बंदा जेल से छूट गया है, लेकिन 20 साल की उम्र में जेल गया नौजवान आज अपनी ज़िंदगी के बीच में खड़ा है। उसके 18 साल, उसकी विदाई, और उसकी पूरी ज़िंदगी 'भगोड़े' का दाग मिटाने में निकल गई। पक्को गुजरात न्यूज़ पूछता है–क्या दोषी पुलिस अफ़सरों पर कार्रवाई होगी, या यह फ़ाइल भी सरकारी धूल में दब जाएगी?

म्युनिसिपल इंजीनियर को नकली RTO ई-चालान APK फाइल भेजकर ठगा, बैंक अकाउंट से पैसे उड़ाए!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। सांस्कृतिक नगरी वडोदरा में साइबर क्राइम गैंग ने अब पढ़े-लिखे और जिम्मेदार अधिकारिआई है कि ट्रैफिक पुलिस के नाम पर नकली RTO ई-चालान का मैसेज लिंक भेजकर वडोदरा म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के डिप्टी एग्जीक्यूटिव इंजीनियर के साथ साइबर फ्रॉड किया गया। जैसे ही .APK फाइल WhatsApp पर डाउनलोड हुई, मोबाइल हैक हो गया और इंजीनियर के बैंक अकाउंट से पैसे गायब हो गए। चालान भरने के नाम पर भेजी जानलेवा APK फाइल पल भर में मोबाइल कंट्रोल हो गया! घटना की जानकारी के मुताबिक, म्युनिसिपल इंजीनियर के WhatsApp पर एक अनजान नंबर से मैसेज आया। जिसमें गाड़ी का ट्रैफिक चालान पेंडिंग था और चालान डिटेल्स देखने और ऑनलाइन फाइन भरने के लिए 'RTO e-challan.apk' नाम की फाइल डाउनलोड करने को कहा गया थ मोबाइल हैकिंग जैसे ही इंजीनियर ने इस APK फाइल पर क्लिक करके इसे इंस्टॉल किया, साइबर बदमाशों ने तुरंत उसके मोबाइल का सारा एक्सेस अपने हाथ में ले लिया। बैंक अकाउंट से रकम साफ मोबाइल हैक होते ही बदमाशों ने बैंक से आए OTP और मैसेज को पढ़कर इंजीनियर के बैंक अकाउंट से रकम निकाल ली। इस गंभीर स्कैम के सामने आने के बाद, इंजीनियर ने तुरंत साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने क्राइम रजिस्टर कर लिया है और जिस नंबर से फाइल भेजी गई थी, उसकी टेक्निकल जांच शुरू कर दी है और मनी ट्रेल के आधार पर दोषियों को पकड़ने की कोशिश शुरू कर दी है। वडोदरा साइबर क्राइम पुलिस ने लोगों के लिए रेड अलर्ट जारी करते हुए कहा है ट्रैफिक पुलिस या RTO कभी भी WhatsApp पर .APK फाइल या पेमेंट लिंक नहीं भेजते हैं। चालान चेक करने के लिए सिर्फ़ सरकारी वेबसाइट echallan.parivahan.gov.in का इस्तेमाल करें। गलती से किसी अनजान APK फ़ाइल या लिंक पर क्लिक न करें।

किसानों के गुस्से का महासंग्रामः 'चुनाव में वोट देने वाले MLA अब गायब क्यों हैं?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। सूखाग्रस्त इलाकों में बारिश न होने से किसानों, पशुपालकों, खेत मजदूरों और गरीबों की हालत बहुत खराब हो गई है। 300 से 400 फीट गहरे बोरवेल से भी पानी सूख जाने से फसलें जलकर राख हो गई हैं, बल्कि जानवरों को पानी पिलाने के लिए भी पानी खत्म हो रहा है। ऐसे मुश्किल हालात में आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और किसान नेता यसुदान गढ़वी ने 57 स्न्नऔर राज्य के प्रशासन पर तीखा हमला बोला है। एक खास वीडियो मैसेज के जरिए उन्होंने स्न्नको साफ तौर पर धमकी दी है कि अगर उन्होंने किसानों के सपोर्ट में मुख्यमंत्री को चिट्ठी नहीं लिखी तो उनके नाम पब्लिक कर दिए जाएंगे। चुनाव के समय पेज प्रेसिडेंट और नेता सामने आते हैं, लेकिन अब जब अन्नदाता मर गया है तो सब गायब हो गए हैं!

वोट पाने का खेलः जब चुनाव आते हैं, तो BJP नेता, जाति-पाति के नेता, तालुका-जिला पदाधिकारी और पेज अध्यक्ष वोट मांगने के लिए घर-घर जाते हैं।

असली ज़रूरत से गायबः आज जब किसान, खेत मज़दूर और पशुपालक बर्बाद हो रहे हैं, तो ये सभी नेता और नेता अंडरग्राउंड हो गए हैं।

निर्दयी नेताओं का पर्दाफ़ाशः जिन्हें स्न्न चुनकर अन्नदाता के दिलों में जगह बनानी चाहिए थी, वे मुसीबत के समय अपने ही वोटरों का चेहरा देखने को तैयार नहीं हैं।

ईसुदान गढ़वी की 4 मुख्य मांगें और MLAs को चिट्ठी लिखने का अल्टीमेटम ईसुदान गढ़वी ने 57 सूखा प्रभावित स्न्न्य को चिट्ठी लिखकर अपील की है कि वे बिना किसी राजनीतिक भेदभाव के मुख्यमंत्री के सामने अपनी शिकायतें रखें। उन्होंने 4 मुख्य मांगें दोहराई हैंः जो अपने इलाके के अन्नदाताओं के लिए मुख्यमंत्री को चिट्ठी लिखने की हिम्मत नहीं दिखाते, उन्हें 'क्रूर' कहा जाएगा और आने वाले दिनों में उनके नाम पब्लिक किए जाएंगे। आंदोलन का दूसरा फ़ेज़ 9 सितंबर से 108 तालुकाओं में किसान क्रांति का शंखनाद इसुदान गढ़वी ने ऐलान किया है कि 'सूखा घोषणा सत्याग्रह' का दूसरा फ़ेज़ 9 सितंबर से शुरू होगा। 108 तालुकाओं के सभी प्रभावित किसानों, पशुपालकों, खेत मज़दूरों और गरीबों से इस बड़े आंदोलन में शामिल होने की अपील की गई है। हर गांव में 100 लोगों की टीम बनाई जाएगी और किसानों से एप्लीकेशन फ़ॉर्म भरवाए जाएंगे।

वडोदरा के कुबेर भवन में एक बड़ा हादसा टल गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। शहर के एक बहुत ज़रूरी सरकारी कॉम्प्लेक्स कुबेर भवन में आज अचानक हुई एक घटना से अफ़रा-तफ़री मच गई। कुबेर भवन परिसर में काफ़ी समय से रिपेयर और रेनोवेशन का काम चल रहा था। इसी बीच, जब ग्राउंड फ़्लोर पर काम चल रहा था, तो पुरानी और जर्जर दीवार अचानक गिर गई। इस हादसे में, वहाँ काम कर रहा एक मज़दूर मिट्टी और ईंटों के मलबे के नीचे दब गया, जिससे वहाँ भारी भगदड़ मच गई।

अमित नाम के एक मज़दूर के पैर में गंभीर चोट आईः उसे 108 के ज़रिए स्स्त्न हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया वहाँ काम कर रहे अमित नाम के एक मज़दूर के पैर में गंभीर चोट आई जब पुरानी दीवार अचानक गिर गई। घटना होते ही, स्थानीय लोग और दूसरे मज़दूर मौके पर पहुँचे और मलबा हटाकर अमित को बाहर निकाला। घटना की सूचना मिलते ही, 108 एम्बुलेंस सर्विस मौके पर पहुँची। घायल मज़दूर को तुरंत आगे के इलाज के लिए वडोदरा के स्स्त्न हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। बड़ी दुर्घटना टल गईः सरकारी इमारतों में सुरक्षा पर सवाल अच्छी बात यह रही कि इस गंभीर दुर्घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, जिससे प्रशासन ने राहत की सांस ली है। अब तक मिली जानकारी के अनुसार, घायल मजदूर की हालत स्थिर है। हालांकि, अब इस बात पर कई सवाल उठ रहे हैं कि कुबेर भवन जैसी सरकारी इमारत, जहां हजारों नागरिक आते-जाते हैं, वहां मरम्मत के काम के दौरान किस तरह के सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं।

अहमदाबाद में सुबह-सुबह आतंक कर्णावती-1 के पास चाकू दिखाकर चेन छीनने की कोशिश

सतर्क नागरिकों ने लुटेरे को पकड़कर नारोल पुलिस के हवाले किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के दक्षिणी इलाके में असामाजिक तत्वों की परेशानी और अपराध दिन-ब-दिन बढ़ते जा रहे हैं। आज सुबह करीब 6:30 बजे कर्णावती-1 इलाके में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। एक मनचले युवक ने खुलेआम सुबह की सैर या काम पर निकले मासूम नागरिकों पर धारदार चाकू दिखाकर सोने की चेन खींचने की कोशिश की।

सुबह 6:30 बजे लुटेरे ने चाकू से किया हमलाः लोग दहशत में

घटना की जानकारी के मुताबिक, सुबह जब आसपास के लोग अपने रूटीन के हिसाब से घूम रहे थे, तभी इस संदिग्ध युवक ने अचानक

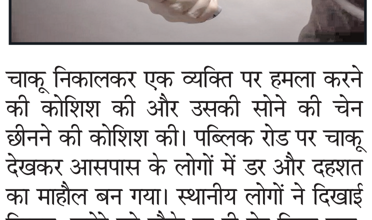

चाकू निकालकर एक व्यक्ति पर हमला करने की कोशिश की और उसकी सोने की चेन छीनने की कोशिश की। पब्लिक रोड पर चाकू देखकर आसपास के लोगों में डर और दहशत का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने दिखाई हिम्मतः लुटेरे को मौके पर ही घेर लिया गया, नारोल पुलिस के हवाले कर दिया गया इससे पहले कि लुटेरा अपने इरादे में कामयाब हो पाता या भाग पाता, स्थानीय लोगों और राहगीरों ने बहुत हिम्मत और समझदारी दिखाई। जमा हुए नागरिकों ने युवक को चारों तरफ से घेर लिया और उसे मौके पर ही चाकू के साथ पकड़ लिया। घटना की सूचना तुरंत नारोल पुलिस स्टेशन को दी गई, और पुलिस का एक काफिला मौके पर पहुंचा। स्थानीय लोगों ने पकड़े गए आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया। नारोल पुलिस ने केस दर्ज कर गहन जांच शुरू कर दी हैः आरोपी के काम करने के तरीके और क्रिमिनल हिस्ट्री की जांच नारोल पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लेकर उसके पास से एक धारदार चाकू जब्त कर लिया। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है और आरोपी की क्रिमिनल हिस्ट्री की जांच कर रही है। नारोल पुलिस ने इस बात की गहन जांच शुरू कर दी है कि क्या यह युवक पहले भी ऐसी किसी स्नैचिंग या लूट की घटना में शामिल रहा है और क्या उसके साथ कोई और कनेक्शन है। सुबह हुई इस घटना ने एक बार फिर इलाके के नागरिकों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के कर्मचारियों की शानदार ईमानदारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के इंद्रपुरी वार्ड से इंसानियत और ईमानदारी की एक शानदार और दिल को छू लेने वाली घटना सामने आई है। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के सफ़ाई कर्मचारियों ने अपनी ड्यूटी के प्रति लगन और ईमानदारी की एक बेहतरीन मिसाल पेश करके नागरिकों का दिल जीत लिया है। घटना की जानकारी के अनुसार, 5/9/2026 को इंद्रपुरी वार्ड की कृष्णकुंज सोसाइटी में रहने वाले एक स्थानीय निवासी ने गलती से अपना कीमती मोबाइल फ़ोन घर के कचरे के साथ डोर-टू-डोर कूड़े की गाड़ी में फेंक दिया। कुछ देर बाद, जब उन्हें पता चला कि मोबाइल फ़ोन कूड़े में चला गया है, तो उन्होंने बिना घबराए तुरंत इंद्रपुरी वार्ड के सीनियर स्टाफ़ से संपर्क किया।स्थानीय निवासी की समस्या को समझते हुए, सीनियर स्टाफ़ ने तुरंत एक्शन लिया और डोर-टू-डोर सुपरवाइज़र, श्री रोहितभाई से संपर्क किया। सुपरवाइज़र रोहितभाई ने तुरंत इलाके में कूड़ा गाड़ी के ड्राइवर, श्री सुनीलभाई डामोर से संपर्क किया और उन्हें स्थिति के बारे में बताया। ड्राइवर सुनीलभाई डामोर ने भी बहुत तत्परता दिखाई और कचरा गाड़ी की अच्छी तरह से जांच की और जल्द ही कचरे के ढेर से मोबाइल को सुरक्षित ढूंढ लिया।

'बैग छूट गया' का बहाना और करोड़ों की मौज: थलतेज पैलेडियम मॉल के 'ऑरा ज्वेलरी' से लाखों चुराने वाला सेल्समैन गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। हाई-फाई एरिया माने जाने वाले थलतेज में मौजूद पैलेडियम मॉल के 'ऑरा फाइन ज्वेलरी' शोरूम से 5.90 लाख रुपये से ज़्यादा की कीमती ज्वेलरी चोरी का मामला वस्त्रपुर पुलिस ने सुलझा लिया है। पुलिस ने शोरूम में ही सेल्स एग्जीक्यूटिव के तौर पर काम करने वाले दर्शन अश्विनभाई सोनी नाम के एक शातिर चोर को गिरफ्तार करके वारदात का पर्दाफाश किया है।

आरोपी ने चोरी करने का बहुत ही शातिर प्लान बनाया था

चाबी हासिल कर ली: शोरूम बंद होने के बाद आरोपी दर्शन ने बहाना बनाया कि उसका बैग अंदर रह गया है। धोखा: देर रात साथी कर्मचारी से चाबी हासिल करके शोरूम में घुसा। ज्वेलरी की सफाई: 5.90 लाख रुपए से ज्यादा कीमत के कीमती सोने और हीरे के कंगन, सोने की चेन और मंगलसूत्र चुराकर वह रफूचक्कर हो गया। पुलिस की कड़ी पूछताछ में आरोपी दर्शन ने चौंकाने वाले खुलासे किए। उसने शोरूम से चुराए गए लाखों रुपए के सोने और हीरे के जेवर अहमदाबाद के मानेकचौक में स्वर्ण व्यापारियों को बेच दिए। जेवर बेचने से मिले लाखों रुपए उसने पल भर में अपनी फिजूलखर्ची, अय्याशी और अय्याशी पर उड़ा दिए। पुलिस जांच में सबसे चौंकाने वाली बात यह सामने आई है कि शोरूम में सेल्समैन का काम करने वाला दर्शन सोनी कोई आम आदमी नहीं बल्कि आदतन अपराधी है। पिछले 10 सालों में उसके खिलाफ शहर के विभिन्न थानों में वाहन चोरी, सेंधमारी और शराबबंदी समेत कुल 13 गंभीर अपराध दर्ज हैं। फिलहाल वस्त्रपुर पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार करने और चोरी का माल जब्त करने के लिए जांच तेज कर दी है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि मानेकचौक के किन व्यापारियों ने चोरी का माल खरीदा था।

भावनगर बस स्टैंड पर पति की बेरहमी से हुई टॉर्चर से काजल बरैया की दर्दनाक मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भावनगर। मेन बस स्टैंड जैसी पब्लिक जगह पर काजल बरैया नाम की एक युवती की उसके पति फैजल खटकी के अमानवीय और बेहद क्रूर हमले में मौत हो गई है। इस घटना से पूरे इलाके में काफी गुस्सा फैल गया है। भीड़भाड़ वाले बस स्टैंड में खुलेआम खेले गए इस खूनी खेल और वहां मौजूद लोगों के मूक दर्शक बने रहने की आदत पर अब कई गंभीर सवाल उठ रहे हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, यह पूरी अमानवीय घटना करीब 7 मिनट तक लगातार चलती रही। भावनगर जैसे छोटे और शांत शहर में, जहां एक छोर से दूसरे छोर तक पहुंचने में मुश्किल से 5 मिनट लगते हैं, वहां बस स्टैंड जैसी भीड़भाड़ वाली पब्लिक जगह पर एक बेबस लड़की पर 7 मिनट तक जानलेवा हमला किया गया। आस-पास बड़ी संख्या में लोगों के होने के बावजूद, कोई भी उसे बचाने या हत्यारे को रोकने की ज़रा सी भी कोशिश करने के लिए आगे नहीं आया, जो समाज की मरी हुई संवेदनशीलता और निष्क्रियता पर एक करारा झटका है।

आज के युवाओं और बेटियों के लिए एक रेड लाइट घटना

यह घटना सिर्फ़ एक अपराध नहीं है, बल्कि आज के मॉडर्न ज़माने और खासकर नई Gen-Z' पीढ़ी के लिए एक बहुत गंभीर चेतावनी है जो बिना सोचे-समझे या रिश्तों में रहते हुए बिना सोचे-समझे फ़ैसले ले लेती है जल्दबाज़ी में लिए गए फ़ैसलों के नतीजे: यह मामला दिखाता है कि अंधे प्यार या रिश्तों में बिना सोचे-समझे लिए गए फ़ैसले आखिरकार ज़िंदगी के लिए कैसे जानलेवा साबित हो सकते हैं।

सुरक्षा और सतर्कता: कानूनी और सामाजिक नतीजों पर विचार किए बिना किए गए कामों से अक्सर बेगुनाहों की जान चली जाती है।

जागरूकता की ज़रूरत: बेटियों को अपनी सुरक्षा और भविष्य के बारे में ज़्यादा सतर्क और सावधान रहने की बहुत ज़रूरत है। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है और आरोपी फैज़ल के ख़िलाफ़ सख़्त कानूनी कार्रवाई की है। लेकिन इस घटना ने समाज के सामने एक बड़ा सवाल छोड़ दिया है कि क्या हम बेबस पीड़ितों को कानून का इंतज़ार करते हुए सार्वजनिक जगहों पर मरने देंगे? इस मामले से सबक लेते हुए हर परिवार और युवा पीढ़ी को सतर्क रहना होगा ताकि भविष्य में किसी काजल को इस तरह अपनी जान न गंवानी पड़े।

धोलका में ओम ज्वैलर्स के पिता-पुत्र की जोड़ी ने 1.41 करोड़ रुपये का पोंजी स्कैम किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

धोलका। ज़्यादा मुनाफे का लालच देकर 74.51 लाख रुपये चांदी में डुबोने वाले मुख्य आरोपी अमित सोनी को गिरफ्तार कर लिया गया है, कोर्ट ने 6 सितंबर तक उसकी रिमांड मंजूर कर ली है। धोलका शहर में सोने-चांदी की ट्रेडिंग की आड़ में इन्वेस्टर्स की कमाई हड़पने का एक और बड़ा स्कैम सामने आया है। ओम ज्वैलर्स के मालिक पिता-पुत्र ने लोगों को सोने-चांदी में इन्वेस्टमेंट पर अच्छा मुनाफा देने का लालच देकर उनकी ज़िंदगी भर की पूंजी हड़प ली थी। इस मामले में धोलका टाउन पुलिस ने कुछ ही घंटों में

मुख्य आरोपी अमितकुमार गुणवंतलाल सोनी को हिरासत में लेकर कोर्ट में पेश किया और कोर्ट ने 6 सितंबर, 2026 तक उसकी पुलिस रिमांड मंजूर कर ली है। 113 द्मद्द चांदी में इन्वेस्ट किया, बाकी ?74.51 लाख देने से मना कर दिया इस क्रिमिनल साज़िश की डिटेल्स के मुताबिक ओम ज्वैलर्स के मालिक अमितकुमार सोनी और उनके बेटे पार्थ अमितकुमार सोनी ने पहले से प्लान बनाकर इन्वेस्टर्स को फंसाया था

करोड़ों का इन्वेस्टमेंट: इन्वेस्टर्स से 113 द्मद्द चांदी में ?1,24,500 प्रति kg चांदी के रेट पर कुल ?1,41,14,155 इन्वेस्ट करवाए गए।

वादे और धोखा: आरोपियों ने शुरू में प्रॉफिट और कैपिटल इकट्ठा करने के लिए कुछ ज्वेलरी और कैश देकर भरोसा बनाया।

मनी लॉन्ड्रिंग: आखिर में, उन्होंने बाकी 74,51,776 वापस न करके और झूठे वादे करके फ्रॉड किया। एक ही परिवार का एक ही तरीका: पूरा गैंग इन्वेस्टमेंट के नाम पर लूट रहा था पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि इसी परिवार के दूसरे सदस्य भी पहले इसी तरह के स्कैम कर चुके हैं। इससे पहले 'हरि ज्वैलर्स' के मालिक घनश्याम गुणवंतभाई सोनी, यशकुमार सोनी और दीपकुमार सोनी के खिलाफ भी इन्वेस्टर्स के पैसे हड़पने का क्राइम दर्ज हुआ था। इस पूरे परिवार का एक ही तरीका है कि सोने-चांदी के बिजनेस के बहाने लोगों का भरोसा जीतकर, करोड़ों का इन्वेस्टमेंट करवाकर, उस पैसे का इस्तेमाल अपने ऐशो-आराम के लिए किया जाता है। अहमदाबाद रूरल के पुलिस सुपरिटेंडेंट ओम प्रकाश जाट और DySP आस्था राणा के कहने पर धोलका टाउन PI ए.आर. धवन और उनकी टीम ने तुरंत एक्शन लेते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। धोलका टाउन पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अगर कोई और नागरिक इस ओम ज्वेलर्स या हरि ज्वेलर्स पिता-पुत्र की जोड़ी की धोखाधड़ी का शिकार हुआ है, तो वे बिना किसी डर के तुरंत धोलका टाउन पुलिस स्टेशन या मोबाइल नंबर 6359626372 / 9825795168 पर संपर्क करें।

जाति आधारित जनगणना में मोदी सरकार की जानबूझकर की गई गलती, स्कैम करने की कोशिश

अशोक गहलोत ने BJP पर हमला किया, खड़गेजी के सफाए पर FIR की मांग की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। कांग्रेस पार्टी ने जाति आधारित जनगणना और उत्तराखंड में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गेजी के विवादित सफाए को लेकर केंद्र की BJP सरकार के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। अहमदाबाद के राजीव गांधी भवन में हुई एक खास प्रेस कॉन्फ्रेंस में राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के सीनियर नेता अशोक गहलोत ने BJP सरकार की पॉलिसी और सोच पर सवाल उठाए।

जाति आधारित जनगणना के फॉर्मेट में बड़ा स्कैम: अशोक गहलोत

अशोक गहलोत ने चौंकाने वाला आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार द्वारा कराई जाने वाली जाति आधारित जनगणना का मौजूदा फॉर्मेट पूरी तरह से गलत है। हालांकि सरकार के पास देश की 4,200 जातियों का डेटा है, लेकिन प्रस्तावित 40 सवालों वाले क्वेश्चनेयर में 'ड्रॉपडाउन लिस्ट' (फिक्स्ड लिस्ट) के बजाय 'ओपन-एंडेड' ऑप्शन दिया गया है। इससे एक ही जाति के कई अलग-अलग नाम क्षेत्रीय बोलियों, सरनेम और स्पेलिंग में अंतर के कारण दर्ज हो जाएंगे, जिससे OBC और EBC कैटेगरी की असली आबादी कभी पता नहीं चलेगी। 'बैकवर्ड क्लास' शब्द को ही हटा दिया गया है, ताकि भविष्य में शिक्षा, सरकारी नौकरियों, स्कॉलरशिप और आर्थिक योजनाओं में पिछड़े वर्गों के अधिकारों को नकारा जा सके। कांग्रेस ने मांग की है कि सभी पार्टियों और एक्सपर्ट्स से चर्चा करके ड्रॉप-डाउन लिस्ट के साथ एक नया क्वेश्चनेयर तैयार किया जाए। खड़गेजी का 'शुद्धिकरण' BJP की कलंकित और जातिवादी मानसिकता का प्रदर्शन है हल्द्वानी के रामलीला मैदान में कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे की जनसभा के बाद, गहलोत ने उसी जगह पर गंगाजल छिड़ककर और हवन करके किए गए तथाकथित 'शुद्धिकरण' पर अपना गुस्सा जाहिर किया। उन्होंने इसे न केवल एक सीनियर नेता बल्कि पूरे दलित और पिछड़े समाज का घोर अपमान बताया। कांग्रेस ने मांग की है कि उत्तराखंड पुलिस तुरंत एट्रोसिटीज एक्ट और प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स एक्ट के तहत FIR दर्ज करे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद एक पब्लिक मीटिंग में इस जातिवादी घटना की निंदा करें। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में गुजरात प्रदेश कांग्रेस के प्रेसिडेंट अमित चावड़ा, कांग्रेस लेजिस्लेटिव पार्टी के लीडर डॉ. तुषार चौधरी, CWC मेंबर जगदीश ठाकोर, स्टेट मीडिया कन्वीनर डॉ. मनीष दोशी और स्पोक्सपर्सन डॉ. हीरेन बैंकर समेत कई सीनियर लीडर बड़ी संख्या में मौजूद थे।

अगर GDP की रफ्तार तेज़ है, तो रोज़गार और निवेश कहां गायब हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। देश की अर्थव्यवस्था को लेकर किए जा रहे गुलाबी दावों के बीच भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन के एक तीखे बयान ने नीति-निर्माताओं और हुक्मरानों की नींद उड़ा दी है। रघुराम राजन ने देश के आर्थिक परिदृश्य पर गंभीर सवाल उठाते हुए पूछा है कि 'अगर 'अर्थव्यवस्था' इतनी ही तेजी से बढ़ रही है, तो बाजार में अच्छी 'नौकरियां' क्यों नहीं पैदा हो रही हैं? देश में नया निवेश क्यों नहीं आ रहा है? और देश के बड़े उद्योगपति नया पूंजी निवेश करने से झिझक क्यों रहे हैं? यह महज एक बयान नहीं, बल्कि उन करोड़ों युवाओं और मध्यम वर्गीय परिवारों का दर्द है जो हर दिन डिग्री हाथ में लिए रोजगार के लिए दर-दर भटक रहे हैं। सरकार भले ही जीडीपी के आंकड़ों को उछालकर अपनी पीठ थपथपा ले, लेकिन रघुराम राजन का यह सवाल सीधे उस कड़वी हकीकत पर प्रहार करता है जिसे देश का आम नागरिक हर दिन महसूस कर रहा है। उद्योगपतियों का डर: यदि देश में खपत और मांग बढ़ रही है, तो उद्योगपति नई फैक्ट्रियां लगाने और विस्तार करने से क्यों कतरा रहे हैं? निजी निवेश की यह सुस्ती साफ संकेत देती है कि उद्योग जगत को भविष्य की मांग पर भरोसा नहीं है। भारत एक ऐसे खतरनाक मोड़ पर खड़ा है जहां आर्थिक वृद्धि तो दिख रही है, लेकिन वह नौकरियां पैदा करने में पूरी तरह नाकाम साबित हो रही है। रघुराम राजन के इन चुभते सवालों ने केंद्र सरकार और वित्त मंत्रालय को कठघरे में खड़ा कर दिया है। सरकार को अब विज्ञापनों और हेडलाइंस से बाहर निकलकर इन बुनियादी सवालों के जवाब देने होंगे देश का कॉरपोरेट जगत अपनी तिजोरियां भरकर तो बैठा है.

7 साल से फरार मास्टरमाइंड सलाखों के पीछे

14.50 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने वाला भीलेश कोठिया 'ऑपरेशन हॉक आई' में मध्य प्रदेश से गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वासना। पुलिस ने हाई-टेक मॉनिटरिंग और खास जानकारी के आधार पर चलाए गए 'ऑपरेशन हॉक आई' के तहत पिछले 7 सालों से पुलिस को चकमा दे रहे मोस्ट वांटेड आरोपी भीलेशभाई वीरूभाई कोठिया को मध्य प्रदेश के बैतूल से गिरफ्तार किया है। जिसके खिलाफ गुजरात और महाराष्ट्र में 14.50 करोड़ रुपये से ज़्यादा की धोखाधड़ी के कुल 7 गंभीर अपराध दर्ज हैं, पुलिस ने इस कुख्यात ठग को गिरफ्तार करके एक बड़े इंटर-स्टेट बैंकिंग और सेमीकंडक्टर फ्रॉड का भंडाफोड़ किया है। 20 शेल कंपनियों और 64 बैंक अकाउंट के एक बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है।

पुलिस की शुरुआती जांच में भीलेश कोठिया के काम करने के बहुत ही मुश्किल और चालाक तरीके का पता चला है:

नकली डॉक्यूमेंट से लोन: नकली डॉक्यूमेंट और प्रॉपर्टी की नकली गारंटी दिखाकर अलग-अलग बैंकों से करोड़ों रुपये का लोन लेना और बैंकों को चूना लगाना।

शेल कंपनियों का नेटवर्क- TAUSCHEN GROUP से जुड़ी करीब 20 नकली (शेल) कंपनियां बनाकर उनके नाम पर काला धन ट्रांसफर करना।

बैंक अकाउंट- अलग-अलग बैंकों के करीब 64 संदिग्ध अकाउंट जांच के दायरे में लिए गए हैं, जिनमें करोड़ों रुपये का ट्रांजैक्शन मिला है, पुलिस ने तुरंत 20 लाख रुपये की रकम फ्रीज कर दी है।

सेमीकंडक्टर प्लांट और 'क्रिप्टो सेमी कॉइन' से इन्वेस्टर्स से 5 करोड़ रुपये ठगे गए।

आरोपी ने न सिर्फ बैंकों को बल्कि आम इन्वेस्टर्स को भी बड़ा लालच देकर लूटा है। TAUSCHEN Liberal Scientific Technologies नाम की कंपनी बनाकर, उन्होंने सेमीकंडक्टर प्लांट लगाने के नाम पर और Project Silica IPO Token Crypto Semi Coin जैसे गुमराह करने वाले क्रिप्टो प्रोजेक्ट दिखाकर इन्वेस्टर्स से ऋह्य 5 करोड़ से ज़्यादा इकट्ठा किए थे।

प्रॉपर्टी ज़ब्त- Rs. 34.30 लाख कैश ज़ब्त

वासना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उसके पास से एक महंगी कार, 6 स्मार्टफोन, एक लैपटॉप और डिजिटल सबूत समेत कुल ऋह्य. 34,30,000 की प्रॉपर्टी ज़ब्त की है। फिलहाल, पुलिस आरोपी का रिमांड लेकर इस इंटरस्टेट रैकेट और फाइनेंशियल क्राइम में शामिल दूसरी चीज़ों की पूरी जांच कर रही है।

5 करोड़ की शराब ज़ब्त करने के लिए 40 करोड़ का धुआँ

भावनगर लठ्ठा केस की जांच में 'खोदा पहाड़ और निकली चूहा'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भावनगर। लठ्ठा केस के बाद, शराबबंदी लागू करने और जांच के नाम पर राज्य सरकार के काम पर अब बड़ा सवालिया निशान लग गया है। कागज़ों पर शराबबंदी को सख्ती से लागू दिखाने के लिए सरकार ने करीब 20 हज़ार पुलिसवालों को लगाया और उन्हें लगभग 24 लाख घंटे लगातार दौड़ाया। लेकिन इस बड़े ऑपरेशन का नतीजा क्या निकला? करोड़ों रुपये खर्च करके सिर्फ़ 5 करोड़ की शराब ज़ब्त की गई और उसके बावजूद 13 बेगुनाह लोगों की जान चली गई और 50 से ज़्यादा लोग अस्पताल के बिस्तरों पर पहुँच गए!

20 हज़ार पुलिस, 24 लाख घंटे काम और 40 करोड़ का खर्च: हिसाब कौन देगा?

एक सनसनीखेज अंदाज़ा है कि जांच और रेड के इस पूरे खेल में लगभग 40 करोड़ रुपये का भारी खर्च हुआ है। अगर हम आंकड़े कैलकुलेट करें

तैनात पुलिस फोर्स करीब 20,000 लोग

कुल काम के घंटे: 2.4 मिलियन घंटे से ज़्यादा

कुल खर्च; करीब Rs 40 करोड़

रसीद: सिर्फ़ Rs 5 करोड़ की शराब

इतने खर्च और पुलिस फोर्स के गलत इस्तेमाल के बाद भी नतीजा ज़ीरो रहा। इसे ही कहते हैं 'खोदा पहाड़ और निकली चुहिया' होम मिनिस्टर हर्ष संघवी जवाब दें: ये 40 करोड़ किसके बाप के थे? जनता के टैक्स के या सरकार के? राज्य में हंगामा मचा रही इस रिपोर्ट के बीच, होम मिनिस्टर हर्ष संघवी के सामने एक सीधा सवाल बना हुआ है। Rs 40 करोड़ का यह अंधाधुंध खर्च किसकी जेब से आया यह आम जनता के पसीने की कमाई थी, दिन-रात दिए गए टैक्स का पैसा था। जनता के पैसे को डुबोकर भी, अगर राज्य में शराबबंदी सिर्फ़ कागज़ों पर ही रह गई और लठ्ठा कांड जैसे घोटाले हो रहे हैं, तो इतना खर्च करने का क्या मतलब है?

शराबबंदी के नाम पर बड़ा स्कैंडल: शराब अभी भी खुलेआम बिक रही है! जैसे-जैसे सतनाम-आठम, जन्माष्टमी और लोक मेला जैसे त्योहार पास आते हैं, जुए के अड्डे और शराब की दुकानें गुलजार होने लगती हैं। इतनी जांच, इतना खर्च और इतनी पुलिस फोर्स लगाने के बाद भी राज्य से शराब गायब नहीं हुई है। आज भी शराब खुलेआम बिक रही है। तो यह 40 करोड़ का ड्रामा किसे दिखाने के लिए था जनता पूछ रही है कि सरकार ने इतना बड़ा मनी स्कैम करके आखिर क्या साबित किया है

सरकारी घर के नाम पर करोड़ों रुपये! गुजराती फिल्म प्रोड्यूसर राजेंद्र राठौड़ पर गरीब और मिडिल क्लास को लूटने के गंभीर आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। सरकारी घर योजना के तहत सस्ते दामों पर घर दिलाने का लालच देकर भोले-भाले मिडिल क्लास लोगों से करोड़ों रुपये ऐंठने का एक बड़ा स्कैम सामने आया है। इस पूरे स्कैम का मास्टरमाइंड गुजराती फिल्म प्रोड्यूसर राजेंद्र राठौड़ निकला है, जिसने अपने पॉलिटिकल और ऊंचे लेवल के कॉन्टैक्ट्स का नेटवर्क

दिखाकर आम लोगों को अपने जाल में फंसाया था। राजेंद्र राठौड़ अपनी पहुंच बहुत ऊपर तक साबित करने के लिए ताकतवर लोगों और बड़े बिजनेस लीडर्स के साथ अपने कनेक्शन का डर दिखाकर खुलकर इस्तेमाल करता था। सरकारी योजना के तहत गारंटी के साथ घर दिलाने के बहाने उसने एक-दो नहीं बल्कि कई आम और मिडिल क्लास परिवारों से उनकी मेहनत की कमाई के करोड़ों रुपये ऐंठ लिए थे। जनता का भरोसा जीतने के लिए वह अलग-अलग पहचान बनाकर लोगों को अपनी कहानियों में फंसाता था। पैसे मांगने गए पीड़ितों को खुलेआम धमकाते हुए कहा: 'कोई मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकता, जो चाहो कर लो! ' जब हाउसिंग स्कीम के नाम पर लंबा समय बिताने के बाद भी जिन लोगों को घर नहीं मिले थे, वे अपनी मेहनत की कमाई वापस मांगने आए, तो प्रोड्यूसर राजेंद्र राठौड़ अपने असली रंग में आ गए। पीड़ितों के मुताबिक, उन्होंने पैसे देने से साफ मना कर दिया और बहुत ज़्यादा पावर और रौब दिखाते हुए धमकी दी, 'मेरी बड़े लोगों से जान-पहचान है, तुम मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकते, जो चाहो कर लो इस बड़े स्कैम का शिकार हुए बेबस लोगों ने अब पूरे देश में लड़ाई शुरू कर दी है। पीड़ितों ने इस मामले में सबूतों के साथ राज्य के होम मिनिस्टर हर्ष संघवी, बड़े पुलिस अधिकारियों और संबंधित पुलिस थानों में लिखी हुई शिकायतें की हैं। अपना घर बनाने का सपना देखने वाले गरीब और मिडिल क्लास लोग अब इंसाफ का इंतज़ार कर रहे हैं।

सिरोही में भाजपा ने जारी किया चुनावी संकल्प पत्र, विकास के विजन के साथ जनता से किए बड़े वादे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। भारतीय जनता पार्टी ने नगर निकाय चुनाव को लेकर सिरोही शहर के विकास का विजन जनता के सामने रखते हुए अपना चुनावी संकल्प पत्र जारी किया।

पार्टी ने शहर को स्वच्छ, सुरक्षित, सुविधायुक्त और आधुनिक बनाने के साथ-साथ वार्ड स्तर पर मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने का रोडमैप प्रस्तुत किया। संकल्प पत्र जारी कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री केके विश्नोई, राज्यमंत्री ओटाराम देवासी, संभाग सह प्रभारी हेमराज मीणा, भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. रक्षा भंडारी सहित पार्टी के कई पदाधिकारी और वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। नेताओं ने कहा कि यह संकल्प पत्र महज चुनावी घोषणाओं का दस्तावेज नहीं, बल्कि सिरोही के सुनियोजित और दीर्घकालीन विकास की दिशा तय करने वाला रोडमैप है। भाजपा ने 'वार्ड ही विकास का आधार' की नीति पर जोर देते हुए प्रत्येक वार्ड में सड़क, पेयजल, बिजली, सफाई और स्ट्रीट लाइट जैसी सुविधाओं को प्राथमिकता देने की बात कही है। इसके अलावा शहर की यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए स्मार्ट ट्रैफिक सिस्टम, प्रमुख मार्गों पर सीसीटीवी कैमरे और व्यवस्थित पार्किंग नीति लागू करने का वादा किया गया है। शहर में नए पार्किंग स्थल विकसित करने, भूमिगत बिजली लाइनों की दिशा में चरणबद्ध काम करने और यातायात दबाव कम करने के लिए रिंग रोड निर्माण पर भी जोर दिया गया है।

बागौड़ा के तिलोड़ा में 25 वर्षीय युवक ने घर पर फांसी लगाकर की आत्महत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बागौड़ा। थाना क्षेत्र के तिलोड़ा गांव में शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब 25 वर्षीय युवक ने अपने घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी सामने आते ही परिजनों और आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर बागौड़ा

पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लेते हुए शव को अपने कब्जे में लिया। पुलिस हेड कॉन्स्टेबल जवाहरलाल ने बताया कि मृतक की पहचान तिलोड़ा निवासी जीताराम (25) पुत्र बाबूराम के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी में परिजनों ने पुलिस को बताया कि जीताराम की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। हालांकि, युवक ने आत्महत्या जैसा कदम आखिर क्यों उठाया, इसके वास्तविक कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। घटना के बाद पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस द्वारा शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद उसे परिजनों को सौंपा जाएगा। वहीं पुलिस घटना के पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए परिजनों से जानकारी जुटा रही है और मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। ग्रामीण क्षेत्र में हुई इस घटना के बाद गांव में भी शोक का माहौल बना हुआ है। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है और आत्महत्या के कारणों को लेकर सभी संभावित पहलुओं की जानकारी जुटाई जा रही है।

जालोर में भीषण सड़क हादसा, मामा की मौत; भांजा गंभीर घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। शहर से करीब 6 किलोमीटर दूर बिशनगढ़ रोड पर पहाड़पुरा गांव के पास गुरुवार रात करीब 8:30 बजे हुए भीषण सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका 18 वर्षीय भांजा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में बाइक सवार मामा-भांजे की पहले सामने से आ रही

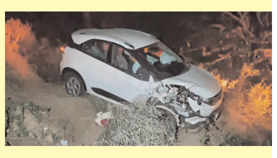

नेक्सॉन कार से टक्कर हुई और इसके बाद बाइक आगे चल रही टवेरा से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, जालोर में श्रीराम ग्रेनाइट के पीछे रहने वाले जब्बरनाथ (25) पुत्र लुम्बानाथ अपने भांजे दिलीपनाथ (18) पुत्र मालनाथ के साथ बाइक से बिशनगढ़ की ओर जा रहे थे। पहाड़पुरा के पास आवलोज निवासी जबराराम पुत्र सवाराम भील टवेरा लेकर उनके आगे चल रहा था। बताया जा रहा है कि बाइक सवार टवेरा को ओवरटेक करने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही नेक्सॉन कार से बाइक की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि नेक्सॉन कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे करीब 5 फीट गहरी खाई में जा उतरी। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। दोनों गंभीर घायलों को तत्काल जालोर के सामान्य चिकित्सालय पहुंचाया गया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने दोनों को बेहतर उपचार के लिए जोधपुर रेफर कर दिया। जालोर से जोधपुर ले जाते समय जब्बरनाथ की रास्ते में ही हालत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई। वहीं दिलीपनाथ को जोधपुर पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार जारी है।

मंडार निकाय चुनाव में रोचक हुई जंग, निर्दलीयों को मिले चप्पल, बांसुरी और मोतियों के हार जैसे चुनाव चिह्न

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। जिले की 6 नगर निकायों के 180 वार्डों में होने वाले पार्षद चुनाव को लेकर प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न आवंटित कर दिए गए हैं। राजनीतिक दलों के अधिकृत प्रत्याशियों के साथ निर्दलीय उम्मीदवारों को भी लॉटरी पद्धति से अलग-अलग चुनाव चिह्न दिए गए। चुनाव चिह्न मिलते ही प्रत्याशियों ने प्रचार अभियान तेज कर दिया है और अब घर-घर संपर्क कर मतदाताओं से अपने पक्ष में मतदान की अपील की जा रही है। चुनाव चिह्न आवंटित होने के बाद कई प्रत्याशियों ने पर्चे, बैनर, पोस्टर और अन्य प्रचार

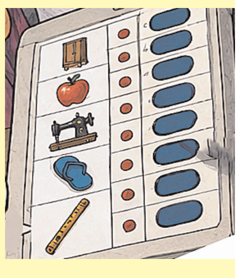

सामग्री तैयार करवाना शुरू कर दिया है। वार्डों में चुनाव कार्यालयों को सजाया जा रहा है और प्रमुख स्थानों पर प्रचार सामग्री लगाई जा रही है। प्रत्याशी अब ईवीएम पर अपने चुनाव चिह्न के सामने वाला बटन दबाने की अपील करते नजर आ रहे हैं। इस बार निर्दलीय उम्मीदवारों को कई रोचक और अलग-अलग चुनाव चिह्न मिले हैं। इनमें अलमारी, बाल्टी, कैंची, सेब, सिलाई मशीन, आइसक्रीम, गैस चूल्हा, रेफ्रिजरेटर, टेलीफोन, टेलीविजन, मोतियों का हार, बांसुरी, हाथगाड़ी, कोट, चारपाई, जंजीर, चक्की और लिफाफा जैसे चुनाव चिह्न शामिल हैं। मंडार नगरपालिका चुनाव में रिटर्निंग अधिकारी राजन लोहिया ने सभी अधिकृत प्रत्याशियों और निर्दलीय उम्मीदवारों को चुनाव चिह्न आवंटित किए।

पाली में श्री श्याम महिला मंडल का भव्य नंदोत्सव, राधा-कृष्ण के रूप में महिलाओं ने बांधा समां

भजनों पर मनमोहक नृत्य से भक्तिमय हुआ गीता सत्संग भवन, श्रद्धालुओं पर हुई फूलों की वर्षा; अंत में मिश्री-माखन और पिंजरी का प्रसाद बांटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। शहर के गीता सत्संग भवन में शनिवार को श्री श्याम महिला मंडल की ओर से भव्य नंदोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने भगवान श्रीकृष्ण, राधा, नंद बाबा, यशोदा और गोपियों का स्वांग रचकर भक्ति और उत्साह से भरा वातावरण बना दिया। नंदोत्सव के दौरान पूरा हॉल श्रद्धालुओं से खचाखच भरा रहा और भजनों की गूंज से पूरा माहौल कृष्णमय हो गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने एक से बढ़कर एक मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियां दीं। 'मेरे मन-मन में राधा', 'बरसाने की छोरी, राधा गौरी-गौरी', 'श्याम चुड़ी बेचने आया', 'तेरो कन्हैया बड़ो उत्पाती' और 'नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैयालाल की' सहित विभिन्न भजनों पर महिलाओं ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किए। कई श्रद्धालु भक्ति में इतने भाव-विभोर हो गए कि अपने स्थान पर बैठे-बैठे ही झूमने लगे। राधा-कृष्ण के रूप में मोना फोफलिया और राधिका नवाल ने प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। कांता हेडा ने वासुदेव का स्वांग रचा, जबकि नंद बाबा और यशोदा के रूप में दीपा हेडा और उर्मिला दायमा ने प्रस्तुति दी। महारानी के भाव में पूजा पारीक, वंदना पारीक, रेखा पारीक और सीमा पारीक ने कार्यक्रम में रंग जमा दिया।

गोपियों के रूप में महिलाओं की आकर्षक प्रस्तुति

गोपियों का स्वांग रचकर भूति खंडेलवाल, शिल्पा हेडा, सोनल, रीतिका, भूति बूब, सुनीता चौधरी और सुशील शर्मा ने भजनों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। उनकी प्रस्तुतियों के दौरान पूरा सभागार तालियों और जयकारों से गूंज उठा। नंदोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं पर फूलों की वर्षा भी की गई, जिससे कार्यक्रम का माहौल और अधिक भक्तिमय हो गया।

महिलाओं ने संभाली कार्यक्रम की व्यवस्था

कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री श्याम महिला मंडल की महिलाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। किरण पारीक, सुमन लखोटिया, मधु बोहरा, ऋचा हेडा, ज्योति हेडा, छाया पारिख, उर्मिला तापड़िया, आशा भूतड़ा, मोहिता हेडा, संतोष तापड़िया, अभिलाषा झंवर, सुनीता शर्मा, सुधा चौधरी, महक बंसल, सीमा परिहार, उमा पारीख और संतोष दायमा सहित कई महिलाओं ने व्यवस्थाओं में सहयोग किया। कार्यक्रम के समापन पर श्रद्धालुओं को मिश्री-माखन और पिंजरी का प्रसाद वितरित किया गया। नंदोत्सव के दौरान भक्ति, संगीत और उत्साह का ऐसा संगम देखने को मिला कि श्रद्धालु देर तक कृष्ण भक्ति में डूबे रहे।

कांग्रेस ने जारी किया अजमेर नगर निगम चुनाव का घोषणा पत्र, 36 साल के भाजपा बोर्ड पर साधा निशाना

सीसीटीवी और नियमित पेयजल सहित कई बड़े वादे 11 सितंबर को होगा मतदान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अजमेर। नगर निगम चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अपना घोषणा पत्र जारी करते हुए अजमेर के पिछले 36 वर्षों से भाजपा के बोर्ड को निशाने पर लिया। शहर कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ. राजकुमार जयपाल ने आरोप लगाया कि भाजपा के लंबे कार्यकाल के बावजूद शहर को बदहाल सड़कें, सीवरेज की समस्या, भ्रष्टाचार और नागरिक सुविधाओं की अनदेखी का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि अब इस व्यवस्था में बदलाव का समय आ गया है। घोषणा पत्र जारी करते हुए कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पार्टी के पार्षद 24 घंटे जनता के लिए उपलब्ध रहने वाले जनसेवक के रूप में काम करेंगे। वार्डों में नियमित जनता दरबार लगाकर समस्याओं के समाधान पर जोर दिया जाएगा। कांग्रेस ने पार्षदों को निजी हितों से दूर रखते हुए जवाबदेह और सक्रिय जनप्रतिनिधि बनाने का दावा किया है। घोषणा पत्र में बर्थ-डेथ और विवाह प्रमाण पत्र, एनओसी तथा पट्टों के लिए सिंगल विंडो डिजिटल सेवा शुरू करने, प्रॉपर्टी टैक्स की विसंगतियां दूर करने और शहर की प्रमुख समस्याओं के समाधान का वादा किया गया है। वार्ड स्तर पर ठप सीवरेज व्यवस्था का जीर्णोद्धार, पक्की नालियों का निर्माण, नियमित सफाई, कचरा उठाव और फॉगिंग व्यवस्था मजबूत करने की बात कही गई है कांग्रेस ने हर गली-मोहल्ले में आधुनिक एलईडी स्ट्रीट लाइट लगाने और सुरक्षा के लिए प्रमुख चौराहों, गलियों तथा संवेदनशील स्थानों पर हाई डेफिनिशन सीसीटीवी कैमरे लगाने का भी संकल्प लिया है। पार्कों के सौंदर्यीकरण, ओपन जिम, बच्चों और बुजुर्गों के लिए सुरक्षित स्थान तथा युवाओं के लिए खेल मैदान विकसित करने का वादा भी घोषणा पत्र में शामिल है। शहर की यातायात और पार्किंग व्यवस्था को लेकर कांग्रेस ने मदार गेट, नया बाजार, केसरगंज और दरगाह क्षेत्र जैसे प्रमुख व्यावसायिक इलाकों में मल्टीलेवल पार्किंग विकसित करने की बात कही है। बीसलपुर जल योजना के सुदृढ़ीकरण के साथ नियमित और स्वच्छ पेयजल तथा मुक्त सड़कों को भी प्राथमिकता देने का दावा किया गया है। पर्यटन और रोजगार बढ़ाने के लिए आनासागर और वरुण सागर में अंतरराष्ट्रीय मानकों की वाटर स्पोर्ट्स गतिविधियां विकसित करने की बात कही गई है। आजाद पार्क और सुभाष उद्यान को निजी हाथों से मुक्त कराने तथा पटेल स्टेडियम को शहर के खिलाड़ियों के उपयोग के लिए उपलब्ध कराने का भी वादा किया गया है। साथ ही आनासागर झील के सौंदर्यीकरण के लिए उच्चस्तरीय प्रयास करने की घोषणा की गई है। कांग्रेस ने आवारा गौवंश, बंदरों और कुत्तों की समस्या के समाधान का भी आश्वासन दिया है। इसके अलावा रामसेतु के नीचे कचहरी रोड और स्टेशन रोड पर बनाए गए डिवाइडर से व्यापार प्रभावित होने का मुद्दा उठाते हुए राहत दिलाने की बात कही गई है। शहर कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ. राजकुमार जयपाल ने बताया कि वार्ड संख्या 3 और 4 में भाजपा के बागी निर्दलीय प्रत्याशियों का कांग्रेस समर्थन करेगी। उन्होंने कहा कि पूर्व में बनाई गई रणनीति के तहत इन वार्डों में कांग्रेस ने अपने प्रत्याशी

घोषित नहीं किए हैं। जयपाल ने पार्टी में गुटबाजी के आरोपों को खारिज करते हुए इस बार कांग्रेस का बोर्ड बनने का दावा किया। नगर निगम चुनाव के लिए 11 सितंबर को मतदान होना है। चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशियों ने घर-घर संपर्क के साथ प्रचार तेज कर दिया है। आमसभा, रैली, लाउडस्पीकर और प्रचार वाहनों की अनुमति के लिए प्रत्याशियों की ओर से अतिरिक्त जिला कलेक्टर सिटी कार्यालय में आवेदन भी किए जा रहे हैं।

पाली निकाय चुनाव में जेन-जी की एंट्री, भाजपा-कांग्रेस ने युवाओं पर जताया भरोसा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। नगर निकाय चुनाव में इस बार नई पीढ़ी की राजनीतिक भागीदारी साफ नजर आ रही है। भाजपा और कांग्रेस दोनों प्रमुख दलों ने जेन-जी वर्ग के युवाओं को टिकट देकर चुनावी मैदान में उतारा है। भाजपा ने 9 और कांग्रेस ने 8 जेन-जी उम्मीदवारों को मौका दिया है, जबकि 13 जेन-जी निर्दलीय प्रत्याशी भी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार पाली नगर निगम चुनाव में कुल 30 जेन-जी और 74 मिलेनियल्स उम्मीदवार मैदान में हैं। भाजपा के 64 प्रत्याशियों में 9 जेन-जी और 33 मिलेनियल्स शामिल हैं। वहीं कांग्रेस ने 59

उम्मीदवारों में 8 जेन-जी और 23 मिलेनियल्स को टिकट दिया है। इसके अलावा 13 निर्दलीय जेन-जी और 68 निर्दलीय मिलेनियल्स भी चुनाव लड़ रहे हैं। 30 से 40 वर्ष की उम्र वाले उम्मीदवारों में भाजपा के 21, कांग्रेस के 13 और 39 निर्दलीय प्रत्याशी मैदान में हैं। इस आयु वर्ग में आरएलपी का एक उम्मीदवार भी चुनाव लड़ रहा है। पाली नगर निगम क्षेत्र में 18 से 25 वर्ष की उम्र के 25,102 मतदाता हैं, जो कुल 1,81,704 मतदाताओं का 13.81 प्रतिशत हैं। वहीं 26 से 35 वर्ष के 48,464 मतदाता हैं। दोनों आयु वर्ग को मिलाकर 73,566 युवा मतदाता हैं, जो कुल मतदाताओं का 40.58 प्रतिशत हिस्सा हैं।

युवा वोट बैंक पर दोनों दलों की नजर

स्थानीय निकाय चुनाव में अक्सर जीत-हार का अंतर काफी कम रहता है। ऐसे में 40 प्रतिशत से अधिक युवा मतदाताओं का वोट चुनावी समीकरण बदलने की क्षमता रखता है। राजनीतिक दलों के सामने चुनौती सिर्फ युवाओं को आकर्षित करने की नहीं, बल्कि उनके बीच ऐसे उम्मीदवार उतारने की भी है, जिनकी जमीनी पकड़ और विश्वसनीयता मजबूत हो। जेन-जी मतदाताओं को लेकर माना जा रहा है कि वे केवल पार्टी और आकर्षक वादों के आधार पर निर्णय लेने के बजाय स्थानीय मुद्दों, प्रत्याशी के काम और उसकी विश्वसनीयता को भी महत्व दे सकते हैं। यही वजह है कि इस बार भाजपा और कांग्रेस दोनों ने युवा चेहरों पर दांव लगाकर नई पीढ़ी को राजनीतिक मंच देने की कोशिश की है।

शिक्षक दिवस पर बागोड़ा के महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में अनोखा कार्यक्रम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बागोड़ा। शिक्षक दिवस के अवसर पर महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में विद्यार्थियों को प्रशासनिक जिम्मेदारियों और विद्यालय संचालन की कार्यप्रणाली से रूबरू कराने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कक्षा 12वीं की छात्रा पूजा कुमारी को एक दिन के लिए विद्यालय की प्रिंसिपल की जिम्मेदारी सौंपी गई। पूजा ने विद्यालय के विभिन्न प्रशासनिक कार्यों को करीब से समझा और स्कूल संचालन से जुड़ी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। एक दिन की प्रिंसिपल बनी पूजा ने क्लास मैनेजमेंट, विद्यालय के रखरखाव, दैनिक डायरी, मूवमेंट डायरी सहित अन्य प्रशासनिक कार्यों को समझा। इस दौरान उन्होंने विद्यालय की कार्यप्रणाली को नजदीक से देखा

और जिम्मेदारियों को निभाने का अनुभव प्राप्त किया। कार्यक्रम में सीबीईओ मोवनाराम मुख्य अतिथि रहे, जबकि विद्यालय के प्रिंसिपल घेवाराम ने अध्यक्षता की। अतिथियों ने कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर तथा मां भारती के समक्ष दीप प्रज्वलित करके की। सीबीईओ मोवनाराम ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए शिक्षा के महत्व, बालिकाओं की पढ़ाई, बदलते डिजिटल दौर और गुरु के सम्मान पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से डिजिटल साधनों का सकारात्मक और सही उपयोग करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान किया। पूजा कुमारी की देखरेख में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने राजस्थानी गीतों पर नृत्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम को आकर्षक बनाया। एक दिन की प्रिंसिपल बनी पूजा ने कहा कि विद्यालय चलाने की जिम्मेदारियों को करीब से समझना उनके लिए नया और यादगार अनुभव रहा। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के शिक्षक भेराराम, रमेश आर्य, अश्विनी, फुलवती मीना, संगीता सहित अन्य शिक्षक एवं विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

जन्माष्टमी पर प्रसाद लेकर लौट रहे चाचा-भतीजे की सड़क हादसे में मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। जन्माष्टमी की खुशियां जालोर के निबलाना गांव में मातम में बदल गईं। शुक्रवार रात प्रसाद के लिए मिठाई और फल लेकर बाइक से गांव लौट रहे चाचा-भतीजे की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। हादसा बिशनगढ़ थाना क्षेत्र में मांडवला टोल नाके के पास रात करीब 8:30 बजे हुआ। एसएचओ मनोज कुमार ने बताया कि निबलाना निवासी दशरथ

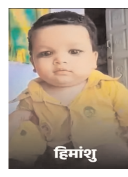
हिमांशु

दशरथ

(25) पुत्र अर्जुन कुमार मेघवाल अपने डेढ़ साल के भतीजे हिमांशु पुत्र चंपाराम मेघवाल को साथ लेकर बाइक से लौट रहा था। अंधेरे में सड़क पर खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली से बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया गया कि हिमांशु चाचा दशरथ के पास ही रहता था। जन्माष्टमी के दिन दशरथ को बाहर जाते देखकर वह भी साथ जाने की जिद करने लगा और रोते हुए चाचा के साथ निकल गया था। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने दोनों शवों को मांडवला की मॉर्च्युरी में रखवाया तथा बाइक और ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में लिया।

मानवता का सर्वोच्च धर्म दूसरों के दर्द को अपना दर्द समझना ही सच्ची जनसेवा है

भौतिकता और अंधी दौड़ के इस दौर में इंसान दिन-रात धन, पद और प्रतिष्ठा के पीछे भाग रहा है। लेकिन इतिहास गवाह है कि इंसान की असली पहचान इस बात से नहीं होती कि उसने अपने लिए कितना कुछ जोड़ा, बल्कि इस बात से होती है कि उसने दूसरों के जीवन को कितना बेहतर बनाया। 'दूसरों के दुख को अपना दुख समझना ही सच्ची जनसेवा है।' यह कथन केवल एक नैतिक उपदेश नहीं, बल्कि मानव जीवन की सबसे गहन और पवित्र सच्चाई है। जो व्यक्ति इस भावना को अपने जीवन में उतार लेता है, वह न केवल दूसरों के दुखों का निवारण करता है, बल्कि स्वयं भी आत्मिक शांति और अनंत आनंद के ऐसे शिखर पर पहुंच जाता है जहां दुनिया का कोई दुख उसे डिगा नहीं सकता।

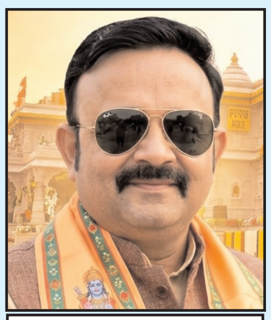

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

संवेदना और आत्मिक अनुभूति: क्यों दुखी नहीं होता दूसरों का दुख बांटने वाला?

संसार में दो तरह के लोग होते हैं – एक वे जो केवल अपने सुख-दुख तक सीमित रहते हैं, और दूसरे वे जो पूरे समाज के दुख को अपना मान लेते हैं।

अहंकार से मुक्ति: जब कोई व्यक्ति दूसरों की पीड़ा को महसूस करता है, तो उसका अपना स्वार्थ और अहंकार पूरी तरह से समाप्त हो जाता है। जब अहंकार खत्म होता है, तो मन के सारे क्लेश और मानसिक तनाव अपने आप मिट जाते हैं।

सच्चा सुख और ईश्वर का अनुभव: जो इंसान दूसरों के आंसुओं को पोंछने के लिए हाथ आगे बढ़ाता है, उसे सुख और दुख की वास्तविक अनुभूति होती है। उसे समझ आ जाता है कि भौतिक साधन कभी स्थाई सुख नहीं दे सकते; असली सुख किसी बेबस के चेहरे पर लाई गई एक छोटी सी मुस्कान में छुपा है।

दिखावे की राजनीति बनाम खामोश जनसेवा: समाज को किसकी जरूरत है?

आज के समय में जनसेवा शब्द का इस्तेमाल अक्सर विज्ञापनों, चुनावी मंचों और सोशल मीडिया पर पब्लिसिटी पाने के लिए किया जाता है। लेकिन सच्ची जनसेवा कभी ढिंढोरा नहीं पीटती:

नि:स्वार्थ भाव: सच्ची सेवा वही है जो बिना किसी फल की आशा, बिना किसी कैमरे के और बिना किसी व्यक्तिगत लाभ के की जाए।

पीड़ित की पीड़ा में सहभागी बनना: भूखे को रोटी देना, किसी बीमार को बिना पहचान पूछे दवा उपलब्ध कराना, अनाथ बच्चे को शिक्षा का सहारा देना या राह में भटके इंसान को सही दिशा दिखाना ही सच्चा धर्म है। जब आप किसी का सहारा बनते हैं, तो उस इंसान के दिल से निकली दुआएं आपके जीवन के सबसे कठिन समय में रक्षा-कवच बनकर काम करती हैं।

समाज के लिए एक प्रेरणादायक संदेश: आप भी बन सकते हैं बदलाव का जरिया

यह जरूरी नहीं कि जनसेवा करने के लिए आपके पास करोड़ों रुपये हों या आप किसी बड़े पद पर बैठे हों। इसके लिए केवल एक संवेदनशील और दयालु दिल की जरूरत होती है। यदि हर नागरिक अपनी क्षमता के अनुसार अपने आसपास के केवल एक जरूरतमंद इंसान का दुख दूर करने का संकल्प ले ले, तो समाज की तस्वीर बदलते देर नहीं लगेगी।

'महानगर मेट्रो' की ओर से ऐसे सभी जनसेवकों को शत-शत नमन

जो लोग अपने व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं का त्याग करके समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन में उजाला फैलाने का काम कर रहे हैं, वे इस धरती पर ईश्वर के सच्चे प्रतिनिधि हैं। 'महानगर मेट्रो' ऐसे सभी निस्वार्थ, कर्मठ और संवेदनशील नायकों को नमन करता है और पाठकों से यह अपील करता है कि वे भी अपने जीवन में संवेदना, दया और परोपकार के इस दीपक को सदा प्रज्वलित रखें।

राशिफल

(रविवार) 6 सितंबर 2026

राशि	फल
मेष	धन लाभ के अच्छे योग हैं और कार्यक्षेत्र में नई ज़िम्मेदारी मिलेगी।
वृषभ	रुका हुआ काम पूरा होगा, लेकिन यात्रा के दौरान सावधानी रखें।
मिथुन	अटका पैसा वापस मिल सकता है, आर्थिक फ़ैसले सोच-समझकर लें
कर्क	मान-सम्मान में वृद्धि होगी, अपने बेफिज़ूल खर्चों पर नियंत्रण रखें।
सिंह	लंबे समय से अटका काम बनेगा, वाहन चलाते समय सतर्क रहें।
कन्या	करियर में तरक्की के नए अवसर मिलेंगे और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।
तुला	घर में शुभ कार्य होंगे और मित्रों का पूरा सहयोग मिलेगा।
वृश्चिक	कोई अच्छी खबर मिलेगी और व्यापार में संतोषजनक लाभ होगा।
धनु	किस्मत का पूरा साथ मिलेगा और मनचाहे कामों में सफलता मिलेगी
मकर	पैसों की स्थिति में सुधार होगा और पुरानी समस्याओं से राहत मिलेगी।
कुंभ	सेहत का थोड़ा ध्यान रखें, दिन के अंत तक काम पूरे हो जाएंगे
मीन	रुका हुआ धन वापस मिलेगा और करियर में बेहतरीन प्रगति होगी।

आंसुओं से ताकत बनाना, संघर्ष की आग से उभरना

नारी शक्ति: पति की मौत और बेटे की ज़िम्मेदारी के बीच अंजू यादव राजस्थान पुलिस में DSP बनीं

जब ज़िंदगी सबसे बड़ा झटका देती है, तो आम इंसान टूट जाता है, लेकिन जिनके इरादे बुलंद होते हैं, वे उन्हीं मुश्किल हालात को अपनी ताकत बना लेते हैं। ऐसी ही एक प्रेरणा देने वाली और दिल को छू लेने वाली सच्ची कहानी सामने आई है। पति की अचानक मौत और छोटे बच्चे की परवरिश की भारी ज़िम्मेदारियों के बावजूद, हिम्मत न हारते हुए, एक आम टीचर से राजस्थान पुलिस में डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ़ पुलिस के ऊंचे पद तक पहुंचने वाली निडर महिला अंजू यादव की यह कामयाबी हर महिला के लिए एक मिसाल बन गई है।

दुखों का पहाड़ टूटा: पति का साया खोकर मासूम बेटे की ज़िम्मेदारी

अंजू यादव की ज़िंदगी नॉर्मल और खुशी-खुशी चल रही थी। वह एक सरकारी टीचर के तौर पर अपनी ड्यूटी निभा रही थीं। लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। पति की असमय मौत से उनके सिर पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। एक तरफ पति को खोने का बहुत ज़्यादा दुख था तो दूसरी तरफ छोटे बच्चे के भविष्य और परवरिश की बहुत बड़ी ज़िम्मेदारी थी। समाज और हालात से लड़ना उनके लिए आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने निराशा के बजाय संघर्ष का रास्ता चुना।

टीचर से DSP तक का मुश्किल सफ़र: दिन-रात मेहनत करके मिली सफलता

अपने मासूम बेटे की माँ की ज़िम्मेदारियों को पूरा करने के साथ-साथ अंजू यादव ने सिविल सर्विसेज़ की तैयारीशुरू की टाइम मैनेजमेंट स्कूल में बच्चों को पढ़ाना, घर आकर अपने बच्चे की देखभाल करना और देर रात तक खाकी यूनिफॉर्म पहनने के अपने सपने के लिए लगातार पढ़ाई करना।

मज़बूत हौसला: अपने आस-पास के खराब माहौल के बीच

भी उन्होंने अपने लक्ष्य से ध्यान नहीं भटकने दिया।

शानदार नतीजा: अपनी लगातार मेहनत, लगन और पक्के जुनून से उन्होंने राजस्थान पब्लिक सर्विस कमीशन की परीक्षा में शानदार सफलता हासिल की और राजस्थान पुलिस में DSP के तौर पर चुनी गईं। महिला सशक्तिकरण का एक

बेहतरीन उदाहरण: पूरे देश और महिला शक्ति के लिए प्रेरणा का स्रोत

अंजू यादव की यह सच्ची कहानी साबित करती है कि महिलाएं कमज़ोर नहीं बल्कि शक्ति की सच्ची मिसाल हैं। हालात कितने भी बुरे क्यों न हों, अगर कुछ करने का पक्का इरादा हो, तो कोई भी चुनौती आपको रोक नहीं सकती। आज वह एक काबिल और न सिर्फ अपने परिवार बल्कि पूरी महिला शक्ति का नाम रोशन कर रही हैं।

महानगर मेट्रो विशेष जांच:

देश में 2,800 से ज्यादा राजनीतिक दल, लेकिन चुनाव लड़ते हैं सिर्फ 73!

कागज पर चल रही पार्टियों के नाम पर करोड़ों का मनी लॉन्ड्रिंग और काले धन को 'व्हाइट' करने का काला खेल!

भारतीय चुनाव आयोग के चौंकाने वाले आंकड़े बताते हैं कि देश में 2,800 से अधिक पंजीकृत राजनीतिक दल मौजूद हैं। लेकिन कड़वी सच्चाई यह है कि इनमें से केवल 73 दल ही राष्ट्रीय या राज्य स्तर के मान्यता प्राप्त दल हैं। बाकी के 2,700 से अधिक दल सिर्फ कागजों पर चलने वाली 'पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टियां' हैं। 'महानगर मेट्रो' की विशेष जांच में खुलासा हुआ है कि चुनाव न लड़ने वाली ये कागजी पार्टियां असल में देश में काले धन को सफेद करने का समानांतर नेटवर्क चला रही हैं।

चुनाव से दूरी, लेकिन अरबों का चंदा: जानिए कैसे खेला जाता है यह खेल

सामान्य नागरिक और व्यापारी अपनी गाढ़ी कमाई पर टैक्स भरते हैं, लेकिन आयकर अधिनियम की धारा 13 के तहत राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे पर 100' टैक्स छूट मिलती है। इसी कानूनी खामी का फायदा उठाकर ये कागजी पार्टियां काले धन के कुबेरों के लिए 'कमीशन एजेंट' का काम कर रही हैं:

चेक से डोनेशन और कमीशन कट: बड़े बिल्डर, सट्टेबाज या भ्रष्ट अधिकारी अपना 2 नंबर का काला धन सफेद करने के लिए इन बोगस पार्टियों के खाते में चेक या डिजिटल माध्यम से 'पॉलिटिकल डोनेशन' जमा कराते हैं।

कैश बैक का खेल: पार्टी के संचालक अपना 5' से 10' तक का फिक्स कमीशन काटकर बाकी की करोड़ों की रकम नगद में संबंधित व्यक्ति को वापस लौटा देते हैं।

100' टैक्स की बचत: चंदा देने वाला अपनी बैलेंस शीट में राजनीतिक दान दिखाकर 100' आयकर बचा लेता है और बदले में उसका काला धन बिना किसी टैक्स के कैश के रूप में वापस उसके पास पहुंच जाता है।

फर्जी पते और एक कमरे के दफ्तर: लोकतंत्र के नाम पर बड़ा धोखा

'महानगर मेट्रो' की पड़ताल में सामने आया है कि इन 2,700 से ज्यादा कागजी दलों में से 90' से अधिक ने पिछले 10 सालों में एक भी चुनाव नहीं लड़ा है। इनके पंजीकृत पतों की जांच की जाए तो कोई बंद मकान, कोई झुग्गी-झोपड़ी या फिर कोई गोदाम नजर आता है। कई पार्टियों के राष्ट्रीय अध्यक्ष कागजों पर ऑटो चालक या छोटे दलाल हैं, जबकि उनकी पार्टी के बैंक खातों में सालाना सैकड़ों करोड़ रुपये का टर्नओवर हो रहा है।

चुनाव आयोग और आयकर विभाग तुरंत करें बुलडोजर कार्रवाई: महानगर मेट्रो की मांग

यह सिर्फ वित्तीय अनियमितता नहीं, बल्कि देश के राजस्व और लोकतंत्र के साथ सीधा खिलवाड़ है। केंद्रीय चुनाव आयोग आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय को इस पर तत्काल कड़ा रुख अपनाना होगा

पंजीकरण रद्द हो: जो पार्टियां पिछले 5 वर्षों से किसी भी चुनाव में भाग नहीं ले रही हैं, उनकी राजनीतिक दल के रूप में मान्यता तुरंत रद्द की जाए।

फॉरेंसिक ऑडिट हो: RUPP श्रेणी की सभी पार्टियों के बैंक खातों का फॉरेंसिक ऑडिट किया जाए और चंदा देने वाली कंपनियों व व्यक्तियों के ठिकानों पर आयकर विभाग के छापे मारे जाएं।

PMLA के तहत हो जेल: राजनीति की आड़ में काले धन की लॉन्ड्रिंग करने वाले फर्जी नेताओं और फायदा उठाने वाले कारोबारियों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत केस दर्ज कर उन्हें जेल भेजा जाए।

देश के ईमानदार करदाताओं के पैसे पर डाका डालने वाली इन कागजी दुकानों को हमेशा के लिए बंद करना अब बेहद जरूरी हो चुका है।

दलित समाज में अंदरूनी तालमेल और SC रिज़र्वेशन क्लासिफ़िकेशन

सामाजिक मेलजोल और संवैधानिक नियमों का गहरा एनालिसिस

दलित समाज के अंदर उपजाति के भेदभाव को खत्म करना, सामाजिक तालमेल लाना और सरकारी रिज़र्वेशन के फ़ायदों का बराबर बंटवारा आज के समय के बहुत गंभीर और बहस के मुद्दे हैं। इन मुद्दों पर एक नया नज़रिया अपनाते हुए, समाज और पॉलिसी बनाने वालों के सामने पेश किए गए मुख्य पहलुओं का डिटेल्ड एनालिसिस इस तरह है:

1. दलितों के बीच इंटर-मैरिज की मांग और नई इंसेंटिव स्कीम

उप-जाति भेदभाव का अंत: दलित वर्ग के अंदर भी, अलग-अलग उपजातियों के बीच ऊंच-नीच और भेदभाव की अनदेखी दीवारें मौजूद हैं। अगर बहुत पिछड़ी मानी जाने वाली उपजाति के लड़के का दूसरी उपजाति की लड़की से शादी के रिश्ते को बढ़ावा दिया जाए, तो समाज की अंदरूनी गैर-बराबरी को जड़ से खत्म किया जा सकता है।

नई शर्तों के साथ इंसेंटिव: सरकार अभी इंटर-कास्ट मैरिज के लिए फाइनेंशियल इंसेंटिव देती है। लेकिन, अनुसूचित जातियों के अंदर स्ट्ट के अंदर शादियों में बढ़ोतरी और एक खास सरकारी स्कीम लाने पर विचार, जो समाज में नीचे मानी जाने वाली जाति के आदमी से शादी को प्राथमिकता देती है, सामाजिक मेलजोल के लिए एक नई दिशा दिखाता है।

2. SC रिज़र्वेशन का सब-कैटेगराइज़ेशन और सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फ़ैसला

आखिरी आदमी को फ़ायदा: अनुसूचित जातियों (स्ट्ट) के लिए 27' या तय रिज़र्वेशन से सिर्फ़ कुछ खास और आगे की जातियों को ही बहुत फ़ायदा होता है, जबकि बहुत पिछड़ी उपजातियाँ दशकों से इससे वंचित हैं। इसलिए, जातियों का क्रम तय करके रिज़र्वेशन के सब-कैटेगराइज़ेशन की माँग बहुत सही है।

सुप्रीम कोर्ट से हरी झंडी: सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों को स्ट्ट रिज़र्वेशन में अंदरूनी क्लासिफ़िकेशन (सब-क्लासिफ़िकेशन) करने की संवैधानिक इजाज़त भी दी है, ताकि जो उपजातियाँ सच में वंचित हैं, उन्हें रिज़र्वेशन का बराबर हिस्सा मिल सके।

3. सामाजिक स्वीकार्यता, अधिकार और संवैधानिक सीमाएं मौलिक अधिकारों की सुरक्षा: भारत का संविधान देश के हर नागरिक को आर्टिकल 21 के तहत शादी करने और अपनी पसंद का जीवनसाथी चुनने का निजी और मौलिक अधिकार देता है।

आरक्षण का संवैधानिक अधिकार: आरक्षण सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़ेपन के आधार पर संवैधानिक रूप से दिया गया अधिकार है। इसलिए, शादी के रिश्ते या पारिवारिक मतभेद के आधार पर किसी परिवार का स्ट्ट का दर्जा या आरक्षण का अधिकार वापस लेना संवैधानिक और कानूनी नज़रिए से एक बड़ी चुनौती हो सकती है।

सामाजिक सुधार, अंदरूनी एकता और आरक्षण के सही बंटवारे का यह विचार समाज और केंद्र और राज्य सरकारों के लिए गंभीरता से सोचने लायक है।

डालिंब में जितेंद्र कुमार का रहस्यमयी अवतार

'पंचायत' फेम जितेंद्र कुमार का एक नया प्रोजेक्ट ओटीटी पर दस्तक देने की तैयारी में है। यह साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म 'डालिंब' है, जो सीधे ZEE पर रिलीज होगी। मराठी में 'डालिंब' का अर्थ अनार होता है, हालांकि यह एक हिंदी भाषी फिल्म है। इसमें जितेंद्र के साथ प्रिया बापट भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी मुंबई की एक बहुमंजिला इमारत में सेट है, जहां एक बच्चे के अचानक गायब होने के बाद रहस्य की परतें खुलनी शुरू होती हैं।

जितेंद्र-बुल्लू का नहीं होगा 'पंचायत' जैसा टकराव

फिल्म में जितेंद्र के साथ उनके 'पंचायत' के साथी कलाकार बुल्लू कुमार भी हैं। सूत्रों के मुताबिक, बुल्लू और जितेंद्र इसमें एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं बल्कि दोनों अपने-अपने किरदार और कहानी के हिस्से के मुताबिक आगे बढ़ते हैं। यहां दोनों के बीच 'पंचायत' जैसी नोक-झोंक नहीं होगी। 'डालिंब' की कहानी का मुख्य बैकड्रॉप मुंबई की एक हाई-राइज बिल्डिंग है। टीजर में भी बच्चे के गायब होने और उसके बाद पैदा होने वाले तनाव की झलक दिखाई गई है। मेकर्स ने कहानी के बड़े हिस्से को अभी छिपाकर रखा है। इसे सिर्फ बच्चे की तलाश वाली कहानी मानना सही नहीं होगा। इसे साइकोलॉजिकल थ्रिलर के तौर पर पेश किया जा रहा है। इस कहानी में कई ऐसे प्लॉट और सस्पेंस हैं जो चौंकाएंगे। सूत्रों से हुई बातचीत में फिल्म के बारे में एक और दिलचस्प संकेत मिला। 'डालिंब' में आस्था का पहलू भी देखने को मिल सकता है। सूत्र ये भी कहते हैं कि आस्था और मनोविज्ञान का यह मेल 'डालिंब' को पारंपरिक क्राइम थ्रिलर से अलग बनाता है। कहानी में रहस्य तो है, लेकिन इसके साथ इंसानी सोच और विश्वास को भी जगह दी गई है। यही कारण है कि फिल्म को 'रमन राघव 2.0' या 'असुर' जैसी पारंपरिक मर्डर मिस्ट्री के साथ सीधे जोड़ना ठीक नहीं होगा। 'डालिंब' का ट्रीटमेंट इससे अलग बताया जा रहा है। 'पंचायत' के सचिव जी के तौर पर जबरदस्त लोकप्रियता हासिल करने वाले जितेंद्र के लिए 'डालिंब' एक अलग तरह का प्रयोग है। उनका किरदार फिल्म में काफी लेयर्ड है और इसे उनकी स्थापित कॉमिक इमेज से अलग रखने की कोशिश की गई है। 'डालिंब' उन्हें एक ज्यादा गंभीर और रहस्यमयी दुनिया में ले जाती है। साथ ही हाई-राइज बिल्डिंग का सेटअप इस कहानी की अहम जरूरत है। प्रिया और जितेंद्र पहली बार इस तरह की साइकोलॉजिकल थ्रिलर में साथ दिखाई देंगे। 'डालिंब' में जितेंद्र और बुल्लू की मौजूदगी 'पंचायत' के दर्शकों के लिए जरूर एक कनेक्शन बनाएगी। सूत्रों ने बताया कि 'डालिंब' में बुल्लू एक सिक्योरिटी गार्ड की भूमिका निभा रहे हैं। उनका किरदार उत्तर भारत से आया हुआ है और मुंबई की उस बिल्डिंग में सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ा है, जहां फिल्म की पूरी कहानी घटती है। यह किरदार इसलिए भी अहम हो जाता है क्योंकि कहानी का बड़ा हिस्सा इसी बिल्डिंग के भीतर है।

प्रिया एवेन करेंगी निर्देशन में डेब्यू, अधिकतर शूट मुंबई में ही हुआ है

'डालिंब' के जरिए प्रिया एवेन फीचर फिल्म निर्देशन में कदम रख रही हैं। उन्होंने कहानी को एक सीमित लोकेशन के भीतर रखते हुए किरदारों और उनके मनोविज्ञान पर फोकस किया है। बच्चे के गायब होने के साथ शुरू होने वाला यह रहस्य धीरे-धीरे वहां रहने वाले हर किरदार की जिंदगी को अपनी चपेट में लेता चला जाता है। फिल्म की शूटिंग का ज्यादातर हिस्सा मुंबई में ही शूट किया गया है।

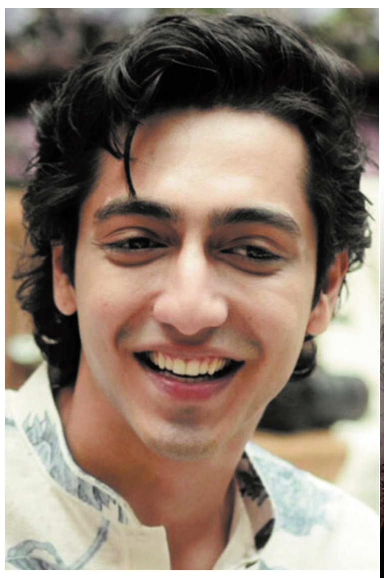

अगली फिल्म में गैंगस्टर बनेंगे अहान पांडे

यशराज बैनर की फिल्म 'सैयारा' से चर्चा में आए अभिनेता अहान पांडे अब अपने दूसरे बड़े प्रोजेक्ट के अंतिम चरण की शूटिंग में पहुंच गए हैं। इंडस्ट्री सूत्रों के अनुसार, निर्देशक अली अब्बास जफर की अनाम रोमांटिक-एक्शन फिल्म का करीब दो महीने लंबा यूनाइटेड किंगडम (यूके) शेड्यूल पूरा हो चुका है। इस दौरान फिल्म के कई अहम ड्रामेटिक सीक्वेंस और तीन बड़े गानों की शूटिंग की गई। फिल्म में अहान के साथ शरवरी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

तीन बड़े गानों पर रहा खास फोकस

सूत्रों के अनुसार...यूके शेड्यूल में फिल्म के तीन बड़े गानों की शूटिंग की गई। इनमें एक सोलो गीत पूरी तरह अहान पांडे के किरदार पर आधारित है, जिसे बर्मिंघम के टाउन हॉल इलाके में फेस्टिवल जैसे माहौल के बीच फिल्माया गया। इस गाने में बड़ी संख्या में डांसर्स और स्थानीय कलाकार शामिल हुए। वहीं, अहान और शरवरी पर दो रोमांटिक गानों की शूटिंग बर्मिंघम, कोवेंट्री, पेनरिथ और कार्लाइल की खूबसूरत लोकेशनों पर हुई।

गैंगस्टर बनने की यात्रा पर आधारित कहानी

फिल्म की कहानी को लेकर अभी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इंडस्ट्री सूत्रों के मुताबिक यह सिर्फ एक गैंगस्टर फिल्म नहीं होगी। कहानी एक ऐसे युवा की यात्रा दिखाएगी, जो परिस्थितियों के चलते अपराध की दुनिया में कदम रखता है।

फिल्म में मेंटॉर की भूमिका निभाएंगे बॉबी देओल

फिल्म में बॉबी देओल का किरदार कहानी का अहम आधार होगा। बताया जा रहा है कि उनका पात्र अहान पांडे के किरदार को अपने संरक्षण में लेकर अपराध की दुनिया में आगे बढ़ाता है। यानी वह एक प्रभावशाली मेंटॉर के रूप में नजर आएंगे, जो कहानी की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वहीं, ऐश्वर्य ठाकरे फिल्म के मुख्य विलेन की भूमिका में दिखाई देंगे।

अनटाइटल्ड रोमांटिक कॉमेडी फिल्म में नजर आएंगी सिमर भाटिया

श्रीराम राघवन की 'इक्कीस' से बॉलीवुड डेब्यू करने वालीं सिमर भाटिया अब अपने दूसरे प्रोजेक्ट के साथ फिर बड़े परदे पर दिखेंगी। बता दें कि सिमर, अक्षय कुमार की बहन अलका भाटिया की बेटी हैं। जानकारी के मुताबिक, सिमर इस बार मलयालम एक्टर रोशन मैथ्यू के साथ एक अनटाइटल्ड रोमांटिक कॉमेडी में नजर आएंगी। यह फिल्म एक इमोशनल और कैरेक्टर-ड्रिवन लव स्टोरी होगी। फिल्म का डायरेक्शन अधिराज बोस संभालेंगे, जो इस फिल्म से अपना फीचर डायरेक्शन डेब्यू कर रहे हैं। इन्होने 'एक थी डायन' और 'तलवार' जैसी फिल्मों में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया हैं। इस रोमांटिक ड्रामा को आयुष माहेश्वरी अपने बैनर बीएलएम पिक्चर्स के तहत प्रोड्यूस करेंगे, जो पहले 'धक धक', 'लूप लपेटा' और 'यारियां 2' जैसी फिल्मों को प्रोड्यूस कर चुका है। फिल्म की शूटिंग नवंबर में शुरू होगी और मेकर्स की प्लानिंग है कि अगले साल के मध्य में इसे थिएटर्स में रिलीज किया जाए। दूसरी ओर, रोशन जल्द ही 'ट्रायल बाय फायर' के डायरेक्टर प्रशांत नायर की नई स्कैम-थ्रिलर सीरीज 'जॉब ट्रैफिकिंग' में भी दिखेंगे, जो अमेजन प्राइम वीडियो पर अगले साल की शुरुआत में रिलीज होने की उम्मीद है। इससे पहले रोशन मलयालम सिनेमा में 'सी यू सून', 'मूथोन' और हाल ही में आई 'उयिर' जैसी फिल्मों से अपनी पहचान बना चुके हैं।

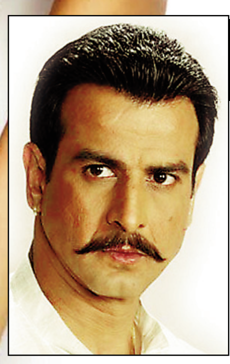

'मॉन्स्टर' में हुई रोनित रॉय की एंट्री

सलमान खान की फिल्म 'मॉन्स्टर' पिछले काफी समय से चर्चा बनी हुई है। इसे शुरुआत में एक प्रोजेक्ट के तौर पर आगे बढ़ाया गया था, लेकिन अब इसकी स्टारकास्ट और कहानी का दायरा लगातार बड़ा होता जा रहा है। फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। अब रोनित रॉय और सीमा बिस्वास भी इस फिल्म का हिस्सा बन गए हैं। दोनों एक्टर्स फिल्म में अहम किरदारों में नजर आएंगे। फिल्म में रोनित का किरदार काफी खास बताया जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक...'वह फिल्म में पॉजिटिव और बड़े कद वाले किरदार में नजर आएंगे।

वीर दास ने अपनी दूसरी डायरेक्टोरियल फिल्म 'बारा नंबर' की शूटिंग पूरी की

कॉमेडियन और एक्टर वीर दास ने अपनी दूसरी डायरेक्टोरियल फिल्म 'बारा नंबर' की शूटिंग पूरी कर ली है। यह एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर है, जिसे फाउंड फुटेज फॉर्मेट में बनाया गया है। इस फॉर्मेट में कहानी कैमरे से मिले फुटेज के जरिए आगे बढ़ती है। फिल्म में वीर डायरेक्टर और प्रोड्यूसर के साथ-साथ एक्टर के तौर पर भी नजर आएंगे। फिल्म को नरेश मलिक, जेफ लाजरस और कौशिक श्रीनिवासन की थर्ड फ्रेम स्टूडियो, कविता गुप्ता और विर की जाजू प्रोडक्शंस ने को-प्रोड्यूस किया है। कवी शास्त्री क्रिएटिव प्रोड्यूसर हैं। फिल्म में शीबा चड्ढा, सुहैल नय्यर, अरुणोदय सिंह, अहसास चन्ना, अतुल कुलकर्णी, निहारिका लायरा दत्त, श्रिया पिलगांवकर, पूजा सरूप और नवीन कौशिक समेत कई कलाकार हैं। फिल्म की कहानी फाउंड फुटेज के जरिए आगे बढ़ेगी। इसमें कैमरे से रिकॉर्ड हुए फुटेज को कहानी का हिस्सा बनाया गया है। फिल्म का फोकस किरदारों की मनोवैज्ञानिक स्थिति और उनके आसपास होने वाली घटनाओं पर रहेगा। इस फॉर्मेट के चलते फिल्म में पारंपरिक शूटिंग स्टाइल के बजाय कैमरा खुद कहानी का हिस्सा नजर आएगा। वीर ने बताया कि इस फिल्म को बनाना उनके लिए अलग अनुभव रहा। उनके मुताबिक, फाउंड फुटेज फॉर्मेट में कलाकारों को भी अपने अभिनय में स्वाभाविकता बनाए रखने पर काम करना पड़ा। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म में सभी कलाकारों ने इस अलग तरह की कहानी पर काम करने के लिए प्रयोग किए। शूटिंग पूरी होने के बाद अब फिल्म एडिटिंग और पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में जाएगी। बता दें कि वीर को पिछली बार फिल्म 'हैप्पी पटेल...' में देखा गया था।

'डोरोथी' में लीड रोल प्ले करेंगी कीर्ति सुरेश

निर्देशक कार्तिक सुब्बाराज ने अपनी फिल्म 'डोरोथी' का ऐलान कर दिया है। इस फिल्म में कीर्ति सुरेश मुख्य भूमिका निभाएंगी। फिल्म 25 सितंबर को दुनियाभर के थिएटर्स में रिलीज होगी। कार्तिक ने सोशल मीडिया पर फिल्म की घोषणा करते हुए बताया कि 'डोरोथी' उनके दिल के बेहद करीब है और वह इसे कई वर्षों से बनाना चाहते थे। उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म का म्यूजिक इलैयाराजा तैयार कर रहे हैं। वह इसके गाने और बैकग्राउंड स्कोर दोनों की जिम्मेदारी संभालेंगे। फिल्म में कीर्ति के अलावा सनंत और ऋषिकांत भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। हालांकि, मेकर्स ने अभी फिल्म की कहानी और बाकी स्टार कास्ट से जुड़ी जानकारी साझा नहीं की है। कार्तिक की पिछली फिल्म 'रेट्रो' थी, जिसमें सूर्या और पूजा हेगड़े मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। फिल्म में जयराम, जोजू जॉर्ज और नासर ने भी अहम किरदार निभाए थे। यह फिल्म फिलहाल नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। अब यह फिल्म कार्तिक के निर्देशन में बनने वाली 10वीं फिल्म होगी। इसके जरिए कीर्ति सुरेश एक नई कहानी के साथ दर्शकों के सामने नजर आएंगी।

विजय देवरकोंडा संग नजर आएंगी कीर्ति

कीर्ति सुरेश हाल ही में फिल्म 'रिवॉल्वर रीटा' में नजर आई थीं। अब वह विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म 'राउडी जनार्धना' में दिखाई देंगी, जो दिसंबर में रिलीज होगी।

कृति सेनन एड विवाद पर बोलीं उर्वशी रौतेला

एक्ट्रेस कृति सेनन के रक्षाबंधन एडवर्टाइजमेंट विवाद पर अब उर्वशी रौतेला की प्रतिक्रिया सामने आई है। न्यूज एजेंसी से बातचीत में उर्वशी ने कहा कि वे किसी भी महिला को उसके कपड़ों से जज नहीं करती हैं, लेकिन क्रिएटिविटी के नाम पर सांस्कृतिक संवेदनशीलता से समझौता नहीं होना चाहिए। रक्षाबंधन भारत का बेहद पवित्र त्योहार है और इसकी मर्यादा का ध्यान रखा जाना चाहिए। बता दें कि ज्वेलरी ब्रांड जीवा के इस विज्ञापन में कृति सेनन के इंडो-वेस्टर्न पहनावे को लेकर सोशल मीडिया पर काफी विरोध हुआ था, जिसके बाद ब्रांड ने विज्ञापन को हटा लिया है। 'क्रिएटिविटी और परंपरा को एक साथ न मिलाएं' बातचीत में उर्वशी रौतेला ने कहा, 'हम आजादी और क्रिएटिविटी का जश्न मनाते हैं, लेकिन हमें यह सोचना होगा कि रक्षाबंधन एक संवेदनशील और पवित्र त्योहार है। इसे देश के करोड़ों लोग मनाते हैं और हमें अपनी परंपराओं पर गर्व है। हमें यह समझना होगा कि क्रिएटिविटी के नाम पर रक्षाबंधन जैसी पवित्र परंपरा से खिलवाड़ नहीं किया जा सकता।' 'हमें तय करना होगा कि कहां सीमा होनी चाहिए' उर्वशी ने बातचीत के दौरान भारतीय संस्कृति के प्रति अपने सम्मान का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के अटूट रिश्ते का खूबसूरत त्योहार है। उर्वशी ने जोर देते हुए कहा, 'हमें एक सीमा तय करनी होगी कि हमें क्या करना चाहिए और क्या नहीं। आखिरकार हम सब भारतीय हैं और हमें अपने देश और संस्कृति का सम्मान करना चाहिए।'

क्या है पूरा विवाद

कृति सेनन ने एड में रिवीलिंग कपड़े पहने- यह पूरा विवाद जीवा ज्वेलरी ब्रांड के 36 सेकंड के रक्षाबंधन एडवर्टाइजमेंट से शुरू हुआ था। रक्षाबंधन से जुड़े इस एड में कृति ने ऑफ व्हाइट ब्रालेट स्टाइल ब्लाउज, केप और ड्रेप्ड स्कर्ट पहना था। सोशल मीडिया यूजर्स के एक वर्ग ने इस लुक की आलोचना की। उनका कहना था कि परिवार और परंपरा से जुड़े त्योहार के लिए यह आधुनिक स्टाइल सही नहीं है।

ओडिशा में बाढ़ का कहर थमा, 2 लाख लोग अब भी प्रभावित

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा में विनाशकारी बाढ़ से राहत की खबर है। शुक्रवार को राज्य में बाढ़ की स्थिति में व्यापक सुधार देखा गया, जहां सभी प्रमुख नदियों का जलस्तर तेजी से घट रहा है। हालांकि, बालासोर और जाजपुर जिलों के 303 गांवों में लगभग दो लाख लोग अब भी बाढ़ से प्रभावित हैं। सामान्य जनजीवन पटरी पर लाने के लिए युद्धस्तर पर राहत और बचाव अभियान जारी हैं। राजस्व विभाग के अनुसार, बालासोर जिले के 241 गांवों में 1,90,974 लोग और जाजपुर जिले के 62 गांवों में 7,745 लोग अभी भी बाढ़ की चपेट में हैं। मयूरभंज, क्योंझर, केंद्रापाड़ा और भद्रक समेत अन्य जिलों में भी नावों के जरिए राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। ओडिशा आपदा त्वरित कार्रवाई बल (ओडीआरएएफ), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और अग्निशमन सेवा की कुल 28 टीमें तैनात हैं। बालासोर में 111 और जाजपुर में 22 राहत शिविर संचालित हैं, जहां बालासोर से 16,582 लोगों को सुरक्षित पहुंचाया गया है। जल संसाधन विभाग ने पुष्टि की कि किसी भी प्रमुख नदी में अब बाढ़ की स्थिति नहीं है; सुवर्णरेखा नदी भी खतरे के निशान से नीचे बह रही है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 8 सितंबर तक ओडिशा के लिए कोई विशेष बारिश की चेतावनी जारी नहीं की है।

मुंबई एचसी का बड़ा आदेश: सीवर में मौत पर 30 लाख मुआवजा दे सरकार

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई उच्च न्यायालय ने सिर पर मैला ढोने की अमानवीय प्रथा पर महाराष्ट्र सरकार की एक नीति रद्द करते हुए कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने खतरनाक सफाई कार्य में मारे गए श्रमिकों के परिजनों को मुआवजा देने की जिम्मेदारी निजी नियोक्ताओं पर डालने वाली नीति को असंवैधानिक करार दिया। न्यायमूर्ति भारती डांगरे और मंजुषा देशपांडे की खंडपीठ ने राज्य सरकार को ऐसे मृत श्रमिकों के आश्रितों को तत्काल 30 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया। सरकार बाद में यह राशि संबंधित निजी संस्थाओं से वसूल सकती है। न्यायालय ने राज्य को छह महीने के भीतर खतरनाक सफाई कार्य (2013 अधिनियम के तहत परिभाषित) के दौरान मरने वाले सभी लोगों की पहचान करने का भी निर्देश दिया है।अदालत ने गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा, हम चंद्रमा तक पहुंचने का दावा करते हैं, लेकिन हमारे देश में जाति व्यवस्था का सामाजिक कलंक अब भी कायम है, जो कुछ नागरिकों को मानवीय गरिमा से नीचे का काम करने को मजबूर करता है। न्यायालय ने अफसोस जताया कि संविधान अपनाने के 75 साल बाद भी देश इस सामाजिक बुराई से मुक्त नहीं हो पाया है।

बडगाम में छिपे हैं 2 आतंकी, सूचना मिलते ही सुरक्षाबलों ने घेरा इलाका

जम्मू (एजेंसी)। बडगाम के यूसमर्ग क्षेत्र में 2 आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। जानकारी के मुताबिक सुरक्षाबलों को आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी जिसके बाद मौके पर पहुंचकर सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान चलाया। इसी दौरान आतंकियों और सुरक्षाबलों में मुठभेड़ शुरू हो गई और दोनों ओर से गोलीबारी हुई। इसके बाद सुरक्षाबलों ने इलाके को पूरी तरह से घेर लिया और सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया। जानकारी के अनुसार यूसमर्ग क्षेत्र में 2 आतंकियों के छिपे होने की आशंका जताई जा रही है कि दोनों आतंकी पाकिस्तान से संबंधित हैं। फिलहाल सुरक्षाबल मौके पर मौजूद हैं और अलर्ट पर हैं। पूरे क्षेत्र को घेर लिया गया है और सर्च ऑपरेशन जारी है।

बेंगलुरु में कर्ज न चुकाने पर महिला का निर्वस्त्र वीडियो बनाया

बेंगलुरु(एजेंसी)। कर्ज और ब्याज न चुकाने के विवाद को लेकर बेंगलुरु में एक महिला के साथ हैवानियत का बेहद चौंकाने वाला और दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। घटना के विवरण सुनकर किसी की भी रूह कांप सकती है। पुलिस के अनुसार, पीड़ित महिला ने लगभग दो साल पहले रेशमा बानू से एक लाख रुपये उधार लिए थे, और बाद में रेशमा के जरिए नाजत नामक व्यक्ति से पचास हजार रुपये और लिए। शुरुआत में महिला नियमित रूप से किस्त अदा करती रही और ब्याज का भुगतान करती रही, लेकिन उसकी आर्थिक स्थिति खराब होने के बाद यह भुगतान रुक गया। बताया गया है कि करीब छह महीने से ब्याज नहीं दिया गया था, और पिछले दो महीने से किस्त भी नहीं चुकाई गई थी। जब महिला ने रेशमा का नंबर ब्लॉक कर दिया और अपनी मां के घर चली गई, तो मामले ने एक खतरनाक और आपराधिक मोड़ ले लिया। आरोप है कि महिला को काम दिलाने के बहाने एक विशेष स्थान पर बुलाया गया, जहाँ पहले से ही रेशमा बानू, उसका पति सुहैल और नाजत मौजूद थे। पुलिस के दावे के अनुसार, वहाँ महिला के साथ बेरहमी से मारपीट की गई और उस पर कथित तौर पर चाकू से भी हमला किया गया। इसके बाद, उसे जबरन एक ऑटो रिक्शा में बैठाया गया और कुंबलगोडु के पास एक घर में ले जाया गया। वहाँ उसे कथित तौर पर बंधक बनाकर रखा गया और उसके साथ फिर से मारपीट की गई। मामले का सबसे वीभत्स और जघन्य पहलू यह है कि महिला को निर्वस्त्र कर उसका वीडियो बनाया गया और उसे धमकाया गया कि यदि उसने कर्ज की रकम और ब्याज नहीं चुकाया तो उस वीडियो को वायरल कर दिया जाएगा। इस जघन्य घटना का खुलासा तब हुआ जब महिला अचानक लापता हो गई।

पेंग्विन इंडिया की आनाकानी और बहानेबाजी के पीछे सत्ता का खौफ

–सोनिया गांधी की किताब के प्रकाशन पर पूर्व सीएम गहलोत ने केंद्र पर साधा निशाना

जयपुर, एजेंसी। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी के संस्मरण (मेमॉयर) बिलॉन्गिंग- ए जर्नी ऑफ लव के प्रकाशन को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने शुक्रवार को प्रकाशक पेंग्विन इंडिया के पीछे हटने को लेकर सीधे तौर पर केंद्र सरकार और पीएमओ को कठघरे में खड़ा किया। गहलोत ने दो टूक कहा कि प्रकाशक की आनाकानी और बहानेबाजी के पीछे सत्ता का खौफ है, लेकिन दुनिया की कोई भी ताकत इस सच को सामने आने से नहीं रोक सकती है। उन्होंने विश्वास जताया कि तय तारीख यानी 10 नवंबर 2026 को ही यह पुस्तक दुनिया के सामने आएगी। दुनिया में छप सकती है तो भारत में क्यों नहीं? पेंग्विन की खुली पोल अशोक गहलोत ने प्रकाशक की भूमिका और सरकारी हस्तक्षेप पर सवाल उठाते हुए कहा। गहलोत ने कहा कि पेंग्विन की मूल अंतरराष्ट्रीय संस्था इस किताब को मूल स्वरूप में पूरे विश्व में प्रकाशित करने को तैयार है। जब दुनिया भर के पाठक इसे पढ़ सकते हैं, तो भारत के पाठकों से इसे क्यों छिपाया जा रहा है? इस विरोधाभास ने पेंग्विन इंडिया की पूरी पोल खोलकर रख दी है। पूर्व सीएम ने तर्क दिया कि पीएमओ और सरकार पर लगातार गंभीर आरोप लग रहे हैं कि वे पीएम मोदी, आरएसएस और चीन से जुड़े अंशों को हटाने का दबाव बना रहे थे। इसके बावजूद सरकार की ओर से एक शब्द का भी खंडन न आना यह साबित करता है कि मौन रहकर इन आरोपों को स्वीकार कर लिया गया है। सोनिया गांधी की राजनीतिक विरासत का उल्लेख करते हुए गहलोत ने कहा कि वे कोई सामान्य हस्ती नहीं हैं। वे देश की नेता प्रतिपक्ष रही हैं और 22 सालों से ज्यादा समय तक कांग्रेस की अध्यक्ष रहकर उन्होंने भारतीय राजनीति को दिशा दी है। उनके लंबे सार्वजनिक जीवन और अनुभवों को सेंसर करने का प्रयास अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीधा प्रहार है। गहलोत ने खुलासा किया कि जैसे ही यह बात सार्वजनिक हुई कि पेंग्विन इंडिया ने पांडुलिपि छापने से हाथ पीछे खींच लिए हैं, देश-दुनिया के कई प्रतिष्ठित प्रकाशन संस्थानों ने इसे छापने के लिए हाथ आगे बढ़ा दिए हैं। गहलोत ने पूर्ण विश्वास जताया कि नया प्रकाशक सामने आएगा, किताब अपने तय मानकों के साथ छपेगी और घोषित तिथि 10 नवंबर को ही इसका विमोचन होगा।

आए दिन मस्जिदों को अवैध बताकर उनको ध्वस्त करना ठीक नहीं: मायावती

लखनऊ (एजेंसी)। सहारनपुर कलेक्ट्रेट में बनी मस्जिद को भारी संख्या में तैनात पुलिस बल की मौजूदगी में ध्वस्त कर दिया गया। यह कार्रवाई जिला अदालत के फैसले के बाद की गई है। वहीं कैराना की सांसद इकरा हसन को उनके घर पर पुलिस ने नजरबंद कर दिया है। इस घटनाक्रम पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने एक्स पर लिखा- ज़िला सहारनपुर की मस्जिद समेत पूरे उत्तर प्रदेश में आए दिन मस्जिदों को काफी आपाधापी में अवैध बताकर उनको ध्वस्त करने का जो सरकारी अभियान चलाया जा रहा है वह ठीक नहीं है और सरकार को ऐसे निगेटिव हालात से बचने के लिए इस पर तुरन्त रोक लगाकर इसके समाधान के उपाय करने चाहिए।

उन्होंने कहा कि वैसे भी एक संवैधानिक सेक्युलर सरकार द्वारा सभी धर्मों के मानने वालों एवं उनके धार्मिक स्थलों आदि का समान आदर-सम्मान और उनकी सुरक्षा करना का उत्तरदायित्व होता है। इस्लाम मज़हब में मस्जिदें हर दिन इबादत बल्कि दिन में कई बार जमात के साथ नमाज़ पढ़ने का मुख्य और अभिन्न अंग हैं, जिसको ध्यान में रखकर व भारतीय परम्परा के मुताबिक सम्मान देना देश व व्यापक जनहित में ज़रूरी है। इसके साथ ही, बिना नियम-क़ानून का समुचित अनुपालन किए किसी भी अभियुक्त का मकान ध्वस्त करके उसके पूरे परिवार को सामूहिक तौर पर सजा देकर बेघर कर देने की कार्रवाईयों से भी लोग काफी विचलित हैं। ऐसे में बसपा सरकार की तरह का 'क़ानून द्वारा क़ानून का राज' का व्यवहार ज़रूरी है।

दिल्ली-एनसीआर में बारिश जारी, मौसम विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट

-एयरपोर्ट पर पानी भर जाने से उड़ानों का संचालन प्रभावित, यात्री हुए परेशान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली और एनसीआर में शनिवार को लगातार दूसरे दिन मूसलाधार बारिश का हो रही है। इससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ और भारत मौसम विज्ञान विभाग ने पूरे दिल्ली-एनसीआर के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने शनिवार दिन भर गरज के साथ भारी बारिश का अनुमान जताया है। मौसम विभाग का कहना है कि रविवार को मौसम में सुधार होने की संभावना है और 8 सितंबर तक इस इलाके में मौसम सूखा रहेगा। शुक्रवार को दिल्ली में भारी बारिश हुई, जिससे कई इलाकों में जलभराव हो गया और ट्रैफिक व्यवस्था बाधित हुई। दिल्ली और गुरुग्राम के कई हिस्सों में खासकर कनॉट प्लेस, लुटियंस दिल्ली, साइबर सिटी कमर्शियल हब, शंकर चौक और शीतला माता रोड जैसी प्रमुख जगहों पर ट्रैफिक जाम रहा। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पानी भर जाने से उड़ानों का संचालन प्रभावित हुआ, जिससे कई यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। दिल्ली एयरपोर्ट ने कहा कि भारी बारिश हुई, जिसके कारण अप्रोच रोड और फोरकोर्ट वाले इलाकों में पानी जमा हो गया। जमा पानी को कुछ समय में हटा दिया गया। खराब मौसम का असर उड़ानों के संचालन पर भी पड़ा, जिससे कुछ उड़ानें देरी से चलीं और कुछ को डायवर्ट करना पड़ा। बारिश के बाद दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक में भी सुधार हुआ। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक शुक्रवार को एक्यूआई 71 दर्ज किया गया। जो संतोषजनक श्रेणी में आता है।

छात्रों पर लाठीचार्ज गलत: सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस को नसीहत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक विरोध प्रदर्शन के दौरान जुटे युवाओं पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर सुप्रीम कोर्ट के एक न्यायाधीश ने गहरी निराशा व्यक्त की है। न्यायाधीश उज्जल भुइयां ने पुलिस द्वारा किया गया लाठीचार्ज को बेहद परेशान करने वाली घटना करार दिया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि छात्र अपने अलग विचार रखते हैं, तो उनके खिलाफ दंडात्मक रवैया नहीं अपनाया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति भुइयां ने इस बात पर जोर दिया कि प्रदर्शन कर रहे लोगों पर इस तरह से अत्याचार करना बहुत ही निराशाजनक है और यह एक सभ्य समाज में अस्वीकार्य है। उन्होंने गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस अधिकारियों से जिस निष्पक्षता की उम्मीद की जाती है, वह पूरी तरह से गायब नजर आ रही है। न्यायाधीश भुइयां ने पुलिस को आम लोगों का भरोसा बनाए रखने की नसीहत देते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान लिया है कि जिन पीड़ितों के मानवाधिकार का उल्लंघन किया गया है, उन्हें उसका मुआवजा दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस को चाहिए कि वह बिना ज्यादा बल प्रयोग किए कानून व्यवस्था बनाए रखें। उन्होंने आगे कहा कि आम लोगों के लिए एक वर्दीधारी पुलिस वाले की पहचान सरकार से प्राप्त ताकत और अधिकारों के रूप में होती है। यदि किसी को कोई परेशानी होती है, तो वह पुलिस से मदद मांगता है। ऐसे में यह बहुत जरूरी है कि पुलिस अपनी विश्वसनीयता बनाए रखे, जिससे लोग उस पर भरोसा कर सकें और न्याय की उम्मीद कर सकें। न्यायाधीश भुइयां ने आगाह किया कि जब सरकार के अधिकारी ही कानून तोड़ने वाले बन जाते हैं, तो इससे अराजकता को बढ़ावा मिल सकता है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार के अधिकारी ही कानून तोड़ने लगें, तो इससे कानून के प्रति अनादर पैदा होगा और समाज में अव्यवस्था फैलेगी। कोई भी सभ्य देश ऐसी स्थिति को स्वीकार नहीं कर सकता, जहां कानून के रक्षक ही उसका उल्लंघन करने लगें। न्यायाधीश भुइयां ये महत्वपूर्ण टिप्पणियां पूर्व सचिव (सुरक्षा) यशोवर्धन आजाद की लिखी पुस्तक के विमोचन समारोह में बोल रहे थे, जो राजधानी के वायसराय हॉल में आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा, जब हम इंडियन पुलिस सर्विस के युवा अधिकारियों को खुद जाकर प्रदर्शनकारियों और प्रदर्शन करने वालों के साथ मारपीट करते देखते हैं, तो हम सभी को निराशा होती है। यह पहली बार नहीं है जब न्यायपालिका ने छात्रों के अधिकारों और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। छात्रों के विचारों को लेकर मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने भी खुलकर कहा था कि उन्हें किसी भी बात का विरोध करने का पूरा अधिकार है। जब भारतीय बार काउंसिल (बीसीआई) ने हैदराबाद के एक लॉ इंस्टीट्यूट के छात्रों के रजिस्ट्रेशन को बैन करने की बात कही, तो मुख्य न्यायाधीश ने फटकार लगाते हुए कहा था कि छात्रों और उनके विचारों के बीच किसी को नहीं आना चाहिए। ये न्यायिक टिप्पणियां लोकतंत्र में विरोध के अधिकार और पुलिस की जवाबदेही के महत्व को रेखांकित करती हैं।

नेपाल में आई बाढ़ से 275 भारतीय अब भी लापता, 1,907 सुरक्षित नेपाल पहुंचे

-भारत ने करीब 95 टन राहत सामग्री नेपाल भेजी, फॉरेंसिक विशेषज्ञ भी भेजे

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्रालय ने बताया कि नेपाल-तिब्बत सीमा के पास आई भीषण बाढ़ के बाद 275 भारतीय अब भी लापता हैं, जबकि 166 अन्य लोगों को बचा लिया गया है। मंत्रालय ने बताया कि चीन से नेपाल में 1,907 भारतीय नागरिक सुरक्षित पहुंच गए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि 26 अगस्त को नेपाल में अचानक आई भीषण बाढ़ के बाद से भारत ने करीब 95 टन राहत सामग्री नेपाल भेजी है। नेपाली अधिकारियों के मुताबिक प्रभावित क्षेत्रों से बचावकर्मियों द्वारा और शव बरामद किए जाने के बाद बाढ़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,295 हो गई है। बचाव और तलाश अभियान जारी रहने के बीच आपातकालीन दलों ने 12,000 से ज्यादा लोगों को बचाया है, जबकि करीब 5,000 लोग अभी भी लापता हैं। जायसवाल ने कहा कि हमारी जानकारी के मुताबिक 275 भारतीय नागरिक अब भी लापता हैं। हम नेपाल सरकार के साथ लगातार करीबी संपर्क में हैं। जायसवाल ने कहा कि चीन की आधिकारिक सूचना के मुताबिक चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में कोई भी भारतीय यात्री फंसा हुआ नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि भारत नेपाल सरकार की जरूरतों के मुताबिक उसकी सहायता जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि हम नेपाल सरकार के अनुरोध पर और ज्यादा फॉरेंसिक किट, बेली पुल और अन्य सामग्री भेजने की योजना बना रहे हैं। जायसवाल ने बताया कि भारत अब तक सात विमानों के जरिए करीब 95 टन राहत सामग्री नेपाल भेज चुका है। उन्होंने कहा कि नेपाल में राहत और बचाव कार्यों में सहायता के लिए 54 कर्मियों को भी भेजा है। इनमें 30 सुरंग बचाव विशेषज्ञ 19 फॉरेंसिक विशेषज्ञ और पांच सदस्यीय चिकित्सा दल शामिल है। हमारे बचाव और फॉरेंसिक दल मौके पर तैनात हैं और वे नेपाल के अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। भारत की ओर से राहत सामग्री की पहली खेप पीएम मोदी द्वारा 26 अगस्त को नेपाल के अपने समकक्ष बालेन्द्र शाह से बातचीत करने के कुछ घंटे बाद भेजी गई थी। पीएम मोदी ने बालेन शाह को हालात से निपटने के लिए हरसंभव मानवीय सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया था। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक बाढ़ से मुख्य रूप से मध्य नेपाल में 35 पुल, 45 झूला पुल और 40 किलोमीटर लंबी पक्की सड़कों को नुकसान पहुंचा है। जायसवाल ने कहा कि भारत ने नेपाल में आई अचानक बाढ़ के बाद तुरंत कदम उठाया और दोहराया कि वह देश में पुनर्निर्माण और राहत कार्यों में लगातार सहयोग करता रहेगा। नेपाल में आई बाढ़ के संदर्भ में जलवायु परिवर्तन से जुड़े सवाल पर जायसवाल ने कहा कि भारत का लगातार यह रुख रहा है कि यह एक साझा चुनौती है और इस संबंध में कार्रवाई ''साझा लेकिन अलग-अलग जिम्मेदारियों और संबंधित क्षमताओं'' के सिद्धांत पर आधारित होनी चाहिए।

ज्ञानोदय विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक आदित्य जैन 'राष्ट्रनिर्माता गुरु रत्न सम्मान-2026' से सम्मानित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नीमच. 5 सितंबर, भावना कला एवं साहित्य फाउंडेशन द्वारा शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर ज्ञानोदय विश्वविद्यालय, नीमच के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग में कार्यरत सहायक प्राध्यापक आदित्य जैन को 'राष्ट्रनिर्माता गुरु रत्न सम्मान - 2026' से अलंकृत किया गया। उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान शिक्षा जगत में उनके उत्कृष्ट योगदान, अटूट समर्पण तथा समाज को नई दिशा प्रदान करने वाली प्रेरणादायक सेवाओं के लिए प्रदान किया गया है। प्रो. जैन ने अपने समृद्ध शैक्षणिक व पुस्तकालय प्रबंधन अनुभव के बल पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप सूचना साक्षरता, डिजिटल रिपॉजिटरी और आधुनिक नवाचारों को सफलतापूर्वक स्थापित किया है।उन्होंने नैतिक मूल्यों, भारतीय ज्ञान परंपरा और आध्यात्मिक चेतना पर 150 से अधिक उत्कृष्ट वैचारिक स्तंभों, शोध पत्रों और ओजस्वी व्याख्यानों के माध्यम से चरित्र निर्माण का निरंतर अलख जगाया है। राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक शोध पत्रों का सफल संपादन, इंडियन लाइब्रेरी एसोसिएशन जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं में विद्वत सदस्यता तथा 'द एइरुडाइट एजुकेटर इंटरनेशनल अवार्ड' व 'रामायणी सम्मान' जैसी उपलब्धियाँ उनके ज्ञान और निष्ठा की परिचायक हैं।ज्ञान, चरित्र, नैतिक मूल्यों और नवाचार के इस पावन संगम हेतु चयन समिति ने उनके कार्यों का उच्च मूल्यांकन करते हुए उन्हें सम्मानित कर अत्यंत गौरवान्वित महसूस किया। संस्था के पदाधिकारियों एवं प्रबुद्धजनों ने प्रो. आदित्य जैन को इस गौरवमयी उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल एवं यशस्वी भविष्य की मंगल कामना की है।

विश्व शांति का नया सूत्रधार? रूस-यूक्रेन-ईरान ने पीएम मोदी से लगाई उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत की भूमिका संभावित शांतिदूत के रूप में सामने आ रही है। हाल ही में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से हुई मुलाकातों ने अटकलों को जन्म दिया है कि भारत, रूस-यूक्रेन और ईरान-अमेरिका के बीच जारी युद्धों को रोकने में मध्यस्थता कर सकता है। अंतर्राष्ट्रीय मीडिया, विशेषकर चीनी मीडिया, इस संभावना पर गहन चर्चा कर रहा है। विश्लेषकों के अनुसार, इन तीनों देशों के बीच भारत को एक संभावित पुल के रूप में देखा जा रहा है। दिल्ली के सभी संबद्ध देशों की राजधानियों में मजबूत संपर्क हैं, और ऐसा कोई अन्य देश नहीं है जो सभी पक्षों से एक साथ सीधे संवाद कर सके। हालांकि, विशेषज्ञों का तर्क है कि मात्र पहुंच होने का मतलब हमेशा दबाव बनाने की ताकत नहीं होता और मध्यस्थता के लिए भारत की वास्तविक इच्छा भी मायने रखती है। किर्गिस्तान के बिश्केक में हुए शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी ने रूसी राष्ट्रपति पुतिन से यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि युद्ध में बिताया गया हर दिन मानवता को पीछे धकेलता है और भारत शांति प्रयासों का लगातार समर्थन करता रहेगा। इसी बीच, विदेश मंत्री जयशंकर ने कीव में यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की से मुलाकात कर युद्ध रुकवाने में मदद की पेशकश की। सबसे दिलचस्प ईरान के राष्ट्रपति पेजेश्कियन का अनुरोध था, जिन्होंने मोदी से भारत के व्यापक संपर्कों का उपयोग करके अन्य पक्षों को संघर्ष से दूर रहने में मदद करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हमारा मानना ??है कि हमारे सामने आने वाली समस्याओं का समाधान बातचीत और सहयोग में निहित है और असुरक्षा तथा संघर्ष को फैलने से रोकने के लिए सभी उपलब्ध क्षमताओं का उपयोग किया जाना चाहिए। यह बयान भारत की संभावित भूमिका को और मजबूत करता है। विश्लेषकों का मानना है कि इन मुलाकातों से भारत की नई भूमिका सामने आई है। उनका कहना है कि भारत में मॉस्को, तेहरान और पश्चिम सभी से एक साथ बात करने की दुर्लभ क्षमता है। यह पहुंच वास्तविक है, लेकिन ठोस समझौतों में बदलना चुनौतीपूर्ण है। मध्यस्थता तभी सफल होती है जब संघर्षरत पक्ष स्वयं समाधान चाहते हों और मध्यस्थ पर विश्वास करते हों। भारत ने संघर्षों में किसी भी पक्ष का समर्थन करने से लगातार परहेज किया है, जिससे उसकी विश्वसनीयता बढ़ी है। यदि भारत अपनी मौजूदा अध्यक्षता का सही उपयोग करता है, तब इसके अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण परिणाम हो सकते हैं, खासकर ब्रिक्स जैसे मंचों पर जो तनावपूर्ण दुनिया के लिए शांति, स्थिरता और आर्थिक सहयोग के प्रतीक के रूप में देखे जाते हैं। भारत के लिए चुनौती है कि वह बिना किसी गुट का मोहरा बने, सभी पक्षों से बात कर सके और दुनिया की जंग रुकवाने में वाकई कोई भूमिका निभा सके।

आरबीआई ने ट्रांसयूनियन सिबिल समेत पांच कंपनियों पर लगाया जुर्माना

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियमों का उल्लंघन किए जाने के मामले में पांच कंपनियों पर मौद्रिक जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक नेयह जानकारी दी। आरबीआई की अधिसूचना के अनुसार, ट्रांसयूनियन सिबिल पर 26,82,800 रुपये, सीआरआईएफ हाई मार्क क्रेडिट इन्फॉर्मेशन सर्विसेज पर 6,89,600 रुपये, इक्विफैक्स क्रेडिट इन्फॉर्मेशन सर्विसेज पर 1,19,400 रुपये, सम्मान फिनसर्व पर 4.20 लाख रुपये और हिंदुजा लेलैंड फाइनेंस पर 6.20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि ट्रांसयूनियन सिबिल, सीआरआईएफ हाई मार्क क्रेडिट इन्फॉर्मेशन सर्विसेज और इक्विफैक्स क्रेडिट इन्फॉर्मेशन सर्विसेज निर्धारित अवधि के भीतर कुछ पात्र शिकायतकर्ताओं के बैंक खातों में मुआवजे की राशि जमा करने में विफल रहीं। इस उल्लंघन के लिए उनपर जुर्माना लगाया गया।इसके अलावा, सम्मान फिनसर्व ने अपने कर्जदार की ऋण संबंधी जानकारी सेंट्रल रिपॉजिटरी ऑफ इंफॉर्मेशन ऑन लार्ज क्रेडिट्स (सीआरआईएलसी) को नहीं दी थी।आरबीआई ने कहा कि हिंदुजा लेलैंड फाइनेंस ने सूक्ष्म वित्त ऋणों के मूल्य निर्धारण को लेकर बोर्ड से मंजूर नीति लागू नहीं की थी।

ई-कॉमर्स निर्यात से छोटे शहरों के कारोबारियों को मिलेगी मदद- विशेषज्ञ

नई दिल्ली ।

विशेषज्ञों ने शुक्रवार को कहा कि ई-कॉमर्स माध्यम से निर्यात को बढ़ावा देने के सरकारी उपायों से देश के छोटे शहरों के व्यापारियों को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा।उन्होंने कहा कि हथकरघा, हस्तशिल्प और आभूषण जैसे क्षेत्रों से जुड़े कारीगरों द्वारा बनाए गए उत्पाद वैश्विक बाजारों तक अपनी पहुंच बना सकेंगे। पायोनियर इंडिया के एक अ अ धिकारी ने कहा, 'ई-कॉमर्स करूर, पानीपत, जयपुर, मुरादाबाद या तिरुपुर के किसी विक्रेता को अपनी वृद्धि यात्रा के काफी शुरुआती दौर में ही विदेशी खरीदारों तक पहुंचने की गुंजाइश दे रहा है। हालांकि, उन्होंने कहा कि ग्राहकों की खोज केवल पहला कदम है और छोटे निर्यातकों को सीमा पार भुगतान के ऐसे भरोसेमंद बुनियादी ढांचे की भी आवश्यकता है जो ऑर्डर की संख्या बढ़ने पर उनका समर्थन कर सके। उन्होंने कहा, 'यह बदलाव न केवल भारत के निर्यात के मूल्य को बदल सकता है, बल्कि यह भी तय कर सकता है कि निर्यात आधारित आर्थिक गतिविधियां कहां संचालित होंगी। पारंपरिक निर्यात मॉडल ने अक्सर स्थापित विदेशी साझेदारों, व्यापक वितरण नेटवर्क और भारी मात्रा में खेप संभालने की क्षमता वाले बड़े व्यवसायों का पक्ष लिया है। उन्होंने कहा कि ई-कॉमर्स छोटे विक्रेताओं को अपेक्षाकृत कम मात्रा के ऑर्डर से शुरुआत करने की अनुमति देकर इनमें से कुछ शुरुआती बाधाओं को कम करता है। शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि भारत को 2030 तक ई-कॉमर्स के माध्यम से 350 अरब अमेरिकी डॉलर के वस्तु निर्यात का लक्ष्य रखना चाहिए।

वायरल देसाई को नाइट फैंक इंडिया की कमान

अगले साल अप्रैल से संभालेंगे पद

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट सलाहकार नाइट फ्रैंक इंडिया ने घोषणा की है कि अनुभवी वायरल देसाई अगले साल अप्रैल से कंपनी के नए मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) का पदभार संभालेंगे। देसाई वर्तमान में कंपनी में वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक-लेनदेन के पद पर कार्यरत हैं और उनकी यह पदोन्नति कंपनी के नेतृत्व ढांचे को मजबूत करेगी। कंपनी द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, देसाई 2007 में नाइट फ्रैंक से जुड़े थे और फिलहाल ऑक्यूपियर स्ट्रैटेजी एंड सॉल्यूशंस (ओएसएस), औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक्स, पूंजी बाजार और खुदरा एजेंसी कारोबार जैसे महत्वपूर्ण विभागों का प्रबंधन करते हैं। अपनी नई भूमिका में, देसाई कारोबार की सभी सेवाओं की प्रत्यक्ष निगरानी करेंगे और नाइट फ्रैंक इंडिया की वृद्धि के अगले चरण के लिए एक एकीकृत नेतृत्व ढांचा प्रदान करेंगे। नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल हैं। इस नियुक्ति पर नाइट फ्रैंक के एशिया-प्रशांत क्षेत्र के सीईओ क्रेग शुट ने कहा कि भारत कंपनी के सबसे महत्वपूर्ण और सफल वैश्विक कारोबारों में से एक है। मुंबई स्थित नाइट फ्रैंक इंडिया के प्रमुख शहरों में 2,000 से अधिक विशेषज्ञ कार्यरत हैं। यह लंदन मुख्यालय वाली वैश्विक संपत्ति सलाहकार कंपनी नाइट फ्रैंक एलएलपी का एक अहम हिस्सा है।

शुरुआती तीन दिन भारी बिकवाली, जन्माष्टमी पर मिली बढ़त

भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण जबरदस्त उतार-चढ़ाव देखा गया

मुंबई ।

बीते सप्ताह (अगस्त के अंत और सितंबर की शुरुआत में) भारतीय शेयर बाजार ने भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण जबरदस्त उतार-चढ़ाव देखा। शुरुआती दिनों में निवेशकों की धारणा पर वैश्विक नकारात्मक संकेतों और पश्चिम एशिया में नए सिरे से उपजे संघर्ष का भारी असर पड़ा, जिससे प्रमुख सूचकांकों में तेज गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, सप्ताह के अंत तक बाजार में कुछ सुधार देखा गया, जिससे गिरावट का सिलसिला थमा। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट के साथ हुई। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने वैश्विक बाजारों के साथ-साथ भारतीय निवेशकों को भी सहमा दिया। 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 307 अंक गिरकर 76,957.27 पर और निफ्टी 95 अंक टूटकर 24,080.40 पर बंद हुआ। मंगलवार को भी यह दबाव जारी रहा, हालांकि गिरावट मामूली थी, सेंसेक्स 12.99 अंक और निफ्टी 24.61 अंक फिसले। बुधवार को बाजार में सबसे बड़ी बिकवाली देखने को मिली, जहां घरेलू जीडीपी के शानदार आंकड़ों की खुशी भू-राजनीतिक तनाव के साये में फीकी पड़ गई। अमेरिकी-ईरान संघर्ष की आशंकाओं और होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने के डर ने सेंसेक्स को एक समय 800 अंक से अधिक तोड़ दिया, हालांकि अंत में यह 373.93 अंक गिरकर 76,570.35 पर और निफ्टी 141.35 अंक टूटकर 23,914.45 पर बंद हुआ। लगातार तीन दिनों की गिरावट के बाद, गुरुवार (4 सितंबर 2026, जन्माष्टमी) को भारतीय बाजार में एक बार फिर मजबूत शुरुआत देखने को मिली। सेंसेक्स में शुरुआती कारोबार में 550 अंक से अधिक का उछाल आया, जो निवेशकों में उम्मीद की किरण जगाई। शुक्रवार को भी यह सकारात्मक रुझान जारी रहा और प्रमुख सूचकांकों ने सप्ताह के मध्य में आई गिरावट के सिलसिले को समाप्त किया। विदेशी निवेश में वृद्धि और जोखिम लेने की बढ़ती प्रवृत्ति ने बाजार को सहारा दिया, जिससे सेंसेक्स 363 अंक बढ़कर 76,515 पर और निफ्टी 24 अंक से अधिक बढ़कर 23,898 के नीचे बंद हुआ। कुल मिलाकर, सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही लाल निशान में बंद हुए। सप्ताह की शुरुआत के ऊंचे स्तरों से देखें तो सेंसेक्स लगभग 740 अंक और निफ्टी लगभग 275 अंक नीचे आकर बंद हुए। हालांकि, इस दौरान भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले काफी मजबूत हुआ, जो सप्ताह की शुरुआत में 95.22 (अस्थायी) पर बंद होने के बाद शुक्रवार को 2 पैसे बढ़कर 94.49 (अस्थायी) पर आ गया, जो विदेशी पूंजी प्रवाह में वृद्धि का संकेत है। यह सप्ताह भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के कारण बाजार की संवेदनशीलता को दर्शाता है। कच्चे तेल और पश्चिम एशिया का तनाव निकट भविष्य में भी बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जबकि घरेलू आर्थिक आंकड़े एक अंतर्निहित मजबूती प्रदान कर रहे हैं।

एनएफआरए ने ऑडिट गुणवत्ता पर नौ-सदस्यीय सलाहकार समिति बनाई

नई दिल्ली

राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) ने ऑडिट की गुणवत्ता, आश्वासन और नई प्रौद्योगिकियों के उपयोग से संबंधित मुद्दों पर सलाह देने के लिए एक नौ-सदस्यीय सलाहकार समिति का गठन किया है। इस समिति में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की पूर्व डिप्टी गवर्नर श्यामला गोपीनाथ और बाजार नियामक सेबी के पूर्व पूर्णकालिक सदस्य अनंत नारायण जैसे विशेषज्ञ शामिल हैं। समिति में पेशेवरों, मुख्य वित्तीय अधिकारियों (सीएफओ), ऑडिट समितियों, स्वतंत्र निदेशकों और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों सहित विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व है। यह समिति ऑडिट मानकों के प्रभावी क्रियान्वयन और एकरूप उपयोग पर मार्गदर्शन प्रदान करेगी। इसके अलावा, यह ऑडिट में डेटा विश्लेषण, कृत्रिम मेधा (एआई) और मशीन लर्निंग जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के उपयोग से जुड़े जोखिमों और व्यावहारिक चुनौतियों पर सलाह देगी। साइबर सुरक्षा, क्लाउड संबंधी जोखिम, ऑडिट दस्तावेजों की गोपनीयता और ग्राहकों के डेटा की सुरक्षा जैसे विषयों पर भी समिति सुझाव देगी, जिससे ऑडिट प्रक्रियाएं सशक्त और भविष्य के लिए तैयार हो सकें।

क्विक कॉमर्स का बड़ा दांव, डार्क स्टोर्स बन रहे मिनी फुलफिलमेंट हब

डार्क स्टोर से मिनी फुलफिलमेंट सेंटर तक, क्विक कॉमर्स कंपनियों का बढ़ा खर्च

नई दिल्ली।

ब्लिंकइट और स्विगी इंस्टामार्ट जैसी क्विक कॉमर्स कंपनियां अपने डार्क स्टोरों पर बड़ा पूंजी निवेश कर रही हैं। यूबीएस की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रति डार्क स्टोर अब लगभग 2.5 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं, जो दो साल पहले के 1 करोड़ रुपये से काफी अधिक है। इसका मकसद इन स्टोरों को मात्र डिलीवरी पॉइंट से व्यापक उत्पाद श्रृंखला वाले मिनी फुलफिलमेंट केंद्रों में बदलना है। यह बदलाव स्टोर के आकार में 60-100 फीसदी वृद्धि को दर्शाता है। अब 2,000-3,000 वर्ग फुट की जगह 5,000 से 7,000 वर्ग फुट तक के डार्क स्टोर बनाए जा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 5,000 वर्ग फुट के स्टोर पर 2.4-2.5 करोड़ रुपये और 7,000 वर्ग फुट की इकाई पर 3 करोड़ रुपये तक का अनुमानित खर्च आ सकता है, जिसमें वेयरहाउस का बुनियादी ढांचा भी शामिल है। बड़े डार्क स्टोर अब स्थानीय स्तर पर अधिक रिजर्व और लॉन्ग-टेल स्टॉक रख सकेंगे, जिससे री-स्टॉक की जरूरत कम होगी। इससे डार्क स्टोरों की भूमिका बदल रही है; वे अब केवल डिलीवरी पॉइंट नहीं, बल्कि मिनी फुलफिलमेंट केंद्रों के तौर पर काम करेंगे।

आरबीआई अक्टूबर में बढ़ा सकता है ब्याज दरें

बैंकिंग सिस्टम में 10.3 लाख करोड़ रुपए की रिकॉर्ड लिक्विडिटी

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अपनी अगली मौद्रिक नीति समीक्षा (5-7 अक्टूबर) के दौरान ब्याज दरें बढ़ाने पर विचार कर सकता है। यह संभावना बैंकिंग तंत्र में रिकॉर्ड अधिशेष तरलता और केंद्रीय बैंक द्वारा घोषित 7 लाख करोड़ रुपये की 30-दिवसीय वेरिएबल रेट रिवर्स रीपो (वीआरआरआर) नीलामी के बाद पुख्ता हुई है, जिसमें पहली बार बैंकों को समय से पहले जमा राशि निकालने की अनुमति दी गई है। गुरुवार को बैंकिंग प्रणाली में तरलता 10.3 लाख करोड़ रुपये के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी। इस बढ़ती तरलता को नियंत्रित करने के उद्देश्य से आरबीआई सोमवार को 7 लाख करोड़ रुपये की वीआरआरआर नीलामी करेगा। बाजार के जानकारों का मानना है कि नीलामी में समय से पहले निकासी का विकल्प, बैंकों को महीने के अंत में कर भुगतान जैसी जरूरतों के बावजूद लंबी अवधि के लिए धन जमा करने में सहज महसूस कराएगा। डीलरों के अनुसार, आरबीआई के इस अभूतपूर्व कदम से बॉन्ड बाजार को राहत मिली है, क्योंकि इससे संकेत मिलता है कि अक्टूबर की मौद्रिक नीति समिति की बैठक से पहले तरलता से जुड़े और कोई बड़े उपाय नहीं किए जाएंगे। रुपये पर लगातार

दबाव, ऊंची बॉन्ड यील्ड और तरलता में असंतुलन को देखते हुए, विशेषज्ञों का मानना है कि आरबीआई के लिए ब्याज दरें बढ़ाना ही वर्तमान परिस्थितियों में सबसे उपयुक्त कदम होगा। बैंकिंग तंत्र में अतिरिक्त तरलता का मुख्य कारण विदेशी मुद्रा अनिवासी भारतीय (बैंक) जमा के लिए रियायती स्वैप विंडो थी, जिसके माध्यम से रिकॉर्ड 127.2 अरब डॉलर जुटाए गए थे, जिससे देश का विदेशी मुद्रा भंडार भी रिकॉर्ड 740.8 अरब डॉलर पर पहुंच गया है।

अनिल चक्रवर्ती होंगे अडोबी के अगले सीईओ, शांतनु नारायण बनेंगे चेयरमैन

शांतनु नारायण की जगह लेंगे भारतीय मूल के चक्रवर्ती

नई दिल्ली।

सॉफ्टवेयर दिग्गज अडोबी ने भारतीय मूल के अनिल चक्रवर्ती को अपना अगला मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। वह 1 दिसंबर से कार्यभार संभालेंगे, जबकि लंबे समय से कंपनी का नेतृत्व कर रहे शांतनु नारायण कार्यकारी चेयरमैन का पद ग्रहण करेंगे। यह बदलाव ऐसे समय में हो रहा है जब अडोबी आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) और एजेंटिक सॉफ्टवेयर में अपनी बढ़त मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। चक्रवर्ती भारतीय मूल के उन अधिकारियों की सूची में शामिल हो गए हैं, जो वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों की कमान संभाल रहे हैं। फिलहाल चक्रवर्ती अडोबी के ग्राहक अनुभव प्रबंधन और वैश्विक फील्ड ऑपरेशंस के अध्यक्ष हैं। शांतनु नारायण ने चक्रवर्ती को एक अनुभवी और बदलाव लाने वाले लीडर बताया, जिनके पास मूल्यों, ईमानदारी और व्यवसाय की गहरी समझ के साथ बेहतरीन उत्पाद बनाने तथा डिलीवर करने का शानदार रिकॉर्ड है। नारायण कार्यकारी चेयरमैन के रूप में इस नेतृत्व परिवर्तन में चक्रवर्ती के साथ मिलकर काम करेंगे। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी, वाराणसी के पूर्व छात्र चक्रवर्ती जनवरी 2020 में अडोबी से जुड़े थे। उन्होंने अडोबी एक्सपीरिएंस प्लेटफॉर्म के विस्तार, सीएक्स एंटरप्राइज जैसे उत्पादों के विकास और वर्कफ्रंट व सेमरश के अधिग्रहण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी नियुक्ति अडोबी की एआई रणनीति के अगले चरण पर केंद्रित है, जिसमें क्रिएटिविटी, प्रोडक्टिविटी और ग्राहक अनुभव से जुड़े एजेंटिक सॉफ्टवेयर शामिल हैं। यह नई रणनीति कंपनी के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

एआई की मार, भारतीय जीसीसी में पारंपरिक नौकरियों पर संकट

नई दिल्ली । आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) और स्वचालन भारत के वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) में पारंपरिक नौकरियों पर भारी पड़ रहे हैं। क्वेस कॉर्प की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इन नई तकनीकों से लेनदेन वित्त, खरीद, ग्राहक सहायता और सामान्य एनालिटिक्स जैसी नियमित भूमिकाओं की मांग में उल्लेखनीय कमी आई है, जबकि विशेषज्ञ और तकनीक-आधारित पदों की मांग लगातार बढ़ रही है। 'जीसीसी 2.0ः द राइज ऑफ डिजिटल बिजनेस फंक्शन्स' रिपोर्ट के अनुसार, 2024 की तुलना में 2025 में प्रोक्योरमेंट रोल (खरीद से संबंधित भूमिकाएं) की मांग में सर्वाधिक 41.7 फीसदी की गिरावट आई है। इसी तरह, एनालिटिक्स भूमिकाओं में 37.9 फीसदी, ग्राहक सेवा में 34.5 फीसदी और वित्त व जोखिम प्रबंधन से जुड़े अवसरों में 32.8 फीसदी की कमी दर्ज की गई है। क्वेस ने इस बदलाव का कारण स्वचालन, केंद्रीकरण और डिजिटल तकनीकों के माध्यम से कार्यों का पुनर्गठन बताया है। उदाहरण के लिए, लेनदेन संबंधी खरीद गतिविधियां अब तेजी से स्वचालित होकर रणनीतिक सोर्सिंग मॉडल में बदल रही हैं, वहीं ग्राहक सेवा भी स्वचालन और स्वयं सेवा विकल्पों की ओर अग्रसर है।

प्रीमियम उत्पादों की धूम- एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों में जबरदस्त उछाल

- शेयर एक महीने में 12 फीसदी उछला; वित्त वर्ष 27 पहली तिमाही में राजस्व 15 फीसदी बढा

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी सूचीबद्ध कंज्यूमर ड्यूरेबल्स कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के शेयरों ने हाल ही में जबरदस्त उछाल देखा है, पिछले एक महीने में यह लगभग 12 फीसदी चढ़ गया। वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में कंपनी ने 15 फीसदी राजस्व वृद्धि और 12.5 प्रतिशत का मार्जिन दर्ज किया, जो मजबूत परिचालन प्रदर्शन और प्रमुख श्रेणियों में शानदार वृद्धि का परिणाम है। कंपनी का प्रदर्शन उम्मीदों से बेहतर रहा, कुल परिचालन मुनाफा मार्जिन 110 आधार अंक बढ़कर 12.5 प्रतिशत हो गया। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स वित्त वर्ष 2027 में मिड-टीन (13-17 फीसदी) राजस्व वृद्धि और दो अंक के मार्जिन का लक्ष्य लेकर चल रही है। ब्रोकरेज फर्मों ने आय अनुमान बढ़ाए हैं, हालांकि शेयर के मौजूदा उच्च मूल्यांकन वित्त वर्ष 28 आय के 44-45 गुना) को देखते हुए कुछ ने भविष्य के रिटर्न को लेकर सतर्कता बरती है। राजस्व में यह वृद्धि होम एंटरटेनमेंट बिजनेस में 22 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ सभी सेगमेंट में मजबूत प्रदर्शन के कारण आई। उपभोक्ताओं द्वारा बड़ी स्क्रीन वाले टेलीविजन (टीवी) में अपग्रेड करने से टीवी की बिक्री और वैल्यू दोनों में वृद्धि हुई, खासकर 55 इंच से बड़े टीवी में 53 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जो अब कुल टीवी सेगमेंट का 50 प्रतिशत हैं। कंपनी की टीवी बाजार हिस्सेदारी 26 प्रतिशत और ओएलईडी बाजार हिस्सेदारी 59 प्रतिशत पर स्थिर बनी हुई है। प्रीमियम उत्पादों की ओर रुझान, बेहतर प्रोडक्ट मिक्स और परिचालन दक्षता के चलते होम एंटरटेनमेंट सेगमेंट का मार्जिन 340 आधार अंक बढ़कर 19.1 प्रतिशत हो गया। सूचना प्रदर्शन खंड में भी सरकारी और कॉर्पोरेट ऑर्डरों की मदद से एलजी 36 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ अग्रणी है।

भारत के साथ अंतरिक्ष सहयोग बढ़ाएगा ऑस्ट्रेलिया, निजी क्षेत्र पर विशेष ज़ोर

बेंगलुरु स्पेस एक्सपो में कई एमओयू की उम्मीद; गगनयान में भी सहयोग

नई दिल ली ।

ऑस्ट्रेलिया भारत के तेजी से बढ़ते अंतरिक्ष क्षेत्र में वाणिज्यिक सहयोग बढ़ाने का इच्छुक है, जिसका उद्देश्य पृथ्वी अवलोकन, छोटे उपग्रह निर्माण और जैव-प्रौद्योगिकी जैसे विविध क्षेत्रों में भागीदारी करना है। ऑस्ट्रेड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अगले सप्ताह बेंगलुरु स्पेस एक्सपो में भारतीय कंपनियों के साथ तीन से पांच समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। ऑस्ट्रेड के व्यापार एवं निवेश आयुक्त नाथन डेविस ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया पृथ्वी अवलोकन, छोटे उपग्रहों के निर्माण व प्रक्षेपण सेवाओं, ट्रैकिंग और जैव-प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भारत के निजी अंतरिक्ष उद्योग के साथ मिलकर काम करना चाहता है। विशेष रूप से फार्मास्यूटिकल्स में माइक्रोग्रैविटी अनुसंधान भी एक संभावित क्षेत्र है। अगले सप्ताह बेंगलुरु स्पेस एक्सपो में ऑस्ट्रेलिया प्रौद्योगिकी देश भागीदार के रूप में भाग लेगा, जिसमें नौ कंपनियों और तीन विश्वविद्यालयों सहित 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल शामिल होगा। सिडनी स्थित स्पेस मशीन्स और लैटकनेक्ट 60 जैसी कंपनियां पहले ही भारतीय स्टार्टअप के साथ साझेदारी कर चुकी हैं, जबकि रिसर्चसैट जैसी कंपनियां भारत में भागीदार तलाश रही हैं। ऑस्ट्रेलिया का अंतरिक्ष क्षेत्र वर्तमान में 4.6 अरब का वार्षिक टर्नओवर और 17,000 रोजगार प्रदान करता है, जिसका लक्ष्य इसे कुछ वर्षों में 12-13 अरब तक बढ़ाना है। दोनों देश भारत के महत्वाकांक्षी गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन के लिए पहले से ही सहयोग कर रहे हैं, जिसमें ऑस्ट्रेलिया टेलीमेट्री ट्रैकिंग और क्रू-मॉड्यूल रिकवरी क्षमताओं में योगदान दे रहा है।

केन्या में सभी नियामकीय नियमों का कर रहे पालनः टाटा केमिकल्स

कंपनी ने नियामकीय अनुपालन का दावा किया, सभी दस्तावेज जमा किए

नई दिल्ली ।

केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूटो ने भारतीय दिग्गज टाटा केमिकल्स को झटका देते हुए सदी पुराने मैगाडी सोडा ऐश संयंत्र से बाहर निकलने का आदेश दिया है। इसके बाद टाटा केमिकल्स ने स्पष्ट किया है कि उसकी स्थानीय अनुषंगी टाटा केमिकल्स मगाडी लिमिटेड (टीसीएमएल) सभी नियामकीय आवश्यकताओं का पालन कर रही है और सरकार को सभी जरूरी सूचनाएं व दस्तावेज जमा करा चुकी है। टीसीएमएल को केन्या के खनन, समुद्री अर्थव्यवस्था और समुद्री मामलों के मंत्रालय का 28 जुलाई को परिचालन निलंबित करने को लेकर पत्र मिला था।

इसके बाद कंपनी ने 11 अगस्त को मांगी गई सभी सूचनाएं, रिपोर्ट और दस्तावेज जमा करा दिए थे। अब टाटा केमिकल्स मंत्रालय द्वारा इन दस्तावेजों की समीक्षा और आगे के निर्देशों का इंतजार कर रही है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि वह केन्या सरकार के अधिकार का सम्मान करती है और लंबित मुद्दों को उचित कानूनी एवं नियामकीय माध्यमों से सुलझाने के लिए रचनात्मक बातचीत जारी रखने को प्रतिबद्ध है। कंपनी ने 2005 में मगाडी संयंत्र का अधिग्रहण किया था। ष्ट्रपति रूटो ने टाटा पर आरोप लगाया कि कंपनी के पास 100 साल से खनन अधिकार हैं, लेकिन उसने काजियाडो में कुछ नहीं बनाया और संसाधन भारत तथा अन्य स्थानों पर ले जाती रही है। उन्होंने कहा कि सरकार टाटा की जगह दो नई कंपनियों को लाएगी, जिनमें से एक कांच का कारखाना और दूसरी रसायनों का उत्पादन करेगी। राष्ट्रपति की यह टिप्पणी खनन मंत्रालय द्वारा टीसीएमएल को बकाया खनन शुल्क और अन्य नियामकीय कमियों का हवाला देते हुए परिचालन निलंबित करने के निर्देश के लगभग पांच सप्ताह बाद आई थी।

जन्माष्टमी पर बाजारों में 40 हजार करोड़ से ज्यादा के व्यापार का अनुमान

पिछले साल के मुकाबले 30 फीसदी वृद्धि की संभावना, मिठाई और पर्यटन क्षेत्र की रहेगी प्रमुख हिस्सेदारी

नई दिल्ली

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने इस वर्ष श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर देश भर में 40,000 करोड़ से अधिक के व्यापार का अनुमान लगाया है। यह आंकड़ा विभिन्न व्यापारिक क्षेत्रों, धार्मिक व घरेलू खरीदारी, मंदिरों पर होने वाले व्यय, देशभर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों और धार्मिक पर्यटन से जुड़े खर्चों के आधार पर जारी किया गया है। कैट के अनुसार, यह आंकड़ा पिछले वर्ष (30,000 करोड़) की तुलना में लगभग 30 प्रतिशत अधिक है, जबकि वर्ष 2024 में यह व्यापार ₹25,000 करोड़ रहा था।

उपभोक्ता मांग में वृद्धि, त्योहारों के बढ़ते सामाजिक दायरे, धार्मिक पर्यटन में बढ़ोतरी और डिजिटल खरीदारी के विस्तार को इस उछाल का मुख्य कारण माना जा रहा है। इस व्यापार में मिठाई, माखन-मिश्री व डेयरी उत्पादों की 20त्न और धार्मिक पर्यटन व संबंधित सेवाओं की 15 फीसदी हिस्सेदारी सबसे अधिक रहेगी।

इसके अलावा, फूल, मालाएं, सजावट सामग्री, पूजा सामग्री, पारंपरिक वस्त्र, फल और लड्डू गोपाल की मूर्तियां भी व्यापार में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। महाराष्ट्र में जन्माष्टमी का उत्सव विशेष धूमधाम से मनाया जाता है, जहां इस वर्ष 4,800 करोड़ के व्यापार की संभावना है, जिसमें मुंबई एमएमआर क्षेत्र से 3,500 करोड़ रुपए का योगदान होगा।

क्योंकि हर बच्चा अलग है

बच्चों को लेकर माता-पिता का फिक्र करना स्वाभाविक है, पर इस बात को लेकर बहुत अधिक परेशान होना भी ठीक नहीं है। माना कि बच्चों की परवरिश बड़ी जिम्मेदारी है और आप इस कसौटी पर खरा उतरना चाहती हैं, पर बहुत अधिक फिक्र और बात-बात में टोकने की आदत बच्चों को आपसे दूर कर सकती है, इसलिए इस मामले में बहुत अधिक कॉन्शस होने के बजाय कुछ बातों का खास ध्यान रखें

याद रखें, अगर कोई तरीका आपकी दोस्त के बच्चों की परवरिश में कारगर साबित हुआ है तो इसका यह अर्थ नहीं कि आपके बच्चे के मामले में भी वह सही ही साबित होगा। माता-पिता हमेशा कहते हैं कि हमारा बच्चा दूसरे बच्चों से अलग है। जब ऐसा है तो जाहिर है कि उसकी परवरिश में वे नियम लागू नहीं हो सकते, जो दूसरे अभिभावक अपने बच्चों के साथ अपनाते हैं, इसलिए बच्चों की परवरिश के मामले में किसी की नकल करने से पहले उसके सभी सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं के बारे में भली प्रकार से सोच-विचार कर लें। इसके बाद अपनी जरूरत के हिसाब से फैसला करें।

सही बात पर हो फोकस

हम सभी जिंदगी में छोटी-छो टी बातों को लेकर परेशान होते हैं, पर इस चक्कर में उन बातों को भूल जाते हैं जिन पर वास्तव में ध्यान दे ना चाहिए। छोटी-छोटी बातों पर बच्चों को लगातार टोकते रहना ठीक नहीं। बच्चों से थोड़ी- बहुत गलतियां होना स्वाभाविक है। उदाहरण के लिए, सामान को करीने से रखने के बजाय वे उसे इधर- उधर रख देते हैं। हो सकता है कि आप उनसे कोई काम करने को कहें और वे उसे पूरा करने के चक्कर में काम औ र बढ़ा दें। इसके लिए उन्हें बुरी तरह डांटना ठीक नहीं है। इससे कोई फायदा होने वाला नहीं है। उत्तेजित होने से काम नहीं चलेगा, धैर्य रखते हुए बच्चों को अनुशासन सिखाएं। उन्हें बतायें कि किसी काम को करने का सही तरीका क्या है।

अनावश्यक बोझ ठीक नहीं

आप चाहेंगी कि आपका बच्चा सबसे काबिल बने, पर इसकी खातिर उस पर किसी काम का अनावश्यक बोझ लादना ठीक नहीं। विशेषज्ञ कहते हैं कि बच्चों को एक्टिव रखने के लिए उन्हें विभिन्न गतिविधियों में व्यस्त रखना जरूरी है। कई बार इस चक्कर में अभिभावक बच्चों पर जरूरत से ज्यादा बोझ लाद देते हैं। एक मां होने के नाते आपको मालूम होना चाहिए कि बच्चे की क्षमताएं क्या हैं। उसके अनुरूप ही बच्चे के लिए हॉबी क्लासेज या ट्यूशन आदि निर्धारित करें।

जासूसी करना ठीक नहीं

बच्चों की हर बात को अविास की नजर से देखना ठीक नहीं है। कुछ मां-बाप की यह आदत होती है कि वे बच्चों की बातों पर आसानी से विास नहीं करते। बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखना और उनकी जासूसी करने में अंतर है। असंगत बातों को लेकर परेशान होने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगायें। अभिभावक होने के नाते बच्चों को सही-गलत की जानकारी देना आपका फर्ज है, लेकिन उनकी हर बात पर संदेह करना और उनकी जासूसी करना गलत है। अपनी परवरिश पर भरो सा करें। आपको इस बात का यकीन होना चाहिए कि आपने बच्चे को सही-गलत का फर्क भली-भांति समझाया गया है और वे सही फैसला लेने के काबिल हैं।

अपनी अपेक्षाओं पर लगाम कसें

अक्सर मां-बाप बच्चों से कुछ ज्यादा अपेक्षाएं करने लगते हैं, इससे बच्चे तनाव में आ जाते हैं और उनका स्वाभाविक विकास प्रभावित होता है। अगर किसी मामले में बच्चा निर्धारित लक्ष्य पूरा नहीं कर पाता तो वह बात उसे परेशान करती रहती है। बच्चे के सामने ऊंचे मानक रखकर उसे तनाव में डालने की गलती न करें। इसके बजाय अच्छे प्रदर्शन के लिए उसे प्रेरित करने और उसका उत्साह बढ़ाने की कोशिश करनी चाहिए। उससे हमेशा यह कहें कि कोशिश करने पर सफलता मिलती ही है। ये बातें भले ही छोटी और सामान्य लगें, पर इनका असर सचमुच बड़ा है।

दुष्टों की एकता

ऊंट को भोजन बनाने का प्रस्ताव सुनते ही सिंह आगबबूला हो गया। उसने कहा, जिसे मैंने शरण दे रखी है, तुम उसे ही मारने का सुझाव दे रहे हो। मैं यह अधर्म कैसे कर सकता हूं। स्वामी, अधर्म तो तब होगा जब आप उसे अपने हाथों से मारें। अगर ऊंट खुद ही अपने आपको भोजन के रूप में पेश कर दे, तब तो आप को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए...

एक वन में मदोत्कट नामक एक सिंह रहता था, उसके तीन सेवक थे-बाघ, गीदड़ और कौवा। एक दिन सिंह ने एक ऊंट को देखा, वह अपने काफिले से बिछुड़ गया था। सिंह ने अपने सेवकों को आदेश दिया कि वे यह पता लगाएं कि यह कौन सा जानवर है और जंगली है या पालतू।

कुछ देर बाद कौवे ने बताया, यह गांव में रहने वाला एक पशु है, इसका नाम ऊंट है। यह आपका भोजन है, आप इसे मार डालिए। सिंह ने कहा, यह हमारा अतिथि है। इसे मारना उचित नहीं है। तुम इसे आदर के साथ मेरे पास ले आओ।

कौवा ऊंट को ले आया। ऊंट ने सिंह को प्रणाम किया और अपने साथियों से बिछुड़ने का किस्सा सुनाया। ऊंट की दर्द भरी कहानी सुनकर सिंह को दया आ गई। उसने अपने जंगल में ऊंट को घूमने और घास खाने की इजाजत दे दी।

सिंह की यह उदारता बाघ, गीदड़ और कौवे को अच्छी नहीं लगी, लेकिन वे विवश थे, इसलिए चुप रहे और उपयुक्त अवसर का इंतजार करने लगे।

एक दिन सिंह मदमस्त हाथी से भिड़कर घायल हो गया। उसके लिए चलना फिरना भी मुश्किल हो गया था, फिर वह शिकार कैसे करता। इसलिए भूखों मरने की नौबत आ गई। सिंह ने बातों ही बातों में अपने सेवकों से ऐसे प्राणी की खोज करने के लिए कहा, जिसे आसानी से मारकर अपनी भूख मिटाई जा सके।

सिंह के आदेश पर बाघ, गीदड़, कौवा और ऊंट शिकार की तलाश में निकल गए, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। अंत में कौवे और गीदड़ ने मिलकर ऊंट को ही शिकार बनाने की योजना बनाई, लेकिन समस्या यह थी कि सिंह से यह बात किस प्रकार मनवाई जाए। फिर भी दोनों ने सिंह के सामने यह प्रस्ताव रख ही दिया।

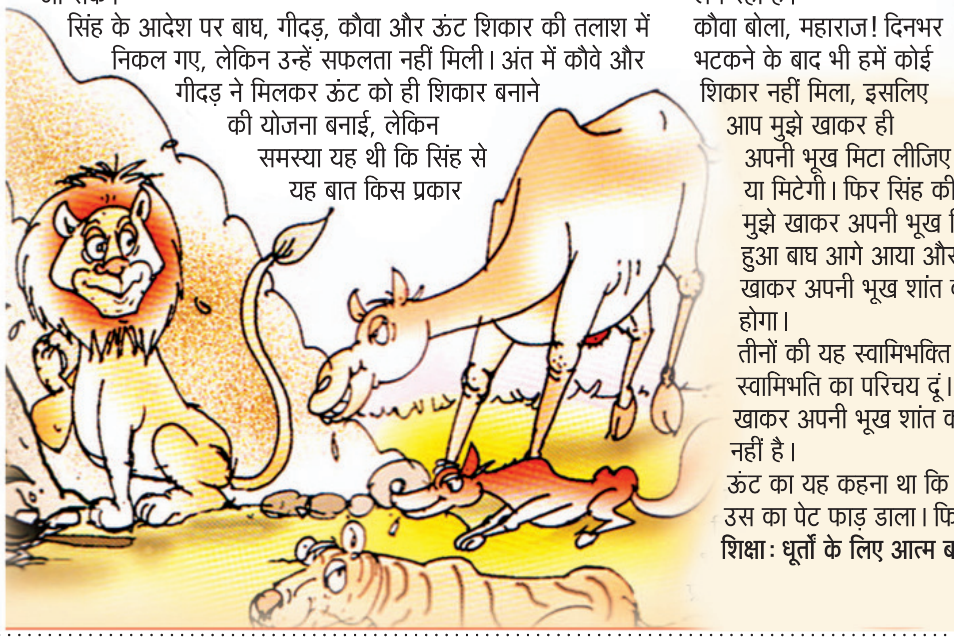

प्रस्ताव सुनते ही सिंह आगबबूला हो गया। उसने कहा, जिसे मैंने शरण दे रखी है, तुम उसे ही मारने का सुझाव दे रहे हो। मैं यह अधर्म कैसे कर सकता हूं। स्वामी, अधर्म तो तब होगा जब आप उसे अपने हाथों से मारें। अगर ऊंट खुद ही अपने आपको भोजन के रूप में पेश कर दे, तब तो आपको कोई आपि I नहीं होनी चाहिए, गीदड़ ने विनम्रतापूर्वक कहा।

जो तुम्हारी इच्छा हो वही करो। सिंह ने लाचारी से कहा।

इसके बाद गीदड़, कौवा और बाघ तीनों ऊंट के पास पहुंचे और बोले, मित्र! हमारे स्वामी की तबीयत खराब है। यह तो आप जानते ही हैं कि हम लोग सारा दिन भटकने के बाद भी उनके लिए शिकार नहीं जुटा पाए हैं। भूख के कारण स्वामी के प्राण निकले जा रहे हैं। ऐसे समय में अपने प्राण त्याग कर स्वामी के प्राणों की रक्षा करना सेवक का धर्म है। क्यों न हम लोग इस धर्म का पालन करें।

इस प्रकार ऊंट को झांसा देकर तीनों धूर्त ऊंट को सिंह के पास ले आए और ऊंट के साथ सिंह को प्रणाम करके बैठ गए।

सिंह ने पूछा, या तुम लोग मेरे खाने का कोई इंतजाम कर सके? मुझे बहुत तेज भूख लग रही है।

कौवा बोला, महाराज! दिनभर भटकने के बाद भी हमें कोई शिकार नहीं मिला, इसलिए आप मुझे खाकर ही अपनी भूख मिटा लीजिए। तभी गीदड़ बोला, तुझे खाकर स्वामी की भूख या मिटेगी। फिर सिंह की ओर देखते हुए गीदड़ ने कहा, महाराज! आप मुझे खाकर अपनी भूख मिटा सकते हैं। अब गीदड़ को पीछे धकेलता हुआ बाघ आगे आया और बोला, महराज! मेरी विनती है कि आप मुझे खाकर अपनी भूख शांत कीजिए। इससे आपका ही नहीं मेरा भी कल्याण होगा।

तीनों की यह स्वामिभक्ति देखकर ऊंट ने सोचा कि क्यों न मैं भी अपनी स्वामिभति का परिचय दूं। फिर वह सिंह से बोला, स्वामी! आप मुझे खाकर अपनी भूख शांत करें, क्योंकि ये तीनों तो आपके खाने के लायक नहीं है।

ऊंट का यह कहना था कि सिंह की आज्ञा पर गीदड़ और बाघ ने मिलकर उस का पेट फाड़ डाला। फिर चारों ने मिलकर भरपेट भोजन किया।

शिक्षा: धूर्तों के लिए आत्म बलिदान का कोई महत्व नहीं है।

बिंदु मिलाकर चित्र बनाओ

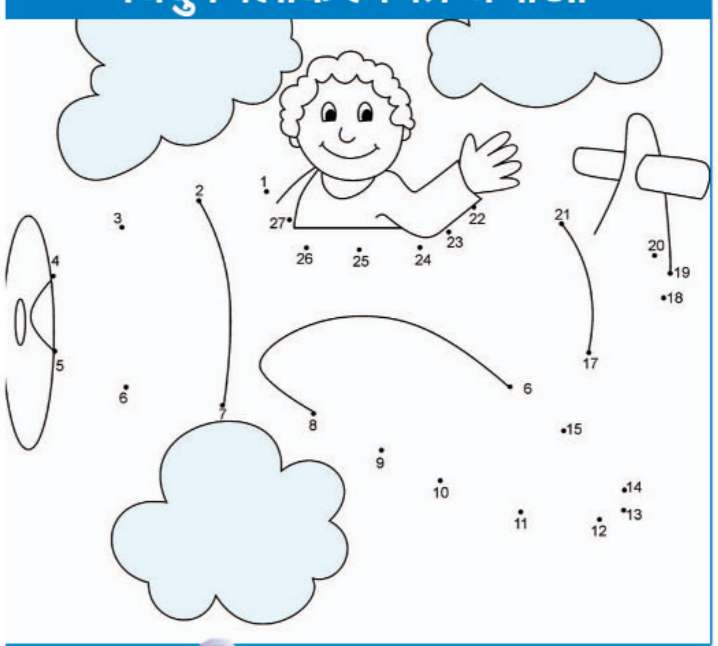

कहानी क्रोनोमीटर की

जॉन हैरिसन एक अनपढ़ साधारण व्यक्ति था और बढ़ईगिरी से अपनी रोजी -रोटी चलाता था। परंतु जब उसने ब्रिटिश सरकार द्वारा बीस हजार पौंड के पुरस्कार की घोषणा सुनी तो अपना भाग्य आजमाने की सोची

क्रोनोमीटर समुद्र में चलने वाले जहाजों को दिशा के बारे में जानकारी देने वाला एक यंत्र है। समुद्री जहाजों के लिए क्रोनोमीटर बहुत जरूरी है, क्योंकि अगर समुद्री यात्रा के समय दिशा का ज्ञान न हो तो जहाज भटक सकते हैं। क्रोनोमीटर का आविष्कार हो जाने से अब समुद्री जहाजों के लिए यात्रा में दिशा- भ्रम की समस्या नहीं रहती है।

आज से लगभग तीन सौ साल पहले समुद्री जहाजों के सामने प्रमुख समस्या समुद्र में स्थान जानने की रहा करती थी। तब यात्रा के दौरान दिशा-ज्ञान के अभाव में अधिकतर जहाज रास्ते में ही भटक जाते थे, उनमें से कुछ तो तूफान में फंसकर नष्ट भी हो जाया करते थे। इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव ब्रिटिश नौसेना पर पड़ता था, क्योंकि सोलहवीं-सत्रहवीं शताब्दी में ब्रिटिश नौसेना विश्व में सबसे बड़ी थी।

ब्रिटिश सरकार ने समुद्री यात्रा में दिशा-भ्रम की समस्या के निदान हेतु कई असफल उपाय किये। अंत में, ब्रिटिश सरकार ने सारे संसार में यह घोषणा की कि जो कोई भी ऐसे यंत्र का आविष्कार करेगा, जिससे जहाजों को समुद्र में दिशा और स्थान का सही-सही ज्ञान हो सके, तो उसे बीस हजार पौंड का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इतनी बड़ी धनराशि के पुरस्कार की घोषणा से न केवल, इंग्लैंड, बल्कि संपूर्ण यूरोप में हलचल सी मच गई, क्योंकि इससे पहले इतनी बड़ी पुरस्कार राशि की घोषणा कभी नहीं हुई थी।

बीस हजार पौंड की पुरस्कार राशि सुनकर इसकी प्राप्ति हेतु अनेक व्यक्तियों ने समुद्र में जहाजों को दिशा और स्थान का ज्ञान कराने वाले यंत्र के निर्माण का भरसक प्रयास किया, किन्तु उन्हें सफलता नहीं मिली। अंत में, उत्तरी इंग्लैंड के निवासी जॉन हैरिसन को इसमें सफलता मिली और उसने एक ऐसे यंत्र का आविष्कार किया, जिससे समुद्री यात्रा के समय जहाज चालकों को दिशा का सही ज्ञान हो सके। जॉन हैरिसन द्वारा बनाये गये इस यंत्र को ही 'क्रोनोमीटर' कहा जाता है । क्रोनोमीटर के जन्म की कहानी भी अत्यंत रोचक है।

जॉन हैरिसन एक अनपढ़ साधारण व्यक्ति था और बढ़ईगिरी से अपनी रोजी-रोटी चलाता था। परंतु जब उसने ब्रिटिश सरकार द्वारा बीस हजार पौंड के पुरस्कार दिये जाने की घोषणा सुनी तो उसने अपना भाग्य आजमाने की सोची। उसे पता था कि भूगोलवेत्ताओं ने पृथ्वी पर कुछ काल्पनिक रेखाएं मान रखी हैं। इन रेखाओं में जो पृथ्वी के चारों ओर छल्ले की तरह जाती हैं, उन्हें 'अक्षांश' कहते हैं तथा जो उत्तरी ध्रुव से दक्षिणी ध्रुव तकखिंची मानी गई हैं, उन्हें देशांतर कहते हैं। इन दोनों प्रकार की रेखाओं द्वारा नाविकों को समुद्री यात्रा में अपनी स्थिति का सही-सही ज्ञान हो सकता था, बशत्रे कि उन्हें बंदरगाह से चलने के बाद से लगातार ठीक-ठीक समय मालूम हो। हालांकि घड़ियों से भी सही समय को जाना जा सकता था और उस समय घड़ियों का आविष्कार भी हो चुका था। परंतु घड़ियां समुद्री यात्रा के समय काम नहीं करती थीं, क्योंकि किसी घड़ी पर तापमान का असर होता था, तो किसी पर आर्द्रता का। समुद्री हवाओं के कारण घड़ियों के कलपुर्जे भी गल जाते थे।

जॉन हैरिसन ने ऐसी घड़ी बनाने की ओर अपना पूरा ध्यान केन्द्रित किया जिस पर न तो तापमान का असर हो, न समुद्र की नमकीन और नम हवा की आर्द्रता का। हालांकि आरंभ में उसे अपने कई प्रयासों में असफल भी होना पड़ा। परन्तु उसने हिम्मत न हारी। वह लगातार प्रयास करता रहा। अंत में उसने एक ऐसा पेंडुलम बनाया, जिसकी सहायता से घड़ियों के गर्मियों में तेज चलने के दोष को ठीक किया जा सकता था। इस प्रकार का पेंडुलम बनाने के बाद उसने ऐसी घड़ी भी बनाई, परंतु उस घड़ी में वह गुणवत्ता नहीं आई, जिसके लिए वह प्रयत्नशील था। तब भी उसने हिम्मत नहीं हारी और इस दिशा में और सुधार करने के अपने प्रयास को जारी रखा।

अंततः जॉन हैरिसन ने ऐसी घड़ी बना ही ली, जो पूर्ण रूप से समुद्री यात्रा के लिए उपयुक्त थी। तापमान, आर्द्रता एवं समुद्री हवाओं का इस घड़ी पर कोई असर नहीं होता था। इस घड़ी से नाविक बंदरगाह से चलते समय हिसाब से अक्षांश और देशांतर रेखाओं की गणना कर समुद्र में अपनी स्थिति का पता लगा लेते थे। जॉन हैरिसन द्वारा आविष्कृत रोचक इस घड़ी को ब्रिटिश सरकार ने भी स्वीकार कर लिया, जिससे वह ब्रिटिश सरकार द्वारा घोषित बीस हजार पौंड की पुरस्कार राशि पाने का हकदार हो गया।

नामीबिया

बेहद निष्ठुर लेकिन वन्य जीव से समृद्ध

पिछले 15 वर्षों से चीता मैन के नाम से चर्चित ओलिवर हॉलेट अफ्रीका में सबसे बड़ी बिल्ली के साथ नामीबिया में रह रहे हैं। आजकल ओलिवर, पूर्ण स्वच्छंदता के साथ वास करने वाले अंतिम बचे जानवरों की तलाश कर रहे हैं

नामिब मरुस्थल में उन्मुक्त जंगली जानवरों और पौधों की ढेर सारी असमान्य प्रजातियां पायी जाती हैं। हालांकि यह मरुस्थल में व्यापक तौर पर निर्जन है, लेकिन जानवरों ने क्षेत्र की विशिष्ट जलवायु के अनुकूल खुद को ढाल लिया है।

नामिब मरुस्थल एक तटीय रेगिस्तान है, जो संभवतः दुनिया का सबसे पुराना मरुस्थल है। मरुभूमि की रेत ने यहां समुद्र तटों के किनारे कई बड़े बालू के टीलों का निर्माण किया है। यह उन कुछ गिने-चुने मरुस्थलों में से एक है, जो बड़े जानवरों की कई प्रजातियों का परिवास है -

यहां तक कि हाथी भी यहां वास करते हैं। करीब 130 मिलियन साल पुराना नामिब दुनिया का जाना-माना और सबसे प्राचीन मरुस्थल होने के साथ ही साथ यह सबसे खूबसूरत मरुस्थलों में से एक है। इस मरुस्थल की लंबाई 1200 मील है लेकिन चौड़ाई में यह औसतन महज 70 मील तक ही फैला है। यहां दुनिया के सबसे ऊंचे रेत के टीले पाए जाते हैं। यह नारंगी रंगों की रेत की अनंत और अलग परिदृश्य वाली एक पट्टी की तरह नजर आता है और इसके दूर तक फैले खुले तटों के किनारे चमकीले सफेद नमक की परत से लेकर जहाजों के भग्नावशेष बिखरे पड़े हैं। नामिब-नाउक्लुफ्ट नेशनल पार्क नामिब मरुस्थल के काफी बड़े हिस्से में फैला हुआ है। यह अफ्रीका का सबसे बड़ा और दुनिया के सबसे बड़े गेम रिजर्व में से एक है, जो मरुस्थलीय शेरों और विलुप्तप्राय नामिब हाथियों को प्राकृतिक परिवास भी है।

विशेषतौर पर अपने शुष्क वातावरण के अनुकूलित, ये विशालकाय जानवर पानी के लिए खुदाई कर सकते हैं और अपने घुटनों के बल रेत के टीलों पर भी चढ़ सकते हैं। वन्यजीवों के साथ ही इस मरुस्थल में आदिम जनजातियां, जैसे-हिंबा भी गर्व से रहते हैं। इनके लिए अपना पहनावा, केश-सज्जा (हेयरस्टाइल) और आभूषण का विशिष्ट सांस्कृतिक महत्व होता है। हिंबा महिलाएं रोज सुबह घंटों सजने-संवरने में व्यतीत करती हैं। माना जाता है कि ये जनजातियां बदलाव का विरोध करती हैं और आधुनिक रहन-सहन के दौर में भी अपनी अनोखी सांस्कृतिक विरासत को बचाए रख रही हैं।

हाथियों ने इस क्षेत्र की विपरीत परिस्थितियों के अनुकूल खुद को बेहतर तरीके से ढाल लिया है। पानी वाली जगह से भोजन की तलाश में यह 70 किलोमीटर तक की यात्रा कर सकते हैं और कई किलोमीटर दूर से ही पानी की मौजूदगी को सूंघने में सक्षम हैं जबकि चार दिनों तक बिना पानी पिए वे रह सकते हैं। यह देश दक्षिणी अफ्रीकी चीता का सबसे आबादी वाला इलाका है और नेशनल पाकरे में वह शामिल नहीं है। यहां हिरण की 12 से ज्यादा प्रजातियां हैं, जिनमें सबसे बड़े इलैंड (दक्षिणी अफ्रीका का सबसे बड़ा मृग) से लेकर सबसे छोटा डमाराडिक-डिक शामिल हैं। नामीबिया में बहुतायत में छोटे स्तनधारी भी रहते हैं, जिनमें नेवले, सियार के साथ बहुत कम पाए जाने वाले चींटीखोर भालू (आंट-बीयर), बिज्जू भी पाए जाते हैं, जो एकांत और उभरचर दोनों हैं। वन्यजीव रोमांचकारी यात्री ओलिवर हॉलेट के साथ नामिबिया में उन्मुक्त जानवरों की तलाश में शामिल हों।

‘रनों और टनों से भरे साल की शुभकामनाएं’

युवराज सिंह ने अभिषेक शर्मा को जन्मदिन की बधाई दी

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने शुक्रवार को अपने अभिषेक शर्मा को उनके 26वें जन्मदिन पर खास शुभकामनाएं दीं। अभिषेक शर्मा को एक विस्फोटक बल्लेबाज बनाने में युवराज सिंह का मार्गदर्शक के रूप में अहम योगदान रहा है। युवराज ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा करते हुए अभिषेक को जन्मदिन की बधाई दी। युवराज ने लिखा, ‘सर अभिषेक, यह आपका जन्मदिन है। कितना शुभ दिन है। आप जैसे बन गए हैं, उससे प्यार करें - अपने आस-पास के लोगों के साथ शेयरिंग और केयरिंग, और एक लीडर। हमेशा अपनी नाकामियों से सीखते हैं और हर बार और ज्यादा मेहनत करने को तैयार रहते हैं। आपको रनों और टनों से भरे साल की शुभकामनाएं। हमेशा ढेर सारा प्यार।’ वीडियो में युवराज और अभिषेक से रैश शॉट न खेलने के लिए कहते और उसकी गलतियों के लिए उससे सिट-अप करवाते हुए देखे जा सकते हैं। युवराज को यह कहते हुए सुना जा सकता है, ‘बोल मैं पहली बॉल ते लप्पा नहीं मारूंगा। अभिषेक सिट-अप्स में कान पकड़ते हैं और कहते हैं कि मैं पहली बॉल ते लप्पा नहीं मारूंगा। ‘ वीडियो में दोनों के बीच करीबी रिश्ते को भी दिखाया गया है, जिसमें युवराज के कुछ हल्के-फुल्के मजाक भी हैं। इसमें युवराज, अभिषेक और संजू सैमसन को स्टैंड से विंबलडन इवेंट में शामिल होते हुए भी दिखाया गया है। साझा वीडियो में युवराज ने अभिषेक से पूछा, ‘आपको क्या चाहिए?’ अभिषेक ने कहा, ‘आपका आशीर्वाद,’ इस पर युवराज ने कहा, ‘हमेशा। ‘

बेन शेल्टन ने शापोवालोव को और टियाफो ने वचेरोट को हराकर

चौथे राउंड में जगह बनाई

न्यूयॉर्क । बेन शेल्टन ने डेनिस शापोवालोव को 3 घंटे 22 मिनट तक चले मुकाबले में हराकर यूएस ओपन 2026 के पुरुष एकल के चौथे राउंड में जगह बना ली है। शेल्टन ने शापोवालोव को 7-6(3), 6-7(5), 6-2, 6-4 से हराया।23 साल के अमेरिकी खिलाड़ी दूसरे सेट में दो बार सर्व नहीं कर पाए, जिससे शापोवालोव को वापसी करने का मौका मिला और फिर टाईब्रेक जीतकर मैच बराबर कर दिया। इस हार से शेल्टन पर कोई खास असर नहीं पड़ा। उन्होंने तीसरे सेट में और ज्यादा आक्रामक तरीके से वापसी की और कनाडाई खिलाड़ी का स्तर गिरते ही फायदा उठाया। एक तेज रिटर्न विनर ने लाइन को पार करते हुए शेल्टन को चौथे राउंड की शुरुआत में ही ब्रेक करने में मदद की, और उन्होंने मुकाबला खत्म करने तक अपनी बढ़त बनाए रखी। इस जीत ने लेक्सस एटीपी हेड टू हेड राइवलरी में शापोवालोव पर शेल्टन के दबदबे को 5-0 कर दिया। उन्हें चौथे राउंड में स्टेफानोस सिटसिपास के साथ मुकाबला मिला है।

पूर्व वर्ल्ड नंबर 3 ने 18वीं सीड जिरी लेहेका को 2-6, 6-1, 7-6(3), 6-1 से हराकर अपनी वापसी की। दो बार के ग्रैंड स्लैम फाइनलिस्ट सिटसिपास ने पहले 10वीं सीड आर्थर फिल्स को हराया था और अब वह टूर्नामेंट में नौ बार खेलने के बाद पहली बार यूएस ओपन के चौथे राउंड में पहुंचे हैं।

टियाफो ने लुइस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में लाइट्स के नीचे 1 घंटे 59 मिनट में वैलेंटिन वचेरोट को 6-4, 6-2, 6-4 से हराया। 11वें सीड खिलाड़ी ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, सिर्फ 13 अनफोर्स्ड गलतियों के मुकाबले 30 विनर लगाए और अपने पहले सर्व पॉइंट्स का 85 प्रतिशत जीता। इस नतीजे के साथ वह यूएस ओपन के चौथे राउंड में छठी बार पहुंचे। सीजन की यह उनकी 40वीं टूर-लेवल जीत थी। टियाफो अब अलेक्जेंडर ज्वेरेव और जैनिक सिनर के साथ 2026 में कम से कम 40 टूर-लेवल जीत वाले अकेले खिलाड़ी बन गए हैं। टियाफो का अगले दौर में सामना मेदवेदेव से होगा। मेदवेदेव आर्थर रिंडरकनेच को 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर चौथे राउंड में पहुंचे हैं।

सीपीएल 2026: दासुन शनाका का ऐतिहासिक शतक

सेंट किट्स ने सेंट लूसिया को 137 रन से हराया

वार्नर पार्क । कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 के 25वें मैच में श्रीलंकाई बल्लेबाज दासुन शनाका ने इतिहास रच दिया। सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स की तरफ से खेलते हुए शनाका ने लीग के इतिहास का सबसे तेज शतक लगाया। शनाका की शतकीय पारी की बदौलत सेंट किट्स ने सेंट लूसिया किंग्स को 137 रन के विशाल अंतर से हराया। सेंट लूसिया किंग्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी सेंट किट्स की तरफ से पारी की शुरुआत जॉनसन चार्ल्स और काइल मायर्स ने की। शुरुआत अच्छी नहीं रही और मायर्स मात्र 1 रन बनाकर 8 के स्कोर पर पहले विकेट के रूप में आउट हुए। चार्ल्स और फ्लेचर ने दूसरे विकेट के लिए 48 गेंदों पर 81 रन की साझेदारी की। चार्ल्स 23 गेंदों पर 26 रन बनाकर दूसरे विकेट के रूप में आउट हुए। इसके बाद दासुन शनाका चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए।

श्री चरणी ने दीप्ति शर्मा को पीछे छोड़ा

खतरे में पूनम यादव का रिकॉर्ड

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम दुबई में खेले जा रहे एशिया कप में बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है। लगातार 2 मैच जीतकर भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। ग्रुप स्टेज में टीम इंडिया को पाकिस्तान के खिलाफ एक और मैच खेलना है। गुरुवार को भारतीय टीम ने हांगकांग को 137 रनों से हराया। इस मैच में स्मृति मंधाना के विस्फोटक शतक के साथ ही श्री चरणी ने भी अपनी गेंदबाजी के खास उपलब्धि हासिल की। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 193 रन बनाए थे। हांगकांग 16.2 ओवर में 56 रन पर सिमट गई और 137 रन से हार गई। हांगकांग को 56 पर समेटने में श्री चरणी का अहम योगदान रहा। बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने 3.2 ओवर में 16 रन देकर 2 विकेट लिए। इसके अलावा, दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट लिए, जबकि नंदिनी शर्मा और प्रेमा रावत को भी 2-2 विकेट लिए।

श्री चरणी ने 2 विकेट लेकर एक साल में सर्वाधिक टी20 विकेट लेने के वाले भारतीय गेंदबाजों की सूची में दीप्ति शर्मा को पीछे छोड़ दिया। चरणी ने 2026 में अब तक 31 टी20 विकेट लिए है। दीप्ति शर्मा ने 2024 में 30 और 2022 में 29 विकेट लिए थे।

एक साल में सर्वाधिक टी20 विकेट लेने का महिला भारतीय रिकॉर्ड पूनम यादव के नाम है। पूनम ने 2018 में 35 विकेट लिए थे। श्री चरणी के पास इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने का भरपूर अवसर है। पूरी संभावना है कि जारी एशिया कप में ही चरणी एक साल में सर्वाधिक टी20 विकेट लेने वाली भारतीय महिला गेंदबाज होने का भारतीय रिकॉर्ड अपने नाम कर लेंगी। हांगकांग के खिलाफ हुए इस मैच का मुख्य आकर्षण स्मृति मंधाना की शतकीय पारी रही। मंधाना ने 64 गेंदों पर 7 छक्कों और 14 चौकों की मदद से 124 रन की पारी खेली। मंधाना का टी20 क्रिकेट का यह दूसरा और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का 18वां शतक था। मंधाना अब महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाली बल्लेबाज बन गई हैं।

बीसीसीआई ने किया ऐलान: पहली बार भारत और जापान के बीच खेला जाएगा टी20 मुकाबला

नई दिल्ली। भारत और जापान के बीच राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने के मौके पर इस महीने के आखिर में दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक टी20 इंटरनेशनल मुकाबला खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को इस बात की घोषणा की है। ‘सुजुकी कप’ नाम का यह मैच 22 सितंबर को तोचिगी प्रान्त के सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा। यह मैच ‘स्पोर्ट 75’ नाम की एक बड़ी द्विपक्षीय पहल की शुरुआत करने वाला मुख्य कार्यक्रम है। यह पहल जापानी प्रधानमंत्री सनाए तकाइची और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच शिखर सम्मेलन में हुए समझौते से शुरू हुई थी, जिसका मकसद खेलों के आदान-प्रदान और सहयोग को बढ़ावा देना है। शुक्रवार को बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने एक बयान में कहा, ‘बीसीसीआई इस ऐतिहासिक मौके का हिस्सा बनकर खुश है, क्योंकि भारत और जापान की पुरुष टीमें जापान में एक खास टी20 इंटरनेशनल मैच के लिए एक साथ आ रही हैं। यह क्रिकेट के लिए एक अहम पल है, क्योंकि इससे भारतीय टीम एक नई जगह पर जा रही है और जापान व पूर्वी एशिया में ज्यादा लोगों तक खेल को पहुंचाने का मौका मिल रहा है। ‘

उन्होंने आगे कहा, ‘भारत और जापान के बीच मजबूत रिश्ते और लंबे समय से चली आ रही दोस्ती है। हमें खुशी है कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के 75 साल पूरे होने के जश्न में क्रिकेट भी शामिल होगा। हम इस मैच को मुमकिन बनाने की कोशिशों के लिए जापान क्रिकेट एसोसिएशन (जेसीए) का शुक्रिया अदा करते हैं। ‘

सैकिया ने आगे कहा कि भारतीय बोर्ड गैर-पारंपरिक इलाकों में खेल के विस्तार की कोशिशों में मदद करने की अपनी जिम्मेदारी को समझता है। उन्होंने कहा, ‘बीसीसीआई का मानना ??है कि क्रिकेट का विकास इसके पारंपरिक इलाकों से आगे बढ़ना चाहिए, और दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट बोर्ड के तौर पर हम उस विकास में योगदान देने की अपनी जिम्मेदारी को समझते हैं। बीसीसीआई, जापान में क्रिकेट को और मजबूत करने और आने वाले वर्षों में इस रिश्ते को और आगे बढ़ाने के लिए जेसीए के साथ मिलकर काम करेगा। ‘

फैन्स की बढ़ती दिलचस्पी को देखते हुए आयोजक सानो वेन्यू की क्षमता को आमतौर पर 500 दर्शकों से बढ़ाकर 2,000 करने की योजना बना रहे हैं। जल्द ही आधिकारिक तौर पर टिकटों की बिक्री शुरू होने की उम्मीद है। भारतीय पुरुष टीम 24 सितंबर से 3 अक्टूबर तक एशियन गेम्स के पुरुष इवेंट में खेलने के लिए जापान आ रही है।

जापान क्रिकेट एसोसिएशन के चीफ एग्जीक्यूटिव नाओकी मियाजी ने मौजूदा वर्ल्ड चैंपियंस के आने को स्थानीय स्तर पर इस खेल के लिए एक बड़ा बदलाव बताया। ‘मौजूदा वर्ल्ड चैंपियंस को जापान में क्रिकेट के लिए घर में बुलाना हमारी एसोसिएशन के लिए एक यादगार पल है।

10,000 रन की लिस्ट में 3-4 और भारतीय खिलाड़ियों को देखना चाहती हूं: स्मृति

दुबई । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने दुबई में टी20 फॉर्मेट में खेले जा रहे महिला एशिया कप में गुरुवार को हांगकांग के खिलाफ खेले गए मैच में 64 गेंदों पर 124 रनों की पारी खेली। अंतरराष्ट्रीय टी20 में मंधाना का यह दूसरा और ओवरऑल 18वां शतक था। मंधाना अब अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक और सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। स्मृति मंधाना का भारत में महिला क्रिकेट को लोकप्रिय बनाने में बड़ा योगदान रहा है। मंधाना ने तीनों ही फॉर्मेट में अपनी दमदार बल्लेबाजी दर्शकों का ध्यान महिला क्रिकेट की तरफ खींचा है। साथ ही लड़कियों में क्रिकेट खेलने के प्रति रुचि जगाई है। हांगकांग के खिलाफ भारतीय टीम की 137 रन से जीत के बाद मंधाना ने बीसीसीआई द्वारा साझा वीडियो में कहा, ‘मुझे हमेशा लगता था कि यह मेरा काम है। मैंने कभी भी रिकॉर्ड्स और नंबर्स और इंडिया के लिए जीते गए मैचों की संख्या के अलावा किसी और चीज के बारे में नहीं सोचा। यह एक ऐसा पैमाना है जिसे आप वापस लेते हैं। आप यह वापस नहीं लेते कि आपने कितने रन या रिकॉर्ड तोड़े हैं। ‘ मंधाना ने कहा, ‘अगर मेरी वजह से दस प्रतिशत लड़कियां भी बैट और बॉल उठाकर क्रिकेट खेलना शुरू करती हैं, तो मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा होगा जिस पर मुझे हमेशा गर्व और खुशी होगी। ‘अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने का कीर्तिमान हासिल करने पर मंधाना ने कहा, ‘मिताली को देखते हुए बड़ी हुई हूं। वह हर किसी के लिए आदर्श रही हैं। मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं 10,000 तक पहुंचूंगी और उनसे आगे निकल जाऊंगी। उम्मीद है कि 10,000 की लिस्ट में इंडियन सेट-अप से तीन-चार और खिलाड़ी होंगे और मैं इसी से आंकलन करना चाहूंगी। अगर मैं सवाल पर वापस आऊं, तो टॉप पांच लिस्ट में तीन या चार को साथ रखना बहुत अच्छा होगा, और वहां तीन या चार भारतीय होंगे। मुझे लगता है कि मैं इसी से अपने करियर को आंकूंगी। ‘

स्मृति अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज हो गई हैं। तीनों फॉर्मेट मिलाकर उन्होंने 10,880 रन बनाए हैं। हांगकांग के खिलाफ मैच में उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज के 10,868 रन के रिकॉर्ड को तोड़ा।

मंधाना ने अपने खेल में सुधार की बात की। उन्होंने कहा, ‘मैं यह नहीं कहूंगी कि आप एक बल्लेबाज या गेंदबाज के तौर पर कभी पूरे होते हैं। अगर आपको ऐसा लगता है, तो क्रिकेट हमेशा आपको दिखाएगा कि आप पूरे नहीं हैं। ‘

दलीप ट्रॉफी: फाइनल में साउथ जोन के लिए खेलेंगे पडिक्कल और सिराज

नई दिल्ली । भारत के इंटरनेशनल खिलाड़ी देवदत्त पडिक्कल और मोहम्मद सिराज दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले मे साउथ जोन की तरफ से खेलेंगे । खिताबी मुकाबले में साउथ जोन की भिड़ंत ईस्ट जोन से 6 सितंबर से होनी है । ये दोनों खिलाड़ी हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में खेले थे, जिसे भारत ने 1-0 से अपने नाम किया था । इस सीरीज में पडिक्कल का प्रदर्शन दमदार रहा था और उन्होंने 2 टेस्ट मैचों में 328 रन बनाए थे । पडिक्कल के बल्ले से दोनों ही मुकाबलों में शतकीय पारी निकली थी और वह ‘प्लेयर ऑफ द सीरीज’ रहे थे । सिराज का प्रदर्शन भी श्रीलंका के खिलाफ बढ़िया रहा था और उन्होंने कुल 4 विकेट अपने नाम किए थे । हालांकि, इन दोनों को फाइनल के लिए टीम में शामिल किया गया है, लेकिन यह साफ नहीं है कि इन्होंने टीम में किसकी जगह ली है । ‘ईएसपीएन क्रिकइंफो’ के अनुसार, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन और तिलक वर्मा नियमित रूप से भारत की टी20 टीम का हिस्सा हैं । इसके बावजूद, उनके दलीप ट्रॉफी का फाइनल खेलने की संभावना है । पडिक्कल और सिराज को फाइनल मुकाबले के लिए साउथ जोन के स्क्वॉड में शामिल किया गया है । हालांकि, यह मैच 10 सितंबर को खत्म होगा, जबकि भारत की अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल सीरीज सिर्फ तीन दिन बाद शुरू होनी है । फिर भी उम्मीद की जा रही है कि ये खिलाड़ी फाइनल में खेल सकते हैं । तिलक ने हाल ही में नॉर्थ जोन के खिलाफ सेमीफाइनल में साउथ जोन के लिए शानदार शतक लगाया था और रेड-बॉल टूर्नामेंट के फाइनल में खेलने की इच्छा जाहिर की थी । तिलक वर्मा ने गुरुवार को कहा, ‘मैं दलीप ट्रॉफी का फाइनल खेलना चाहता हूं । अभी हमारा मैच खत्म हुआ है और अफगानिस्तान के खिलाफ पहला टी20 मैच 13 सितंबर को है । इसी कारण मेरे पास फाइनल खेलने का समय है । फाइनल के बाद हमारे पास दो दिन का ब्रेक भी रहेगा । अगर मैं 11 सितंबर को टीम से जुड़ता हूं, तो एक दिन अभ्यास कर सकता हूं और फिर मैच खेलने के लिए तैयार रहूंगा ।’ तिलक ने सेमीफाइनल में साउथ जोन की कप्तानी की थी, जबकि ईशान किशन ईस्ट जोन की कमान संभालते हुए नजर आए थे । वैभव सूर्यवंशी ने ईस्ट जोन के उपकप्तान की जिम्मेदारी संभाली थी ।

पाक टीम में हुए बदलावों को लेकर गिलेस्पी ने की आकिब जावेद की आलोचना

बोले- डरकर खेल रहे खिलाड़ी

एडिलेड। पाकिस्तान के पूर्व हेड कोच जेसन गिलेस्पी ने इंग्लैंड के मौजूदा टेस्ट दौरे के बीच टीम में किए गए बड़े बदलावों के बाद चीफ सिलेक्टर आकिब जावेद की जमकर आलोचना की है। उन्होंने कहा कि नेशनल टीम के खिलाड़ी डर के साये में खेल रहे हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों में मिली बड़ी हार के बाद कड़े फैसले लिए हैं।

बोर्ड ने हेड कोच सरफराज अहमद और गेंदबाजी कोच उमर गुल को उनके पद से हटा दिया। इसके अलावा मोहम्मद रिजवान, इमाम-उल-हक और सलमान अली आगा समेत सात खिलाड़ियों को टीम से बाहर कर घर भेज दिया गया है। यह कार्रवाई हेडिंग्ले और लॉर्ड्स में पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन के बाद की गई। 2024 में पाकिस्तान टीम को कोचिंग देने वाले गिलेस्पी ने कहा कि अचानक हटाए जाने से पता चलता है कि जावेद की अगुवाई वाली सिलेक्शन कमेटी में रणनीतिक दिशा की पूरी तरह कमी है।

शुक्रवार को गिलेस्पी ने कहा, ‘मुझे खिलाड़ियों के लिए बुरा लगता है, यह उनकी रोजी-रोटी है। बाहर से देखने पर ऐसा लगता है कि वे डरकर खेल रहे हैं। सलमान अली आगा इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में टीम की कप्तानी करते हैं, फिर दूसरे टेस्ट के लिए टीम से बाहर हो जाते हैं और तीसरे टेस्ट से पहले घर लौटने वाले प्लेन में होते हैं। यह कैसे होता है? यह बिल्कुल साफ है कि उनके पास कोई सिलेक्शन रणनीति नहीं है, खासकर आकिब जावेद के नेतृत्व में। वे अपनी राय वैसे ही बदलते हैं, जैसे पैंट बदलते हैं- रोजाना। ‘

भारतीय अंडर 19 टीम के लेग स्पिनर रोहित यादव पर 2 साल का बैन

उम्र में गड़बड़ी के कारण कार्रवाई

नई दिल्ली । क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) को रोहित यादव के जन्म से जुड़े कागजात में उम्र को लेकर बड़ी गड़बड़ी मिली है, जिसके बाद भारत की अंडर-19 पुरुष टीम के लेग-स्पिनर पर दो साल का बैन लगा दिया गया है। यादव जुलाई में श्रीलंका दौरे पर गई भारत की अंडर-19 पुरुष टीम का हिस्सा थे और उन्होंने यूथ टेस्ट में 6 विकेट भी लिए थे। हालांकि, कागजात की जांच में जन्म-रिकॉर्ड में बड़ी गड़बड़ी पाए जाने के बाद अब उन्हें खेल के सभी फॉर्मेट में खेलने से रोक दिया गया है। इस कारण उन्हें उस टीम से भी बाहर कर दिया गया है, जो इस महीने के आखिर में राजकोट और अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम के खिलाफ पांच वनडे और दो मल्टी-डे मैच खेलने वाली है। शुक्रवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने ‘आईएएनएस’ को बताया, ‘हां, सीएबी से जानकारी मिलने के बाद उन्हें टीमों से हटा दिया गया है। दोनों टीमों में उनकी जगह कौन लेगा, इस बारे में बाद में पता चलेगा।’ सीएबी की जांच में यादव से जुड़े कई दस्तावेजों में अलग-अलग जानकारी मिली। जांच के दौरान उनके तीन अलग-अलग जन्म प्रमाण पत्र सामने आए, जिनमें जन्म वर्ष 2006, 2007 और 2009 दर्ज है। इसके अलावा, 2014 से 2021 के बीच उनके आधार कार्ड की जानकारी में भी कई बार बदलाव किए गए थे। माना जा रहा है कि इन अलग-अलग रिकॉर्ड की वजह से उनकी उम्र को लेकर करीब 27 महीने का अंतर सामने आया है।

सीएबी की कार्रवाई के तहत, उम्र में गड़बड़ी और कागजात में अनियमितताओं के कारण कुल 65 खिलाड़ियों को 2026-27 और 2027-28 घरेलू सीजन के लिए रजिस्ट्रेशन या ट्रांसफर से रोक दिया गया है। सजा पाने वालों में भारत की अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रवि कुमार भी शामिल हैं। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने अंडर-19 विश्व कप 2022 के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए 34 रन देकर 4 विकेट लिए थे और भारत को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, सीएबी की जांच में रवि कुमार की उम्र से जुड़े रिकॉर्ड में 45 महीने का अंतर पाया गया है। इसके चलते 2021/22 से 2025/26 सीजन के बीच जूनियर और उम्र-वर्ग की प्रतियोगिताओं में उनके सभी रिकॉर्ड अमान्य माने जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना के काफिले पर बड़ा हमला, बीएलए का दावा- 25 जवानों को किया ढेर

इस्लामाबाद। बलूचिस्तान में गुरुवार को पाकिस्तानी सेना के काफिले पर बड़ा हमला हुआ। इस हमले की जिम्मेदारी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने ली है। बीएलए ने दावा किया है कि उन्होंने इस हमले में पाकिस्तानी सेना के 25 जवानों को ढेर किया और सेना की दो गाड़ियों में आग लगा दी। द बलूचिस्तान पोस्ट के मुताबिक, बीएलए के प्रवक्ता ने बताया कि उनके लड़ाकों ने जियारत क्रॉस पर सेना के एक काफिले को निशाना बनाया। उन्होंने गाड़ियों पर हमला किया और उनमें से दो को नष्ट कर दिया, जिनमें सेना का एक ट्रक भी शामिल था। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने शुरुआत में दावा किया था कि हमले में पाकिस्तानी सेना के 18 जवान मारे गए हैं, लेकिन बाद में मरने वालों की संख्या बढ़कर 25 हो गई। बीएलए ने अपने आधिकारिक मीडिया चैनल हक्काल पर इस हमले का 1 मिनट 11 सेकंड का वीडियो ट्रेलर भी जारी किया। संगठन का कहना है कि इसमें जियारत क्रॉस पर हुए हमले के फुटेज दिखाए गए हैं। बीएलए के जारी किए फुटेज में हथियारबंद लड़ाके जलती हुई पाकिस्तानी सैन्य गाड़ियों के पास दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में हादसे की जगह पर शव दिखाए गए हैं। इसके साथ ही जब्त किए गए हथियार भी दिख रहे हैं। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने ये ट्रेलर जारी करते हुए लिखा कि अभी पूरा वीडियो आना बाकी है, जो कि बाद में जारी किया जाएगा। बीएलए के बयान के अनुसार, एक अलग घटनाक्रम में, सुराब के हाजिका इलाके में समूह के स्पेशल टैक्टिकल ऑपरेशंस स्क्वाड ने विस्फोटकों से लदी एक गाड़ी को रिमोट से उड़ा दिया। बीएलए ने दावा किया कि इस हमले में सेना की एक गाड़ी नष्ट हो गई और सात जवान मारे गए।

अटलांटिक महासागर में प्रवासियों की नाव फंसी, 5 की मौत; 44 को बचाया गया

बार्सिलोना, एजेंसी। अटलांटिक महासागर में पश्चिमी अफ्रीकी देशों के प्रवासियों को ले जा रही एक नौका के मुश्किल में फंसने के बाद कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई जबकि कई अन्य लोगों के भी मारे जाने की आशंका है। इस हादसे के बाद 44 लोगों को सुरक्षित बचाकर कैनरी द्वीप लाया गया है। स्पेन की समुद्री बचाव सेवा ने बृहस्पतिवार को बताया कि उसके एक विमान ने बुधवार अपराह्न ग्रैन कैनरिया द्वीप के दक्षिण में लगभग 120 किलोमीटर (74 मील) दूर बहती हुई एक खतरनाक हालत वाली नौका देखी। बचे हुए तीन लोगों को तुरंत हेलीकॉप्टर से द्वीप पर स्थित अस्पताल ले जाया गया। बाकी 41 प्रवासियों को नौका से सुरक्षित बाहर निकाला गया और बृहस्पतिवार तड़के आर्गिनगुइन बंदरगाह पर उतारा गया, जहां रेड क्रॉस ने उनकी देखभाल की। कैनरीज में रेड क्रॉस के प्रवक्ता होजे एंटोनियो रोड्रिगेज वेरोना ने बताया कि बचे हुए सभी लोग पुरुष थे, जिनमें से कुछ नाबालिग थे और वे माली या सेनेगल से आए थे।

भारत के 17 दिन के एयरस्पेस अलर्ट से पाकिस्तान में घबराहट

इस्लामाबाद , एजेंसी। भारत के 17 दिन के एयरस्पेस अलर्ट से पाकिस्तान में घबराहट का माहौल है। इस्लामाबाद ने अपनी सेना को हाई अलर्ट पर रख दिया है। बता दें कि भारत ने 21 सितंबर से 7 अक्टूबर तक के लिए राजस्थान क्षेत्र के पाकिस्तान बॉर्डर पर एयरस्पेस रिजर्व करने के लिए नोटिस टू एयर मिशन्स जारी किया है। जहां सेना का अभ्यास होगा। वहीं इस बीच भारत के नोटैम जारी करते ही इस्लामाबाद में सुरक्षा की तत्काल समीक्षा की जा रही है। इस बीच पाकिस्तान ने सीमा पर चौकसी बढ़ा दी है और किसी भी संभावित खतरे का मुंहतोड़ जवाब देने की चेतावनी दी है। जानकारी के मुताबिक, इसके बाद यह आकलन पाकिस्तान के चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज के ऑफिस को सौंपा गया। भारतीय वायु सेना द्वारा तय एयरस्पेस एक्टिविटी की तैयारी के बीच पाकिस्तानी सुरक्षा एजेंसियों ने भी भारत-पाकिस्तान सीमा पर निगरानी बढ़ा दी है। भारत का नोटैमदो हफ्ते से ज्यादा समय के लिए है और इसने पाकिस्तान के सिक्योरिटी सिस्टम को प्लानड एक्टिविटी की बारीकी से जांच करने के लिए प्रेरित किया है। , सुरक्षा से जुड़े एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि पाकिस्तान के रक्षा अधिकारी इस नोटिफिकेशन को फौरन आकलन की ज़रूरत वाले मामले के तौर पर देख रहे हैं। नतीजतन, सीमा पर सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

स्टाइनम ने गांधी से प्रेरणा ले अमेरिका में छेड़ा था आंदोलन; भारत में पदयात्रा से बदली थी सोच

कैथरीन क्यू सीली, एजेंसी। पूरी दुनिया में चर्चित नारीवादी कार्यकर्ता ग्लोरिया स्टाइनम का बुधवार को 92 साल की उम्र में निधन हो गया। कम ही लोगों को पता होगा कि अमेरिका में महिला मुक्ति आंदोलन का प्रमुख चेहरा रही ग्लोरिया को इसकी प्रेरणा महात्मा गांधी से मिली थीं। वह 1957 में भारत आई थीं और गांधी के अनुयायियों के साथ दक्षिण भारत में पदयात्राओं का हिस्सा रही थीं।

स्टाइनम उस समय कॉलेज के आखिरी वर्ष में थीं और अपने प्रेमी के साथ शादी करने की योजना बना रही थीं। बाद में उन्हें लगा कि वह शायद इसलिए शादी के बंधन में बंध रही हैं और बच्चा पैदा करना चाहती हैं क्योंकि समाज महिलाओं से यही अपेक्षा करता है। उन्हें विवाह एक शुरुआत नहीं, आजादी के अंत जैसा लगा। बस फिर क्या था, उन्होंने सगाई की अंगूठी अपने मंगेतर के तकिये के नीचे रख दी और भारत के सफर पर रवाना हो गईं।

पदयात्रा कर जमीनी हकीकत जानी : वह स्वतंत्रता के केवल एक दशक बाद महात्मा गांधी की विरासत से आकर्षित होकर भारत की ओर खिंची चली आई थीं। उन्होंने अध्ययन के लिए चेस्टर बोउल्स एशियाई फेलोशिप जीती थी लेकिन जल्द ही अपनी कक्षाएं छोड़ दीं। एक साड़ी पहनकर और केवल एक तौलिया, एक कप और एक कंघी लेकर गांधीजी के अनुयायियों के साथ

दक्षिणी भारत में पदयात्रा पर निकल पड़ीं। यहीं, उन्होंने जमीनी स्तर पर संगठन के बारे में सबक सीखे और आगे चलकर अमेरिका में महिला मुक्ति आंदोलन शुरू किया।

प्लेबॉय क्लब में काम कर महिलाओं की दुर्दशा जानी : अमेरिका लौटने के बाद ग्लोरिया ने मैसाचुसेट्स में एक एनजीओ के लिए काम किया। बतौर पत्रकार भी सक्रिय रहीं। वर्ष 1963 में न्यूयॉर्क के प्लेबॉय क्लब में एक अंडरकवर वेट्रेस के रूप में काम किया ताकि महिलाओं की स्थिति को करीब से जान सकें।

रिपोर्ट ने मचा दिया तहलका... : उन्होंने करीब दो हफ्ते तक क्लब में यह काम शो पत्रिका के लिए किया। इसके बाद उनकी जो रिपोर्ट छपी उसने पूरी दुनिया में तहलका मचा दिया। उस दौर में जब महिलाओं को गंभीर पत्रकार या पेशेवर नहीं बल्कि केवल खूबसूरत शो-पीस माना जाता था, ग्लोरिया ने उस कड़वी सच्चाई को दुनिया के सामने रखा, जिसे समाज हमेशा दबाए रहता था।

अंतिम समय तक रहीं सक्रिय : 25 मार्च 1934 को टोलेडो, ओहायो में जन्म। 10 वर्ष की आयु में माता-पिता के तलाक के बाद मानसिक रूप से अस्वस्थ मां की देखभाल की जिम्मेदारी संभाली। 1968 में न्यूयॉर्क पत्रिका की सह-संस्थापक बनीं और मासिक राजनीतिक कॉलम द सिटी पॉलिटिक शुरू कर बेबाक राय रखनी शुरू की। 1972 में पूरी तरह महिलाओं के स्वामित्व वाली और संचालित पहली राष्ट्रीय पत्रिका मिस की सह-स्थापना की, जिसने गर्भपात, घरेलू हिंसा जैसे मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाया। 90 वर्ष की उम्र तक निबंध लिखने, व्याख्यान देने में सक्रिय रही और महिलाओं के मुद्दे उठाती रहीं।

अमेरिका में ग्रीन कार्ड की उम्मीदों को झटका, खाड़ी संकट ने भी बढ़ाई चिंता

वाशिंगटन/दुबई, एजेंसी। अमेरिका में ग्रीन कार्ड के इच्छुक भारतीयों की दिक्कतें और बढ़ सकती हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने चेतावनी दी कि भारतीय नागरिकों के लिए रोजगार आधारित प्रथम प्राथमिकता (ईबी-1) ग्रीन कार्ड आने वाले हफ्तों में अस्थायी रूप से अनुपलब्ध हो सकते हैं। विभाग के सितंबर वीजा बुलेटिन के अनुसार, भारी मांग के चलते अमेरिकी वित्त वर्ष के 30 सितंबर को समाप्त होने से पहले भारत का तय कोटा खत्म हो सकता है। हालांकि विभाग ने कहा है कि वह वीजा उपलब्धता की स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है। जरूरत पड़ने पर वीजा संख्या और तारीखों में उचित बदलाव किए जाएंगे। ईबी-1 श्रेणी असाधारण प्रतिभा वाले पेशेवरों, प्रसिद्ध शोधकर्ताओं, प्रोफेसरों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के अधिकारियों के लिए होती है। अत्यधिक मांग के चलते सितंबर के लिए ईबी-1 भारत की अंतिम कार्रवाई तिथि 15 अक्तूबर, 2022 तय की गई है। इसका मतलब है कि सामान्य तौर पर उन्हीं भारतीय आवेदकों के मामलों में अंतिम कार्रवाई हो सकती है जिनकी प्राथमिकता तारीख 15 अक्तूबर 2022 से पहले की है। खाड़ी क्षेत्र में एक बार फिर पूर्ण युद्ध जैसे हालात हैं। एक माह शांति के बाद अमेरिका-ईरान संघर्ष का ताजा, खतरनाक दौर भारतीयों के लिए संकट लाया है। इसके सीधे असर से यूएई, बहरीन, कुवैत, कतर व सऊदी के करीब 90 लाख भारतीय प्रवासी चिंता में हैं। अमेरिका ने पश्चिम एशियाई देशों के लिए दूसरी सबसे ऊंची श्रेणी की चेतावनी जारी की है। यूरोपीय विमानन सुरक्षा एजेंसी ने भी फारस व ओमान की खाड़ी के लिए चेतावनी 30 सितंबर तक बढ़ा दी है। ये सारे डेवलपमेंट बेहद गंभीर हैं।

डिलीवरी के ऑपरेशन में नहीं मिला बच्चा, सच्चाई जानकर सब रह गए हैरान

कराची , एजेंसी। पाकिस्तान के कराची के एक अस्पताल में गर्भावस्था से जुड़ा हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां 9 महीने की गर्भवती महिला की डिलीवरी के लिए ऑपरेशन किया गया, लेकिन सर्जरी के दौरान उसके पेट में बच्चा ही नहीं मिला। हैरानी की बात यह है कि अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट में महिला की करीब 38 हफ्ते की प्रेग्नेंसी बताई गई थी। मामला सामने आने के बाद परिवार ने अस्पताल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। हालांकि, इस घटना ने एक अहम सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर डिलीवरी के ऑपरेशन से पहले डॉक्टर किन जांचों और क्लिनिकल चेकअप के जरिए यह पुष्टि करते हैं कि महिला वास्तव में गर्भवती है और गर्भ में बच्चा सुरक्षित है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस जांच में सामने आया कि महिला ने अपनी प्रेग्नेंसी की फर्जी अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट तैयार करवाई थी। जांच में यह भी पता चला कि महिला वास्तव में गर्भवती नहीं थी। बताया गया कि परिवार की ओर से उस पर बच्चा कंसीव करने का दबाव था, जिसके चलते उसने कथित तौर पर यह फर्जी रिपोर्ट बनवाई।

डिलीवरी से पहले कौन-कौन सी जांच जरूरी : गुरुग्राम स्थित फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की डायरेक्टर डॉ. नूपुर गुप्ता के मुताबिक, जब कोई महिला डिलीवरी के लिए अस्पताल पहुंचती है तो डॉक्टर सबसे पहले उसकी पिछली मेडिकल रिपोर्ट और

अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट देखते हैं। डॉक्टर यह पता करते हैं कि गर्भावस्था कितने सप्ताह की है, गर्भ में बच्चे की स्थिति क्या है और बच्चे की हार्टबीट कैसी है। अगर पुरानी मेडिकल रिपोर्ट उपलब्ध नहीं हैं या बच्चे की स्थिति को लेकर किसी तरह का संदेह है, तो महिला की स्थिति के अनुसार जरूरी जांच कराई जाती है।

जरूरत पड़ने पर डिलीवरी से पहले उसी समय अल्ट्रासाउंड भी किया जा सकता है। खासकर तब, जब डॉक्टर को बच्चे की पोजिशन, प्लेसेंटा या गर्भावस्था की स्थिति को लेकर कोई चिंता हो। पाकिस्तान के मामले में सबसे बड़ा सवाल यही है कि अगर महिला वास्तव में गर्भवती नहीं थी, तो केवल पुरानी अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट के आधार पर उसका ऑपरेशन कैसे कर दिया गया? डॉ. नूपुर गुप्ता के अनुसार, गर्भावस्था के आखिरी महीनों में बच्चे की स्थिति और उसकी सेहत का आकलन करने के लिए सिर्फ एक पुराना अल्ट्रासाउंड पर्याप्त नहीं माना जाता।

'ईरान के मुकाबले चीन ज्यादा जिम्मेदार', अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस ने कही ये बात

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि ईरान को आर्थिक रूप से अलग-थलग करने के लिए चीन भी अमेरिका का सहयोग करने के लिए तैयार है। उन्होंने ईरान की तुलना में चीन को ज्यादा जिम्मेदार देश भी बताया। अमेरिका ने ईरान पर आर्थिक रूप से दबाव बनाने के लिए 'ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट' शुरू किया है। जिस पर सवाल उठ रहे हैं कि चीन की मदद के बिना ये अभियान सफल नहीं हो सकता। जब इसे लेकर वेंस से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि चीन भी मदद के लिए तैयार है। वेंस ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि चीन सरकार, इस मामले में सहयोग के लिए तैयार है।' हालांकि वेंस ने स्वीकार किया कि अमेरिका और चीन के बीच कुछ नीतिगत मतभेद हैं, लेकिन चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच अच्छे संबंध हैं। वेंस ने कहा, 'चीन के बारे में जो कहें, लेकिन वे उस तरह के देश नहीं हैं कि किसी अंतरराष्ट्रीय विवाद में अपनी बात मनवाने के लिए वाणिज्यिक जहाजों पर गोलीबारी करते रहें।' जेडी वेंस ने बताया कि तुर्किये, अजरबैजान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कतर और अन्य खाड़ी देशों सहित कई अन्य देश भी अमेरिका की मदद करने के लिए कदम उठा रहे हैं। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा, 'कई देश, कभी-कभी सार्वजनिक रूप से कुछ कहने के लिए तैयार नहीं होते हैं, लेकिन निजी तौर पर वे वाणिज्यिक जहाजों पर गोलीबारी करने के लिए ईरान को सबक सिखाना चाहते हैं और इस वजह से वे हमारी मदद भी कर रहे हैं।' अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा कि ट्रंप प्रशासन के पास ईरान से निपटने के लिए आर्थिक, सैन्य, राजनयिक और गुप्त उपायों समेत कई विकल्प मौजूद हैं। वेंस का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब पश्चिम एशिया में तनाव लगातार बढ़ रहा है। वेंस ने कहा कि ईरान पर दबाव बनाने की हम अपनी योजनाओं का खुलासा नहीं करेंगे क्योंकि इससे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की फैसला लेने की क्षमता सीमित हो जाएगी।

100 साल से केन्या में थी टाटा की कंपनी, अब राष्ट्रपति ने कामकाज बंद करने का दिया आदेश

नैरोबी, एजेंसी। केन्या के राष्ट्रपति विलियम रुटो ने काजीआडो के लेक मगाडी में काम कर रही भारतीय कंपनी टाटा केमिकल्स को अपना काम तुरंत रोकने का आदेश दिया है। राष्ट्रपति ने कंपनी पर आरोप लगाया है कि एक सदी से भी अधिक समय से इस क्षेत्र में काम करने के बावजूद वह पर्याप्त निवेश, नौकरियां और औद्योगिक विकास लाने में विफल रही है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि सरकार टाटा केमिकल्स की जगह नए निवेशकों को लाएगी, जिनसे देश में ही विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) सुविधाएं स्थापित करने को कहा जाएगा।

क्या हम दूसरों के गुलाम हैं : एक विकास दौरे के दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति रुटो ने कहा, उस टाटा कंपनी के पास यह अनुबंध 100 वर्षों से था, लेकिन उन्होंने काजीआडो में कोई फैक्टरी या ढांचा खड़ा नहीं किया।

उन्होंने जनता से तीखा सवाल पूछा, क्या हम दूसरे लोगों के गुलाम हैं?। राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि केन्या की प्राकृतिक संपत्ति का लाभ सबसे पहले केन्याई लोगों को मिलना चाहिए और संसाधनों को सिर्फ निकालकर प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग) के लिए बाहर नहीं भेजा जाना चाहिए। सरकार का मानना है कि स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण होने से औद्योगिक विकास, रोजगार और कर राजस्व को बढ़ावा मिलेगा।

1911 से चल रहा था परिचालन : टाटा केमिकल्स का काम इस साल जुलाई के अंत में ही निलंबित करने का सरकारी निर्देश दिया गया था, जिसके बाद मगाडी सोडा फैक्टरी का परिचालन और सोडा ऐश का निर्यात रोक दिया गया था। टाटा केमिकल्स ने साल 2005 में इस कंपनी का अधिग्रहण किया था, जबकि यह व्यवसाय 1911 से मगाडी सोडा कंपनी के रूप में चल रहा था। यहां से सालाना 3.5 लाख टन से अधिक सोडा ऐश भारत, दक्षिण-पूर्वी एशिया और मध्य पूर्व के देशों में निर्यात की जाती थी, जिसका उपयोग कांच, डिटर्जेंट, रसायनों और जल शोधन में होता है।

विपक्ष ने उठाए राष्ट्रपति की नीयत पर सवाल : इस बीच, केन्या की विपक्षी पार्टी डेमोक्रेसी फॉर द सिटीजन्स पार्टी (डीसीपी) ने इस फैसले की कड़ी आलोचना की है। विपक्ष ने इसे राज्य प्रायोजित आर्थिक तोड़फोड़ करार देते हुए आरोप लगाया है कि टाटा केमिकल्स को बंद कराने के पीछे राष्ट्रपति रुटो के अपने निजी व्यापारिक हित जुड़े हो सकते हैं। डीसीपी का दावा है कि मगाडी क्षेत्र के नीचे खरबों शिलिंग मूल्य के लिथियम धातु के विशाल भंडार और तेल की भारी संभावनाएं हैं। विपक्ष का आरोप है कि रुटो टाटा को हटाकर अन्य हितों को बढ़ावा देना चाहते हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि इस फैसले से 1 लाख से अधिक लोगों की आजीविका प्रभावित होगी और नैरोबी में पेयजल शोधन के लिए सोडा ऐश की आपूर्ति बाधित हो सकती है। केन्या के खनन कैबिनेट सचिव हसन जोहो ने आरोप लगाया है कि मंत्रालय ने वर्षों तक कंपनी के साथ जुड़ने का प्रयास किया, लेकिन कंपनी ने नियमों का पालन नहीं किया। अब इस पूरे विवाद और खनन कार्यों को दोबारा शुरू करने की संभावना से जुड़ी एक याचिका पर 18 नवंबर को केन्या की हाईकोर्ट में सुनवाई होगी।

पाकिस्तान में सच बोलने पर सिख पत्रकार का करियर तबाह, एंकर हरमीत सिंह को बेबाक कवरेज की मिल रही सजा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सिख पत्रकार और टीवी एंकर हरमीत सिंह ने दावा किया है कि स्वतंत्र और बेबाक पत्रकारिता के कारण उन्हें लगातार निशाना बनाया गया। उनका आरोप है कि पहले उन्हें टीवी स्क्रीन से हटाया गया और बाद में राजनीतिक विश्लेषक के तौर पर अलग-अलग चैनलों पर आने से भी रोक दिया गया। हरमीत ने अपने छोटे मीडिया कार्यालय पर पुलिस कार्रवाई और उपकरण जब्त किए जाने का भी दावा किया है। हरमीत सिंह के मुताबिक, वह पाकिस्तान के सिख समुदाय से मुख्यधारा के मीडिया में पहुंचने वाले शुरुआती पत्रकारों में से एक हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर

एक संदेश में कहा कि एक हाशिये पर रहने वाले समुदाय से निकलकर मुख्यधारा की पत्रकारिता तक पहुंचना आसान नहीं था। उनके समुदाय के कुछ लोग उनसे यह सवाल भी करते थे कि वह पत्रकारिता में क्यों बने हुए हैं, कोई दूसरा पेशा या कारोबार क्यों नहीं करते। हरमीत ने दावा किया कि परेशानी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ की कवरेज के बाद शुरू हुई। उनके अनुसार, नवंबर 2024 में उनकी कवरेज के बाद उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई। उन्होंने बताया कि उनके खिलाफ मामले दर्ज किए गए, जिनमें इस्लामाबाद में स्ढ्ढक्रऔर पेशावर में शुरू की गई जांच भी शामिल है।

उनके अनुसार, मामला अदालत में विचाराधीन है। हरमीत ने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस ने उनके छोटे मीडिया कार्यालय पर छापा मारा और वहां से कंप्यूटर, कैमरे, माइक्रोफोन और अन्य उपकरण जब्त कर लिए। हरमीत सिंह ने अपने ऊपर लगे किसी भी देश-विरोधी या प्रचार से जुड़े आरोप को खारिज किया। उनका कहना है कि उनकी पत्रकारिता का फोकस लोकतंत्र, संविधान की सर्वोच्चता और आम नागरिकों की समस्याओं पर रहा है। उन्होंने कहा कि उनका नजरिया दूसरों से अलग हो सकता है और शायद यही उनके लिए समस्या बन गया। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने कभी पाकिस्तान के खिलाफ काम नहीं किया और न ही अपने देश के खिलाफ किसी तरह के प्रचार में हिस्सा लिया। सिख बुद्धिजीवी अवतार सिंह ने इस मामले पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि किसी सिख पत्रकार के कार्यालय पर कथित तौर पर छापा मारना और स्वतंत्र रूप से पत्रकारिता करने के कारण कार्रवाई किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है।

बांग्लादेश के पीएम तारिक ने जन्माष्टमी की दी बधाई, शेख हसीना को बताया कंस

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने जन्माष्टमी के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पर बिना नाम लिए तीखा हमला बोला। उन्होंने बांग्लादेश की पिछली सरकार की तुलना मथुरा के राजा कंस से करते हुए कहा कि कंस जैसा क्रूर शासन करीब डेढ़ दशक तक देश में चला और लोगों को उनके लोकतांत्रिक अधिकारों से वंचित रखा गया। ढाका में आयोजित जन्माष्टमी समारोह में तारिक रहमान ने हिंदू समुदाय के लोगों और पुजारियों से मुलाकात की। उन्होंने देश और दुनिया भर के हिंदुओं को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं भी दीं। कार्यक्रम में भगवान कृष्ण के जन्म की कथा का उल्लेख करते हुए तारिक रहमान ने कहा कि करीब 5,000 साल पहले मथुरा में अत्याचारी राजा कंस का शासन था। हिंदू मान्यता के अनुसार, भगवान कृष्ण ने कंस का अंत कर बुराई पर अच्छाई की जीत स्थापित की। इसके बाद उन्होंने इसी कथा को बांग्लादेश की राजनीति से जोड़ दिया। तारिक रहमान ने कहा कि बांग्लादेश में भी कंस जैसा शासक डेढ़ दशक तक सत्ता में रहा और लोगों को उनके लोकतांत्रिक अधिकारों से दूर रखा। उन्होंने दावा किया कि अलग-अलग राजनीतिक और सामाजिक पृष्ठभूमि के लोग एकजुट हुए और उन्होंने कंस जैसे फासीवादी शासन को सत्ता से हटाने के लिए बलिदान दिया। हालांकि, अपने संबोधन में उन्होंने शेख हसीना का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया। तारिक रहमान ने कहा कि वह बांग्लादेश और दुनिया भर के सभी हिंदुओं तथा सनातन धर्म को मानने वाले लोगों को जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, यह कार्यक्रम बांग्लादेश सरकार के धार्मिक मामलों के मंत्रालय और हिंदू धार्मिक कल्याण ट्रस्ट की ओर से आयोजित किया

गया था। कार्यक्रम में तारिक रहमान विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल हुए। उन्होंने हिंदू पुजारियों से मुलाकात की और समुदाय के कुछ लोगों को सम्मान राशि भी वितरित की। तारिक रहमान ने दावा किया कि बांग्लादेश अब दोबारा लोकतंत्र की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि देश के सामने अब अर्थव्यवस्था में सुधार, निष्पक्ष प्रशासन और कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाने की चुनौती है। उन्होंने कहा कि अब बांग्लादेश के पुनर्निर्माण का समय है। बांग्लादेश में 5 अगस्त 2024 को बड़े राजनीतिक घटनाक्रम के बाद शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद छोड़ना पड़ा था। इसके बाद वह भारत आ गईं।

उनकी सरकार के पतन के बाद नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनी। बाद में शेख हसीना की पार्टी आवामी लीग पर प्रतिबंध लगाया गया। हसीना के भारत में रहने और वहां से दिए गए राजनीतिक बयानों के कारण ढाका और नई दिल्ली के संबंधों में भी तनाव देखने को मिला। इसके बाद बांग्लादेश में हुए आम चुनाव में बीएनपी को बहुमत मिला और लंबे समय तक निर्वासन में रहने के बाद तारिक रहमान की सत्ता में वापसी हुई। सत्ता में लौटने के बाद बांग्लादेश की सरकार लगातार भारत से शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग करती रही है। हसीना के खिलाफ बांग्लादेश में कई कानूनी मामले भी चल रहे हैं।

चीन में शख्स ने शुरू किया खुजली मिटाने का बिजनेस, हर महीने कमा रहा 14 लाख; मार्केट में भारी डिमांड

बीजिंग, एजेंसी। चीन के एक 32 साल के युवा एंटरप्रेन्योर ने एक बेहद आम सी समस्या को एक अनोखे और कामयाब बिजनेस आइडिया में बदल दिया है। अब लोग अपनी पीठ या शरीर के अन्य हिस्सों की खुजली शांत करने के लिए प्रोफेशनल मदद ले सकते हैं। हुबेई प्रांत के रहने वाले झांग शियाओकियाओ ने शेनझेन शहर में सुमा ब्रांड नाम से इस अनूठी सर्विस की शुरुआत की है।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक, इस थेरेपी का माहौल बिल्कुल किसी लग्जरी मसाज पार्लर जैसा होता है। यहां ग्राहक आराम से बेड पर लेटते हैं और ट्रेंड स्टाफ उनके शरीर को सहलाता है। इसके लिए प्रशिक्षित स्टाफ खास तौर पर डिजाइन किए गए नुकीले नाखूनों का इस्तेमाल करके उनके शरीर के अलग-अलग हिस्सों को धीरे-धीरे खुजलाते हैं।

प्रति घंटे मोटी रकम खर्च कर रहे लोग : इस अनोखी सर्विस की कीमत लगभग 4,200 रुपये प्रति घंटा है। इसे केवल खुजली मिटाने तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे आराम करने, तनाव कम करने और बेहतर नींद के एक तरीके के तौर पर प्रमोट किया जा रहा है।

ग्राहक अपनी सुविधानुसार स्टाफ को भी बता सकते हैं कि शरीर के किस हिस्से में ज्यादा खुजली हो रही है, ताकि वे उन जगहों पर अधिक ध्यान दे सकें। कई बार इस एहसास से ग्राहकों को गुदगुदी भी होती है और वे हंसने लगते हैं। झांग बताते हैं कि बड़े शहरों में लोग अक्सर बहुत ज्यादा तनाव महसूस करते हैं। इसी वजह से इस सर्विस की मांग तेजी से बढ़ रही है।

14 लाख रुपये महीने की कमाई : झांग ने मई में शेनझेन के बाओआन जिले में अपना पहला आउटलेट खोला था और सफलता को देखते हुए एक महीने बाद फुटियान जिले में दूसरी ब्रांच भी खोल दी। खबरों के मुताबिक, दोनों स्टोर मिलकर हर महीने करीब 14 लाख रुपये की कुल कमाई कर रहे हैं और ब्रेक-ईवन पॉइंट तक पहुंच चुके हैं।

झांग ने आगे बताया कि हम पुरुष और महिला, दोनों तरह के ग्राहकों को सर्विस देते हैं, जिनमें से लगभग 70 प्रतिशत पुरुष हैं।

कुछ ग्राहकों का मानना है कि हमारी सर्विस पारंपरिक मसाज से भी ज्यादा आरामदायक है। इसी वजह से हमारे पास बार-बार आने वाले नियमित ग्राहकों का एक मजबूत आधार बन गया है।

कहां से मिला आइडिया : यह अनोखा आइडिया सोशल मीडिया और बचपन की यादों के दिलचस्प मेल से पैदा हुआ। पिछले साल, झांग ने इंटरनेट पर एक छोटा सा वीडियो देखा जिसमें एक महिला अपने पति की पीठ खुजला रही थी। वीडियो पर आए कमेंट्स ने उनका ध्यान खींचा, कई लोगों ने लिखा था कि वे अपनी खुजली मिटाने के लिए किसी को खुशी-खुशी पैसे देने को तैयार हैं। इस घटना ने झांग को उनके बचपन की याद दिला दी, जब उनके पिता अक्सर उन्हें सुलाने के लिए प्यार से उनकी पीठ खुजलाया करते थे। इसी के बाद उन्होंने सोचा कि क्या आराम देने वाले इस साधारण से काम को एक पेशेवर सर्विस में बदला जा सकता है।

खुद डेवलप किया खुजलाने का तरीका : चूंकि चीन में पेशेवर तौर पर खुजली मिटाने वाले बिजनेस का कोई स्थापित उदाहरण नहीं था, इसलिए झांग को सर्विस खुद ही डिजाइन करनी पड़ी। उन्होंने अलग-अलग तरीकों का परीक्षण किया और यह पता लगाया कि ग्राहकों के लिए इस अनुभव को सबसे ज्यादा आरामदायक कैसे बनाया जा सकता है। यह स्टार्टअप झांग के पिछले करियर से बिल्कुल अलग है। ग्रेजुएशन के बाद, उन्होंने एक साल में सात अलग-अलग नौकरियां की थीं। बाद में सोशल मीडिया इंडस्ट्री में आने से पहले उन्होंने दो क्रॉस-बॉर्डर ई-कॉमर्स कंपनियाँ भी शुरू की थीं, लेकिन उन्हें वैसी कामयाबी नहीं मिली जैसी उम्मीद थी।

100 आउटलेट खोलने का लक्ष्य : अब उनका यह अनोखा आइडिया लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हो रहा है। ऑनलाइन भी इस बिजनेस ने उत्सुकता पैदा की है और लोग मजाक में इस बात पर बहस कर रहे हैं कि क्या प्रोफेशनल खुजली मिटाना सच में एक मान्यता प्राप्त पेशा बन सकता है। आने वाले समय में पूरे चीन में सुमा के 100 आउटलेट खोलेंगे और इस अनोखे काम को एक व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त सर्विस प्रोफेशन में बदल देंगे।

भाई पर कमेंट से भड़की जेठानी देवरानी की हत्या कर हौज में डाला शव

राखी के दिन रिश्तों का कत्ल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। राऊ में रक्षाबंधन के दिन एक कमेंट ने पारिवारिक विवाद को खूनी वारदात में बदल दिया. आरोप है कि जेठानी पार्वती बाई कुशवाह ने अपनी देवरानी वंदना की गर्दन पर चाकू से वार कर हत्या कर दी और शव पानी के हौज में फेंक दिया. पुलिस ने CCTV की मदद से चंद घंटों में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. राखी का त्योहार भाई-बहन के रिश्ते को मजबूत करने का दिन होता है, लेकिन इंदौर में इसी दिन एक परिवार के रिश्ते खून से रंग गए. राऊ थाना क्षेत्र के न्यू नेहरू नगर में 21 वर्षीय वंदना पटेल की हत्या से सनसनी फैल गई. उसका शव एक बंद मकान के बाहर बने पानी के हौज में मिला. शरीर पर चाकू के निशान थे और शुरुआती जांच में मामला हत्या का सामने आया सूचना मिलते ही राऊ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच शुरू की. पुलिस ने आसपास लगे छ्ष्ट्ठ्ठञ्जङ्क्क कैमरों के फुटेज खंगाले. इसी दौरान मृतका की जेठानी पार्वती बाई कुशवाह की गतिविधियां संदिग्ध नजर आईं. फुटेज में वह पति भूपेंद्र पटेल के साथ घर से निकलती दिखाई दी. इसके बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की और उसे अरबिंदो अस्पताल से हिरासत में लिया. पूछताछ में सामने आया कि वंदना और पार्वती के बीच उसके भाई को लेकर विवाद हुआ था. पुलिस के मुताबिक, पार्वती का भाई दमोह जेल में दुष्कर्म के मामले में बंद है. आरोप है कि रक्षाबंधन के दिन वंदना ने पार्वती के भाई को लेकर एक टिप्पणी कर दी थी. इसी बात को लेकर दोनों में कहासुनी हुई और देखते ही देखते विवाद हिंसक हो गया.

एक कमेंट से शुरू हुआ विवाद, चाकू तक पहुंची बात

घटना के समय घर में पार्वती और वंदना ही मौजूद थीं. पार्वती के बच्चे स्कूल गए हुए थे, जबकि उसका पति और देवर अस्पताल में भर्ती थे. इसी दौरान दोनों के बीच विवाद बढ़ गया. आरोप है कि गुस्से में पार्वती ने चाकू उठाया और वंदना की गर्दन पर लगातार दो वार कर दिए. गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई. वारदात के बाद आरोपी ने सबूत मिटाने की कोशिश की. पुलिस के मुताबिक पार्वती ने वंदना के शव को घर से बाहर बने पानी के हौज तक खींचकर पहुंचाया और उसमें डाल दिया. इसके बाद उसने खुद को सामान्य दिखाने की कोशिश की. हत्या के बाद वह अस्पताल भी पहुंची, जहां उसका पति भर्ती था. वहां उसने पति से मुलाकात की, जबकि दूसरी तरफ वंदना की तलाश जारी थी. वंदना की अचानक गुमशुदगी को लेकर पहले चंदन नगर थाने में भी शिकायत दर्ज कराई गई थी. बताया गया है कि वंदना ने 11 अगस्त को उपेंद्र के साथ मंदिर में लव मैरिज की थी. परिवार इस शादी से खुश नहीं था. वंदना की नशे की आदत को लेकर भी परिजनों में नाराजगी थी. इसके बाद उपेंद्र नेहरू नगर छोड़कर राजनगर में किराए के मकान में रहने लगा था.

राजस्थान, खक्कक्कमें मूसलाधार बारिश से नदियां उफान पर, बिहार में बाढ़ से 6.65 लाख लोग बेघर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। मेघराज ने उत्तर और मध्य भारत में भयानक रूप ले लिया है। आसमानी आफ़त ने राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार समेत कई राज्यों में भारी तबाही मचाई है। लगातार मूसलाधार बारिश से कई इलाकों में जलभराव हो गया है, वहीं नदियां और नाले उफान पर आकर उफान पर हैं, जिससे आम जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। सुरक्षा के लिहाज से प्रशासन ने कई जिलों में स्कूल-कॉलेजों में छुट्टियां घोषित कर दी हैं। बिहार में बाढ़ की स्थिति बेहद गंभीर और भयावह स्थिति में पहुंच गई है। राज्य के कई जिले बाढ़ के पानी में डूब गए हैं, जिससे 6.65 लाख से ज़्यादा लोग बाढ़ से सीधे तौर पर प्रभावित हुए हैं। गंगा, कोसी, गंडक और बूढ़ी गंडक जैसी बड़ी नदियां खतरे के निशान को पार कर गई हैं, जिसकी वजह से हजारों घरों में पानी भर गया है। लोग अपने घर छोड़कर ऊंचे इलाकों और नेशनल हाईवे पर शरण लेने को मजबूर हो गए हैं। NDRF और SDRF की टीमें दिन-रात राहत और बचाव के काम में लगी हुई हैं, लेकिन पानी का लेवल लगातार बढ़ने से हालात काबू से बाहर होते जा रहे हैं। दूसरी ओर, उत्तराखंड में लैंडस्लाइड और भूस्खलन की वजह से केदारनाथ धाम जाने वाला रास्ता पूरी तरह से ब्लॉक हो गया है। मौसम विभाग की भारी बारिश की चेतावनी के बाद और भक्तों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए केदारनाथ चार धाम यात्रा को कुछ समय के लिए रोक दिया गया है। हजारों तीर्थयात्रियों को सुरक्षित जगहों पर रोका गया है। राजस्थान और मध्य प्रदेश के कई शहरों में भी पानी भरने से ट्रैफिक में रुकावट आई है और शहरों और ग्रामीण इलाकों के बीच संपर्क टूट गया है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में इन राज्यों में भारी बारिश का अनुमान जताया है, जिसके बाद अधिकारियों ने रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किए हैं। पूरा उत्तर भारत इस समय मूसलाधार बारिश और बाढ़ के भयानक प्रकोप के कारण प्रकृति के प्रकोप का सामना कर रहा है।

बेंगलुरु में लोन रिकवरी के नाम पर इंसानियत शर्मसार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बेंगलुरु। सिलिकॉन सिटी के नाम से मशहूर बेंगलुरु से इंसानियत को शर्मसार करने वाली और दिल दहला देने वाली एक बहुत ही हैवानियत भरी घटना सामने आई है। पैसों के लेन-देन और लोन रिकवरी के नाम पर गुंडों ने सारी हदें पार कर दी हैं। एक महिला को फिल्मी स्टाइल में सिर्फ इसलिए किडनैप कर लिया गया क्योंकि वह सिर्फ ?1.5 लाख का लोन नहीं चुका पा रही थी, बंधक बनाकर बेरहमी से पीटा गया। इससे भी बेपरवाह बदमाशों ने महिला का न्यूड वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी, जिससे पूरे देश में दहशत फैल गई। मिली जानकारी के मुताबिक, पीड़ित महिला ने अपनी निजी जरूरतों के लिए 1.5 लाख का लोन लिया था। लेकिन पैसों की तंगी के कारण महिला समय पर लोन की रकम नहीं चुका पाई। इसका फायदा उठाकर लोन देने वाले गुंडों ने रिकवरी के नाम पर अमानवीय बर्ताव शुरू कर दिया। आरोपियों ने महिला को जबरदस्ती सड़क से उठाया और एक अनजान जगह पर बंधक बना लिया। जहां उसे डंडों और हाथ-पैरों से बेरहमी से पीटा गया। महिला की चीखें सुनने के बाद भी, शैतानी सोच वाले आरोपियों का दिल नहीं पिघला। आरोपियों ने इंसानियत की सारी हदें पार कर दीं और महिला को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया और धमकी दी कि अगर उसने पुलिस या किसी को बताया तो उसका न्यूड वीडियो वायरल कर देंगे। इस भयानक घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची बेंगलुरु पुलिस तुरंत एक्शन मोड में आ गई और गहन जांच शुरू कर दी। पुलिस ने टेक्निकल सर्विलांस और मुखबिरों की मदद से छापेमारी कर इस जुर्म में शामिल तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पैसे के लेन-देन में इस तरह की दादागिरी, जुल्म और बर्बरता कानूनी सिस्टम पर बड़े सवाल खड़े करती है। हर तरफ से यह मांग उठ रही है कि कानून हाथ में लेकर महिलाओं पर इस तरह के क्रूर अत्याचार करने वाले आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए और उन्हें ऐसी सजा दी जाए जो मिसाल बन जाए।

सरकारी दावों की पोल खुली खंभालिया में पशुपालक चारे के बिना परेशान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में हो रही मूसलाधार बारिश ने केंद्र सरकार और एयरपोर्ट अथॉरिटी के सारे दावों की हवा निकाल दी है। देश के सबसे एडवांस और अवॉर्ड-विनिंग माने जाने वाले इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोट पर कुछ ही घंटों की बारिश में ऐसा पानी भर गया कि पूरा एयरपोर्ट कॉम्प्लेक्स स्विमिंग पूल बन गया। दुनिया भर से आने वाले टूरिस्ट के प्रति भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर की बड़ी लापरवाही सामने आई है। सबसे शर्मनाक स्थिति हाई-टेक माने जाने वाले एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 पर देखने को मिली। इंटरनेशनल फ्लाइट्स के लिए इस्तेमाल होने वाले इस टर्मिनल में पानी भर गया। पानी भरने की वजह से डिपार्चर, अराइवल, सिक्योरिटी चेक-इन एरिया और टिकटिंग काउंटर घुटनों तक पानी से भर गए। डोमेस्टिक और इंटरनेशनल पैसेंजर अपने महंगे सामान और सूटकेस को पानी में भीगकर पैदल चलने को मजबूर हुए। टर्मिनल में चारों तरफ पानी भरने से भारी भगदड़ मच गई और पैसेंजर्स में गुस्सा फैल गया। एयरपोर्ट के रनवे, टैक्सीवे और एप्रन एरिया में पानी भरने से एयर ट्रैफिक पूरी तरह से रुक गया। विजिबिलिटी कम होने और रनवे में पानी भरने से दर्जनों डोमेस्टिक और इंटरनेशनल फ्लाइट्स रुक गईं। कई फ्लाइट्स को जयपुर, लखनऊ और अहमदाबाद जैसे पास के एयरपोर्ट्स पर डायवर्ट करना पड़ा, जबकि कुछ फ्लाइट्स घंटों के लिए कैंसिल करनी पड़ीं। इस वजह से हजारों पैसेंजर्स घंटों तक भूखे-प्यासे एयरपोर्ट के अंदर फंसे रहे। एयरपोर्ट के अंदर तैरते सामान, टपकती छतों और वॉटर बम के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पूरे देश में काफी गुस्सा है। अरबों रुपये की लागत से बने इस ग्लोबल हब का सीवरेज और ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह से फेल हो गया है।

एथेनॉल: पेट्रोल पंप से लेकर रसोई की प्लेट तक!

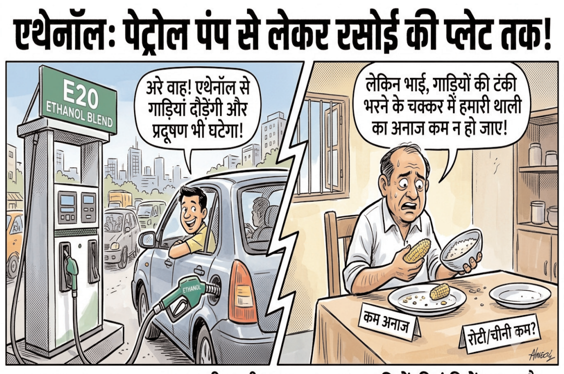

जनता का नया कन्फ्यूजन: हमारी थाली का अनाज... अब गाड़ियों की टंकी में जा रहा है!

एअर इंडिया ने फुकेट-दिल्ली फ्लाइट के पायलट को नौकरी से निकाला, नशे में उड़ाया था प्लेन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। एअर इंडिया ने सुरक्षा से जुड़े एक मामले में बड़ी कार्रवाई की है. एअरलाइन ने फुकेत से दिल्ली आने वाली फ्लाइट ढ्ढ2379 के पायलट-इन-कमांड को नौकरी से निकाल दिया है. पायलट की जांच में साइकोएक्टिव सब्सटेंस यानी नशीले या मानसिक प्रभाव डालने वाले पदार्थ की मौजूदगी पाई गई थी. इसके बाद एअर इंडिया ने तत्काल प्रभाव से उसकी सर्विस खत्म कर दी हैं. एअर इंडिया ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि यात्रियों की सुरक्षा उसकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है. एअरलाइन ने पायलट के खिलाफ कार्रवाई को अपनी जीरो टॉलरेंस नीति के तहत बताया है. कंपनी का कहना है कि, सुरक्षा, फिटनेस या किसी भी नियमों का उल्लंघन किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा. एअर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि फुकेत-दिल्ली उड़ान के पायलट-इन-कमांड का साइकोएक्टिव सब्सटेंस टेस्ट पॉजिटिव आया था. इसके बाद एअरलाइन ने बिना देरी किए उसकी नौकरी खत्म करने का फैसला लिया. यह कार्रवाई तत्काल प्रभाव से लागू की गई है. पायलट के खिलाफ यह कार्रवाई एअरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो की रिपोर्ट के बाद हुई है. रिपोर्ट में मामले से जुड़ी जानकारी सामने आने के बाद एयर इंडिया ने अपने स्तर पर कार्रवाई की. कंपनी ने साफ किया कि उड़ानों के संचालन में सुरक्षा नियमों का पालन सबसे अहम है. एअरलाइन ने कहा कि पायलटों की फिटनेस और सरकारी नियमों के मानकों को लेकर किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. खासकर विमान उड़ाने वाले पायलट के लिए नशीले या साइकोएक्टिव पदार्थ से जुड़ा पॉजिटिव टेस्ट गंभीर मामला माना जाता है. एअर इंडिया ने कहा कि वह सुरक्षा मानकों को लेकर लगातार सख्त कदम उठा रही है.

दही हांडी खत्म हुई, 10 मिनट बाद मंडप खोलते वक्त गिरा लोहे का ढांचा, पुणे में 45 साल की महिला की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। पुरानी सांगवी में दही हांडी का जश्न खत्म हुए महज 10 मिनट हुए थे. मंडप और मंच हटाने का काम शुरू ही हुआ था कि लोहे का भारी ढांचा अचानक गिर पड़ा. इसकी चपेट में 45 साल की महिला आ गईं. गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी. हादसे के बाद परिवार ने पुलिस में शिकायत से इनकार कर दिया. पुणे के पुरानी सांगवी इलाके में दही हांडी का जश्न खत्म होने के बाद दर्दनाक हादसा हो गया. कार्यक्रम के लिए लगाया गया लोहे का ढांचा जब हटाया जा रहा था, तभी उसका एक हिस्सा अचानक नीचे गिर गया. इसकी चपेट में 45 साल की एक महिला आ गईं. सिर पर लोहे का हिस्सा गिरने से महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं. उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. हादसा पुरानी सांगवी के लेन नंबर दो में हुआ, जहां विघ्नहर्ता मंडल की ओर से दही हांडी का आयोजन किया गया था. पुलिस के मुताबिक, विघ्नहर्ता मंडल की दही हांडी रात करीब 10 बजे फोड़ी गई थी. कार्यक्रम खत्म होने के बाद करीब 10 मिनट बाद ही मंच और मंडप हटाने का काम शुरू कर दिया गया. इसी दौरान महिला अपने पति के साथ वहां मौजूद थी. दोनों दही हांडी देखने के लिए आए थे. उनका बेटा भी इसी दही हांडी मंडल से जुड़ा हुआ है. कार्यक्रम खत्म हो चुका था. लोग धीरे-धीरे वहां से लौट रहे थे और आयोजन में लगाए गए सामान को हटाने का काम चल रहा था. तभी लोहे के ढांचे का एक हिस्सा अचानक नीचे आ गिरा. महिला इसकी चपेट में आ गई और लोहे का हिस्सा उनके सिर पर जा लगा. हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई. पुलिस को सूचना दी गई और घायल महिला को इलाज के लिए तुरंत औंध अस्पताल ले जाया गया. डॉक्टरों ने बचाने की कोशिश की, लेकिन चोट इतनी गंभीर थी कि उनकी मौत हो गई. हादसे के बाद पुलिस ने मामले की जानकारी जुटाई और परिवार के सदस्यों से बातचीत की. लेकिन परिवार ने मंडल के आयोजकों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने से इनकार कर दिया. मृतका का बेटा खुद दही हांडी मंडल से जुड़ा हुआ है. परिवार का कहना है कि वे इस घटना की वजह से मंडल से जुड़े दूसरे युवकों या सदस्यों के लिए परेशानी खड़ी नहीं करना चाहते.

पर्युषण महापर्व का दूसरा दिन नरीमन नागेश्वर के नाम, होगी विराट महापूजा एवं प्रभु भक्ति

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर (प्रदीप जैन)। श्री नरीमन नवकार जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक श्रीसंघ ट्रस्ट के अध्यक्ष निलेश जैन ने बताया श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ प्रभु की आराधना और पर्युषण महापर्व के पावन अवसर पर इंदौर के नरीमन सिटी क्षेत्र में श्रद्धा एवं भक्ति का भव्य आयोजन होने जा रहा है। पर्युषण महापर्व के दूसरे दिन बुधवार, 9 सितंबर 2026 को 'विराट महापूजा एवं प्रभु भक्ति' का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु सपरिवार पहुंचकर भगवान श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ की भक्ति, पूजा-अर्चना एवं आराधना का लाभ लेंगे। आयोजन को लेकर श्री नरीमन नवकार जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक श्रीसंघ ट्रस्ट, इंदौर तथा नरीमन नागेश्वर भक्त मंडल,नवकार नरीमन शाखा एवं नरीमन नागेश्वर महिला मंडल द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। आयोजन में धर्म, भक्ति, संगीत और आध्यात्मिक वातावरण का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। ट्रस्ट के प्रवीण गुरूजी ने बताया भगवान श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ की आकर्षक एवं मनमोहक अंगरचना की जाएगी। इसके साथ ही पुष्पों से प्रभु की दिव्य महापूजा सजाई जाएगी। दीपों से मंगलमय दीप सज्जा तथा संगीतात्मक आरती के माध्यम से वातावरण को भक्तिमय बनाया जाएगा। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं को सामूहिक रूप से प्रभु आराधना करने का अवसर मिलेगा। ट्रस्ट के आर सी जैन ने बताया विराट महापूजा एवं प्रभु भक्ति के माध्यम से पर्युषण पर्व की आध्यात्मिक भावना को जन-जन तक पहुंचाने और श्रद्धालुओं को धर्माराधना से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। ट्रस्ट के विजय जैन गोटावाला ने बताया कार्यक्रम में प्रसिद्ध संगीतकार एवं भावों की अभिव्यक्ति के लिए डॉ. विपिन वागरेचा अपनी प्रस्तुति देंगे, जबकि संगीत के सुर आयुष बोहरा की प्रस्तुति से भक्ति का वातावरण और अधिक भावपूर्ण होगा। संगीतात्मक प्रस्तुतियों के साथ श्रद्धालु भगवान की भक्ति में लीन होंगे।आयोजन के लाभार्थी राजेन्द्र - विभा, भरत - तृप्ति, अमित - गुंजन, शुभ, शौर्य, सना व अमायरा ट्रस्टी मनीष शाह के अनुसार कार्यक्रम का उद्देश्य केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है, बल्कि पर्युषण महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं को प्रभु भक्ति, आत्मचिंतन और आध्यात्मिक ऊर्जा से जोड़ना भी है। श्री संघ के नाना सेठ, बाबूलाल भंडारी, शरद जैन, महेंद्र कटारिया, अजय चौधरी, अजय अम्बोर, शान्तिलाल जैन, प्रवीण सकलेचा,प्रदीप आँचलिया, प्रकाशचंद जैन, दिलीप जैन,संदीप जैन, रितेश जैन, ऋषभ शाह, अल्केश गाँधी, अनिल कुमार जैन, अजीत जैन, अमित मेहता,अंकुशसिंह सिसोदिया, स्वप्निल नानावटी, सिद्धांत जैन, हितेश काकरिया ने समाजजनों से इस विशेष धार्मिक आयोजन में सपरिवार सहभागी बनने का आह्वान किया है। पर्युषण महापर्व के दूसरे दिन आयोजित यह विराट महापूजा श्रद्धालुओं के लिए प्रभु आराधना और सामूहिक भक्ति का विशेष अवसर बनेगी।

मुंबई में मेट्रो स्टेशन के नीचे पर्यटक बस में लगी आग, बाल-बाल बचे यात्री और ड्राइवर

मुंबई में एक पर्यटक बस में अचानक आग लग गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

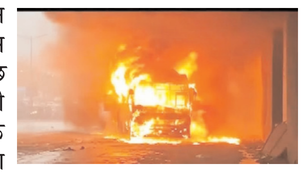

मुंबई। शुक्रवार शाम एक पर्यटक बस में अचानक आग लग गई. हादसा गोरेगांव ईस्ट मेट्रो स्टेशन के नीचे हुआ. आग लगते ही बस से धुआं निकलने लगा और कुछ ही देर में पूरा वाहन आग की लपटों में घिर गया. घटना के वक्त बस गुजरात की ओर जा रही थी. राहत की बात रही कि बस में सवार सभी पांच यात्री और ड्राइवर सुरक्षित हैं. हादसे में किसी के घायल होने या जान जाने की खबर नहीं है. जानकारी के मुताबिक, घटना शुक्रवार शाम करीब 6.15 बजे चेकनाका सिग्नल के पास हुई. यह जगह ओबेरॉय गार्डन सिटी मेट्रो स्टेशन के नीचे है. आग लगने वाली बस की पहचान महादेव ट्रैवलर के रूप में हुई है. इसका रजिस्ट्रेशन नंबर MJ 01 AN 1695 बताया गया है. बस में पांच यात्री सवार थे. ड्राइवर निजार कपाड़िया भी बस में मौजूद थे. अचानक बस में आग भड़क उठी. देखते ही देखते आग ने पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया. मौके से सामने आए वीडियो में बस धू-धूकर जलती नजर आ रही है. आग से निकलता घना धुआं भी काफी दूर तक दिखाई दिया. घटना के कारण सड़क पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया बस में आग की सूचना मिलते ही मुंबई फायर ब्रिगेड की टीम को मौके पर भेजा गया. पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची. इसके अलावा 108 एंबुलेंस सेवा और मेट्रो प्रशासन की टीमों को भी मौके पर बुलाया गया. फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने तुरंत आग बुझाने का काम शुरू किया. काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया.

दिल्ली पुलिस की सूझबूझ से बची नेपाली युवक की जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के त्वरित एक्शन और सूझबूझ से डिफेंस कॉलोनी इलाके के हुडको पार्क में एक 24 वर्षीय नेपाली युवक को आत्महत्या करने से सुरक्षित बचा लिया गया। शुक्रवार को पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि हुडको पार्क में एक युवक पेड़ पर चढ़ा हुआ है और गले में फंदा डालकर जान देने की कोशिश कर रहा है। खबर मिलते ही डिफेंस कॉलोनी थाने की पुलिस टीम बिना समय गंवाए मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए पहले युवक से बातचीत शुरू की, उसे ढांढस बंधाया और धीरे-धीरे बातों में उलझाकर सुरक्षित नीचे उतार लिया। पूछताछ में युवक ने अपनी आपबीती सुनाते हुए बताया कि वह नेपाल का रहने वाला है.

Auda डायरेक्टर और IB ऑफिसर बनकर धोखाधड़ी

घर दिलाने के नाम पर 11 लोगों से 24.50 लाख ठगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। वस्त्रपुर में 11 लोगों से सस्ते दाम पर,ह्वस्त्रड्ड घर दिलाने के नाम पर 24.50 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। राजेश उर्फ राजभा बाबूलाल राठौड़ ने खुद को,ह्वस्त्रड्ड डायरेक्टर और रिटायर्ड IB ऑफिसर बताकर लोगों को अपने भरोसे में लिया। लड़की ने इस मामले में वस्त्रपुर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। मोटेरा की रहने वाली नियति जैन ने वस्त्रपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है कि फिल्मों के सोशल मीडिया प्रमोशन के दौरान राजेश राठौड़ ने उससे संपर्क किया। राजेश ने कहा कि कई गुजराती फिल्में लाइनअप में हैं और उसे सोशल मीडिया पार्टनर बनने का ऑफर दिया। इस बीच, उसने दावा किया कि वह आसानी से घर दिला सकता है। फरवरी 2026 में जब नियति और उसके पति राजेश से उसके घर पर मिले, तो राजेश ने घर खरीदने की इच्छा जताई और टोकन के तौर पर 1 लाख रुपये दिए। भरोसा जीतने के लिए राजेश ने,ह्वस्त्रड्ड के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में अपना नाम दिखाते हुए एक फर्जी डॉक्यूमेंट दिखाया। इसके अलावा, उसने यह भी कहा कि वह IB से रिटायर हो चुका है। इतना ही नहीं, उसने स्विस बैंक में 3,400 करोड़ रुपये दिखाते हुए एक फर्जी बैंक स्टेटमेंट भी दिखाया। नियति ने अपनी कहानियों में दूसरे जान-पहचान वालों को भी शामिल किया। चेक बाउंस होने पर वस्त्रपुर पुलिस स्टेशन में क्राइम दज 11 लोगों से कुल 24.50 लाख रुपये लेने और घर न मिलने पर 1 अगस्त को एग्रीमेंट नोटरी करवाया। उसने 17 अगस्त तक पैसे लौटाने की बात मानी, लेकिन रकम नहीं लौटाई। बाद में उसने प्रशांत गांधी के नाम से 6.30 लाख रुपये का चेक दिया, जो बाउंस हो गया।

देवमोगरा याहामोगी माताजी मंदिर के डेवलपमेंट के लिए और 13.02 करोड़ रुपये मंजूर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

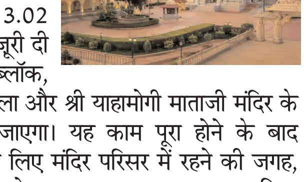

गांधीनगर। नर्मदा के सागबारा तालुका के देवमोगरा में मौजूद श्री याहामोगी माताजी मंदिर के डेवलपमेंट को और तेज़ी मिलेगी। आदिवासी समुदाय की आस्था से जुड़े इस धार्मिक स्थल के फेज़-2 के डेवलपमेंट के लिए डिप्टी चीफ मिनिस्टर हर्ष सांघवी ने 13.02 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट को मंजूरी दी है। फेज़-2 में दो नए टॉयलेट ब्लॉक, ट्रस्ट परिसर में एक नई धर्मशाला और श्री याहामोगी माताजी मंदिर के गर्भगृह का रेनोवेशन किया जाएगा। यह काम पूरा होने के बाद देवमोगरा आने वाले भक्तों के लिए मंदिर परिसर में रहने की जगह, साफ़-सफ़ाई और सुविधाओं को बढ़ाया जाएगा। गुजरात टूरिज्म कॉर्पोरेशन देवमोगरा में भक्तों और टूरिस्ट को सुविधाएं देने के लिए फेज-वाइज डेवलपमेंट का काम कर रहा है। इससे पहले, फेज-1 में 11.33 करोड़ रुपये की लागत से कई सुविधाएं डेवलप की गई थीं। फेज-1 के तहत धर्मशाला, सेंट्रल विस्टा, टॉयलेट ब्लॉक, स्टोन एंट्रेंस, पार्किंग, पाथवे और 295 दुकानें जैसी सुविधाएं दी गईं। जिससे मंदिर आने वाले भक्तों और टूरिस्ट के लिए बेसिक सुविधाएं बढ़ गई हैं। मंदिर के गर्भगृह के रेनोवेशन से भी धार्मिक स्थल के संरक्षण और डेवलपमेंट को बढ़ावा मिलेगा।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.